हिन्दी दैनिक

पटना (बिहार) तथा लुधियाना (पंजाब) से एक साथ प्रकाशित

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,शुक्रवार | 21 फरवरी 2025 | वर्ष : 03 | अंक :50 | पृष्ठ -12 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

'अगर मायावती ने साथ दिया होता तो...', राहुल गांधी के बयान पर भड़कीं बसपा प्रमुख,

एजेंसी

नई दिल्ली: आज रायबरेली में छात्रों के साथ बातचीत के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हम चाहते थे कि बहनजी बीजेपी के खिलाफ लड़ाई में हमारे साथ रहें। लेकिन किसी कारण से, मायावती जी ने ऐसा नहीं किया। अगर तीनों पार्टियां एक साथ आतीं, तो बीजेपी कभी नहीं जीतती। इसके बाद बसपा प्रमुख मायावती ने राहुल गांधी पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी जिन राज्यों में मजबूत है या जहाँ उनकी सरकारें हैं वहाँ बीएसपी व उनके अनुयाइयों के साथ द्वेष व जातिवादी रवैया है, किन्तु यूपी जैसे राज्य में जहाँ कांग्रेस कमजोर है वहाँ बीएसपी से गठबंधन की वरगलाने वाली बातें करना यह उस पार्टी का दोहरा चरित्र नहीं तो और क्या है ?पूर्व सीएम ने कहा कि फिर भी बीएसपी ने यूपी व अन्य राज्यों में जब भी कांग्रेस जैसी जातिवादी पार्टियों के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा है तब हमारा बेस वोट उन्हें ट्रांस्फर हुआ है।

27 साल के बाद दिल्ली में एक बार फिर बीजेपी सरकार

रेखा गुप्ता ने रामलीला मैदान में सीएम पद की शपथ ली

दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आज रामलीला मैदान में सीएम पद की शपथ ली। उनके साथ उनकी कैबिनेट ने भी शपथ ली। इस समारोह में पीएम मोदी समेत और कई राज्यों के मुख्यमंत्री पहुंचें।

CAG की रिपोर्ट विधानसभा में होगी पेश, दिल्ली कैबिनेट के बड़े फैसला आयुष्मान योजना होगी लागू,

एजेंसी

नई दिल्ली: 27 साल के लंबे इंतजार के बाद आज दिल्ली में एक बार फिर बीजेपी सरकार बन गई है। पहली बार विधायक बनीं रेखा गुप्ता ने दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में सीएम पद की शपथ ली। उन्हें कल बीजेपी विधायक दल का नेता चुना गया था। शपथ ग्रहण समारोह में पीएम नरेंद्र मोदी के अलावा सभी प्रमुख केंद्रीय मंत्री और पार्टी के सभी सीनियर नेता और पदाधिकारी भी शामिल हुए। दिल्ली सीएम के शपथ ग्रहण से जुड़े सभी बड़े अपडेट जानने के लिए बने रहिए नवभारतटाइम्स. कॉम के साथ। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, 'हमने जो जनता से वादा किया था वो सभी वादे पूरे किए जाएंगे। हमने पहली कैबिनेट बैठक में आयुष्मान योजना को मंजूरी देकर उसे आगे की प्रक्रिया के लिए कर दिया है..' दिल्ली की पूर्व सीएम आतिशी के भाजपा के दिल्ली में महिलाओं को 2500 रुपए देने के वादे को लेकर दिए गए बयान पर उन्होंने कहा,' यह हमारी सरकार है तो एजेंडा हमारा होगा। तो हमें काम करने दीजिए। आपको हमें हर चीज बताने की जरूरत नहीं है जब आपका कार्यकाल था तो आपने किया।'दिल्ली में 6 मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा हो गया है। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने सामान्य प्रशासन, सेवाएं, वित्त, राजस्व, महिला एवं बाल कल्याण, भूमि एवं भवन, जनसंपर्क, सतर्कता एवं प्रशासनिक सुधार विभाग अपने पास रखे हैं। प्रवेश वर्मा के पास लोक निर्माण विभाग, विधायी मामले,गुरुद्वारा चुनाव, सिंचाई, बाढ़ नियंत्रण, जल, जैसे अहम मंत्रालयों की जिम्मेदारी होगी। आशीष सूद को गृह, बिजली, शहरी विकास, शिक्षा, उच्चतर शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है। मनजिंदर सिंह सिरसा को उद्योग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, वन एवं पर्यावरण की जिम्मेदारी दी गई है। रविंद्र सिंह इंद्राज समाज कल्याण, एससी और एसटी कल्याण, सहकारिता विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

भाजपा सरकार दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और संपन्न बनाकर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ राजधानी बनाएगी: शाह

अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर रेखा गुप्ता को बधाई दी और कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार राष्ट्रीय राजधानी को स्वच्छ, सुंदर और संपन्न बनाकर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ राजधानी बनाएगी।दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) की पूर्व अध्यक्ष और पहली बार विधायक निर्वाचित हुईं रेखा गुप्ता दिल्ली की नौवीं मुख्यमंत्री बन गईं। राष्ट्रीय राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित एक भव्य समारोह में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि दिल्ली की जनता ने ह्यधोखे और वादाखिलाफी के राजह्न को समाप्त कर सेवा और समर्पण की पर्याय भाजपा को चुना है। उन्होंने कहा, ह्यह्यआज नवगठित भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर रेखा गुप्ता तथा अन्य सभी मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।उन्होंने कहा,प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली के वंचितों, महिलाओं, युवाओं और गरीबों के कल्याण के लिए विकसित दिल्ली का जो विजन बनाया है, वह आप सभी के कुशल नेतृत्व में निश्चित साकार होगा। भाजपा सरकार दिल्ली को स्वच्छ, सुंदर और संपन्न बनाकर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ राजधानी बनाएगी।हाल ही में संपन्न दिल्ली विधानसभा चुनाव में रेखा गुप्ता शालीमार बाग से विधायक निर्वाचित हुई हैं। वह मदन लाल खुराना, साहिब सिंह वर्मा और सुषमा स्वराज के बाद दिल्ली में भाजपा की चौथी मुख्यमंत्री बनी हैं। इसके साथ ही वह, वर्तमान में भाजपा शासित किसी भी राज्य में एकमात्र महिला मुख्यमंत्री भी बन गई हैं।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की बिगड़ी तबीयत, गंगाराम अस्पताल में भर्ती

एजेंसी

नई दिल्ली: नई दिल्ली: कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को गुरुवार शाम गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। न्यूज एजेंसी के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि उनकी हालत स्थिर है और शुक्रवार को उन्हें छुट्टी मिलने की संभावना है। डॉक्टरों की एक टीम उनकी निगरानी कर रही है। पिछले साल दिसंबर में सोनिया गांधी 78 साल की हो गईं। भर्ती होने का सही समय या कारण तुरंत पता नहीं चल सका, लेकिन ढळकी रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि सोनिया गांधी को गुरुवार सुबह भर्ती कराया गया था। सोनिया गांधी आखिरी बार सार्वजनिक रूप से पिछले हफ्ते 13 फरवरी को संसद के बजट सत्र के दौरान राज्यसभा में दिखाई दी थीं। 10 फरवरी को, सोनिया गांधी ने सरकार से जल्द से जल्द जनगणना पूरी करने को कहा था। उन्होंने दावा किया कि देश में लगभग 14 करोड़ लोग खाद्य सुरक्षा कानून के तहत लाभ से वंचित हैं।

संसद को बम से उड़ाने की धमकी, दिल्ली की अदालत ने पूर्व विधायक को ठहराया दोषी

एजेंसी

दिल्ली: दिल्ली की एक अदालत ने मांगें पूरी न होने पर सितंबर 2022 में संसद को बम से उड़ाने की कथित धमकी देने के मामले में मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक किशोर समरीते को दोषी ठहराया है। हालाँकि, विशेष न्यायाधीश विशाल गोग्ने ने उन्हें विस्फोटक रखने और इसके माध्यम से जीवन को खतरे में डालने या चोट पहुँचाने के आरोपों से बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि उनके द्वारा कथित तौर पर राज्यसभा के महासचिव के कार्यालय को भेजे गए पार्सल में पाए गए पदार्थ की जांच करने पर विस्फोट करने की उनकी क्षमता के मामले में हानिरहित निकला। अदालत के 18 फरवरी के

फैसले में कहा गया कि विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 5 और विस्फोटक अधिनियम की धारा 9बी के तहत आरोप साबित नहीं हुए, फिर भी यह स्थापित है कि आरोपी ने अपनी मांगें पूरी नहीं होने पर भारत की संसद को उड़ाने की धमकी के साथ एक पत्र भेजा था। अदालत ने उसे आईपीसी की धारा 506 भाग क्क के तहत दोषी ठहराया, जिसमें अधिकतम सात साल की सजा हो सकती है।न्यायाधीश 27 फरवरी को सजा की मात्रा पर दलीलें सुनेंगे। मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले के लांजी के पूर्व विधायक समरीते ने संसद को उड़ाने की धमकी दी और 16 सितंबर, 2022 को राज्यसभा अधिकारी को कुछ मांगों और एक संदिग्ध पदार्थ वाला धमकी भरा पत्र भेजा। अदालत के 18 फरवरी के फैसले में कहा गया कि विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 5 और विस्फोटक अधिनियम की धारा 9बी के तहत आरोप साबित नहीं हुए, फिर भी यह स्थापित है।

नीति आयोग के सीईओ सुब्रह्मण्यम को एक साल का सेवा विस्तार मिला

एजेंसी

नई दिल्ली: केंद्र सरकार ने नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी वी आर सुब्रह्मण्यम का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया है। कार्मिक मंत्रालय ने एक आदेश में यह जानकारी दी।छत्तीसगढ़ कैडर के 1987 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी सुब्रह्मण्यम को फरवरी, 2023 में दो साल के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया था।आदेश में कहा गया कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने नीति आयोग के सीईओ के रूप में सुब्रह्मण्यम के कार्यकाल को 24 फरवरी, 2025 से आगे एक साल के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी है।छत्तीसगढ़ कैडर के 1987 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी सुब्रह्मण्यम को फरवरी, 2023 में दो साल के लिए इस पद पर नियुक्त किया गया था।

सम्राट चौधरी का दावा, रेखा गुप्ता की सरकार में बिहार के लोगों को मिलेगा सम्मान, निर्मल होगी यमुना

एजेंसी

नई दिल्ली/ पटना। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि श्रीमती रेखा गुप्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही बिहार-यूपी के लोगों को उत्साहजनक संदेश दिए और सारे वादे पूरे करने की क्षमता का विश्वास दिलाया। राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित समारोह के बाद चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री गुप्ता ने शपथ ग्रहण के समय मधुबनी प्रिंट वाली साड़ी पहनी और बक्सर (बिहार) के रहने वाले पंकज सिंह को भी 7 सदस्यीय कैबिनेट

में अपना सहयोगी बनाया। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह से ही साफ हो गया कि अब दिल्ली में बिहार के लोगों को सम्मान मिलेगा और यमुना का निर्मलीकरण शीघ्र पूरा होगा। चौधरी ने दिल्ली सरकार के गठन में सभी वर्गों के सम्मान का ध्यान रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व को धन्यवाद दिया। राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित समारोह के बाद चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री गुप्ता ने शपथ ग्रहण के समय मधुबनी प्रिंट वाली साड़ी पहनी और बक्सर (बिहार) के रहने वाले पंकज सिंह को भी 7 सदस्यीय कैबिनेट में अपना सहयोगी बनाया।

महाकुंभ 'मुक्ति मेला' है, मनुष्य को ईश्वर से जोड़ता,

ममता के बयान पर बंगाल के राज्यपाल ने दिया जवाब

एजेंसी

पश्चिम बंगाल: पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गुरुवार को कुंभ मेले को मुक्ति मेला (स्वतंत्रता मेला) बताया, जिसने मनुष्य को भगवान से जोड़ने वाला एक इंद्रधनुष पुल बनाया। उनका बयान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस दावे के कुछ दिनों बाद आया है कि महाकुंभ भगदड़ की घटनाओं के कारण मृत्यु कुंभ में बदल गया है, उन्होंने दावा किया था कि मेगा धार्मिक सभा में वास्तविक टोल को अधिकारियों द्वारा दबा दिया गया था। मैं किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहता। यह एक लोकतांत्रिक व्यवस्था है और मुख्यमंत्री को अपनी राजनीतिक स्थिति के आधार पर किसी भी स्थिति का अपना विश्लेषण देने का अधिकार है। बोस ने यहां राजभवन में पत्रकारों से कहा कि मैं लोकतंत्र की सुंदरता के रूप में इसका स्वागत करता हूं।जहां तक ??मेरा सवाल है तो मैं राज्यपाल के तौर पर कोई टिप्पणी नहीं देना चाहता. मैं इस प्रक्रिया में एक विनम्र भागीदार के रूप में वहां गया था। बंगाल के राज्यपाल ने इस सप्ताह की शुरूआत में कुंभ मेले का दौरा किया था और पवित्र जल में डुबकी लगाई थी। बोस ने कुम्भ मेले को मुक्ति मेला और मृत्युंजय मेला बताया। प्रयागराज में मण्डली के बारे में आगे बात करते हुए, बोस ने कहा कि आप जानते हैं, मैं कुंभ मेले को भारत की महान परंपरा की परिणति के रूप में देखता हूं।कुम्भ ईश्वर से मिलन है।

योगी सरकार ने खोला खजाना,

राज्य के हर क्षेत्र-वर्ग को तोहफा; जानें बजट की बड़ी घोषणाएं

एजेंसी

उत्तर प्रदेश : उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार (20 फरवरी) को वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश कर रही है। इसमें युवाओं के लिए कई बड़ी घोषणाएं किए गए। सरकार ने प्रदेश के युवाओं को ब्जाज मुक्त लोन देने का ऐलान किया है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने गुरुवार (20 फरवरी) को वित्त वर्ष 2025-26 का बजट पेश कर रही है, जिसमें युवाओं को लेकर कई बड़े ऐलान किए गए। योगी सरकार ने इस बजट में ब्याज मुक्त लोन, स्मार्टफोन-टैबलेट वितरण और निःशुल्क कोचिंग जैसी योजनाओं की घोषणा की। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष (2025-26) बजट का आकार 08 लाख 08 हजार 736 करोड़ 06 लाख रुपए है जो वर्ष 2024-2025 के बजट से 9.8 प्रतिशत अधिक है।

युवाओं को मिलेंगे फ्री स्मार्टफोन और टैबलेट

यूपी सरकार ने बताया है कि स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत अब तक 49.86

लाख स्मार्टफोन/टैबलेट बांटे जा चुके हैं। सरकार ने इस योजना को आगे बढ़ाते हुए अगले वित्तीय वर्ष में लाखों युवाओं को टैबलेट और स्मार्टफोन देने का लक्ष्य रखा है। इससे छात्रों को डिजिटल शिक्षा का लाभ मिलेगा और वे ऑनलाइन पढ़ाई के लिए सक्षम बन सकेंगे।

प्रदेश के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए मुख्यमंत्री अभ्युदय योजना के तहत सभी जिलों में मुफ्त कोचिंग की सुविधा दी जा रही है। इससे छात्रों को अपने जिले में ही उच्च स्तरीय कोचिंग की सुविधा मिलेगी, जिससे वे कअर, ढउर, ररउ, ठएएळ और खएए जैसी परीक्षाओं की तैयारी कर सकेंगे।सरकार ने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना शुरू की है, जिसके तहत युवाओं को बिना गारंटी और ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा। इस योजना के अंतर्गत हर साल 1 लाख नए सूक्ष्म उद्योगों की स्थापना करने का लक्ष्य रखा गया है। यह योजना उत्तर प्रदेश के शिक्षित और प्रशिक्षित युवाओं को स्वरोजगार और स्टार्टअप शुरू करने में मदद करेगी।फैसला किया है। इससे युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों में कौशल विकास का अवसर मिलेगा, जिससे उन्हें नौकरी पाने में मदद मिलेगी।यूपी को तकनीकी हब बनाने के लिए सरकार ने कई नई योजनाएं शुरू करने का प्रस्ताव बजट के जरिए पेश किया है। सरकार ने राज्य में 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी' की स्थापना की जाने की घोषणा की, जिससे प्रदेश को तकनीकी नवाचार का केंद्र बनाया जाएगा। साथ ही डिजिटल सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए साइबर सिक्योरिटी में टेक्नोलॉजी रिसर्च ट्रांसलेशन पार्क स्थापित करने की योजना की घोषणा की।

कराए जा रहे कार्यों में पुरी पारदर्शिता हो: संसद

मोहम्मद सदरे आलम नौमानी

सीतामढ़ी: सांसद -सह- अध्यक्ष, जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति(दिशा) देवेश चंद्र ठाकुर ने दिशा की बैठक में विभिन्न विभागों की समीक्षा के क्रम में कहीं। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में कोताही किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।सभी पदाधिकारी अपने दायित्व का निर्वहन पूरी प्रतिबद्धता के साथ करें इसके पूर्व जिलाधिकारी सीतामढ़ी के द्वारा अध्यक्ष महोदय को एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों के द्वारा उपस्थित अन्य जन- प्रतिनिधियों का स्वागत पौधा देकर किया गया।

बैठक में माननीय सदस्य विधायक बाजपट्टी मुकेश कुमार ने ग्रामीण कार्य विभाग द्वारा मेंटेनेंस किए जा रहे सड़कों के कार्य पर प्रश्न उठाया गया एवं किए गए कार्य की जांच करने की बात कही साथ ही उनके द्वारा जिला जल स्वच्छता समिति के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर के कार्यों पर आपत्ति जताते हुए कार्रवाई की मांग की गई जिस पर निर्देश दिया गया कि जांचोपरांत कार्रवाई करना सुनिश्चित किया जाए। वहीं सदर विधायक मिथिलेश कुमार ने कहा कि जिले के सभी प्रखंड मुख्यालय में जमीन की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए ताकि वहां शौचालय का निर्माण हो सके। कहा कि इससे स्वच्छता को गति दी जा सकेगी। उन्होंने डुमरा प्रखंड में निर्माण किए गए व्यक्तिगत शौचालय की सूची की मांग की ताकि उसका सत्यापन किया जा सके। वही माननीय सदस्यों के द्वारा सामाजिक सुरक्षा के विभिन्न योजनाओं से संबंधित प्राप्त कुल आवेदनों के विरुद्ध रिजेक्शन की संख्या अधिक होने पर जांच की बात कही।

कृषि विभाग की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया गया कि महत्वपूर्ण योजनाओं का प्रचार -प्रसार पंचायत एवं ग्राम स्तर पर करना सुनिश्चित करें ताकि लोगों को इसकी जानकारी हो और उनको इसका लाभ मिल सके। निर्देश दिया गया की विभिन्न प्रखंडों में मिट्टी जांच के लक्ष्य को शीघ्र पूरा करें।अधिक से अधिक किसानों को नियमानुसार मृदा स्वास्थ्य कार्ड उपलब्ध करावें।

नल जल योजना के समीक्षा के क्रम में उन्होंने पीएचईडी के कार्यपालक अभियंता को निर्देश दिया कि नल- जल योजना से संबंधित आम जनों की शिकायतों की निराकरण के मद्देनजर कार्रवाई करें।

वहीं, स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया गया कि सदर अस्पताल सहित अन्य अस्पतालों में चिकित्सीय व्यवस्था को और सुदृढ़ करें।

बैठक में इसके अतिरिक्त आईसीडीएस, उद्योग विभाग, कौशल विकास, स्वच्छता मिशन, मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना– शहरी, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, स्वच्छ भारत मिशन, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, एनएलआरएमपी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, सर्व शिक्षा अभियान से संबंधित चलाए जा रहे कार्यक्रमों इत्यादि की भी समीक्षा की गई एवं आवश्यक निर्देश माननीय अध्यक्ष महोदय के द्वारा दिए गए। आईसीडीएस के समीक्षा के क्रम में डीपीओ को सख्त निर्देश दिए गए कि वे लगातार फील्ड विजिट करें। आम पब्लिक की समस्याओं का समाधान करने की दिशा में गंभीरता से अपनी दायित्व का निर्वाहन करें।

उक्त बैठक में माननीय विधान सभा सदस्य रीगा श्री मोतीलाल प्रसाद, विधायक सीतामढ़ी मिथिलेश कुमार, विधायक बाजपट्टी मुकेश कुमार विधायक सुरसंड श्री दिलीप राय, विधायक बेलसंड संजय गुप्ता, विधायक बथनाहा अनिल कुमार, महापौर नगर निगम सीतामढ़ी रौनक जहां परवेज, विभिन्न प्रखंडो के प्रमुख ,अन्य जन प्रतिनिधि, जिला पदाधिकारी रिची पांडेय, पुलिस अधीक्षक अमित रंजन, उप विकास आयुक्त मनन राम, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, सभी सीडीपीओ, सभी प्रखंडों के नोडल पदाधिकारी के साथ सभी तकनीकी विभागों के कार्यपालक अभियंता उपस्थित थे।

रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी के नौवें स्थापना दिवस के मौके पर विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 5 दर्जन से अधिक लोगों को किया गया सम्मानीत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मैरवा । रानी लक्ष्मी बाई स्पोर्ट्स एकेडमी की आवासीय प्रशिक्षण केंद्र के नौवें स्थापना दिवस समारोह के अवसर पर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि बिहार राज्य फुटबॉल संघ के महासचिव इम्तियाज हुसैन ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स अकादमी के फुटबॉल खिलाड़ीयों एवं हैंडबॉल खिलाड़ियों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया वहीं इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के लिए कराटे, हैंडबॉल फुटबॉल खेल में बेहतर प्रदर्शन करने वाली खुशबू कुमारी, जाबिर अंसारी, आफरीन सिद्दीकी को बिहार राज्य फुटबॉल संघ के महासचिव इम्तियाज हुसैन ने प्रमाण पत्र, अंग वस्त्र,फूल माला एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित एवं पुरस्कृत किया, जबकि शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वाले मोहम्मद रफीक अंसारी मैरवा, विकास कुमार दीक्षित दरौली, श्रीमती विक्की तिवारी दरौली, श्रीमती विभाग कुमारी मैरवा को प्रमाण पत्र, अंग- वस्त्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में खेल कोटा से बिहार सरकार में नियुक्त होने वाली अमृता कुमारी, पल्लवी कुमारी और उषा कुमारी को भी सम्मानित किया गया जबकि संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होने पर आर एल बी एस ए फाउंडेशन द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी एवं चित्रकला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र ,मोमेंटो ,अंग- वस्त्र एवं माला प्रदान कर उनके अभिभावकों सहित सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विभिन्न खेलों में बिहार के लिए पदक जीतने वाली डेढ़ दर्जन खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों को भी इस मंच पर उनके उत्साह वर्धन हेतु सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में ब्लूम बडस स्कूल बड़हरिया की छात्राओं एवं मध्य विद्यालय करोम कि छात्राओं ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों से दर्शकों का मन मोह लिया ।इस कार्यक्रम में पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर आर एन ओझा, आई एम ए सिवान के अध्यक्ष डॉ शशि भूषण सिंहा, सचिव डॉक्टर शरद चौधरी ,संयुक्त सचिव डॉक्टर राजन कल्याण सिंह, वरिष्ठ आयकर अधिवक्ता जीव नारायण सिंहा, माध्यमिक शिक्षक संघ सिवान के अध्यक्ष बागिंद्र नाथ पाठक,सिवान कबड्डी संघ के महासचिव मनोरंजन कुमार सिंह, युवा गायिका कुमारी जूही पांडेय,युवा तबला वादक आदित्य कुमार पांडेय,शिक्षाविद शत्रुघ्न पांडेय, अरुण गुप्ता, इंग्लिश पंचायत के मुखिया तनवीर अंसारी, मुडियारी पंचायत के मुखिया अजय भास्कर चौहान सहित हजारों की संख्या में खिलाड़ी ,दर्शक अभिभावक एवं ग्रामीण उपस्थित रहे ।मंच का संचालन रानी लक्ष्मीबाई स्पोर्ट्स एकेडमी के संस्थापक निदेशक संजय पाठक ने किया वहीं अध्यक्षीय भाषण वागिन्द्र नाथ पाठक ने किया जबकी धन्यवाद ज्ञापन स्पोर्ट्स इंचार्ज सलमा खातून ने किया।

राष्ट्रीय जनता दल की हुई समीक्षा बैठक ।बरौनी नगर अध्यक्ष मो सिकन्दर अली की अध्यक्षता में

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बरौनी / बेगूसराय बीते गुरुवार में बरौनी नगर परिषद् वार्ड संख्या 17 में राष्ट्रीय जनता दल की बरौनी नगर अध्यक्ष मो सिकन्दर अली की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक जिससे राजद जिला अध्यक्ष मोहित यादव ने संगठन को मजबूत करने एवं आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी को लेकर कार्यकताओं के साथ विचार विमर्श किए मौके पर राजद जिला सचिव सरस्वती चंद्र ठाकुर , प्रभु चन्द्रवंशी, जयदेव कुमार, मो फारूक , इत्यादि मौजूद थे ।

किसानों की आय दुगुनी करने में एफपीओ की भूमिका महत्वपूर्ण : पिनाकी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी ।सुरसंड प्रखंड स्थित हरारी दुलारपुर गांव में गुरुवार को सुरसंड फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के कार्यालय का उद्घाटन कृषि वैज्ञानिक पिनाकी रॉय व प्रखंड मुखिया संघ अध्यक्ष सह बघारी पंचायत के मुखिया पद्मराज भारद्वाज उर्फ पिंटू ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। इस अवसर पर किसान उत्पादक संगठन के लाभ के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए किसानों को जागरूक किया गया। किसानों को संबोधित करते हुए वैज्ञानिक पिनाकी रॉय ने बताया कि किसानों की आय दुगुनी करने में एफपीओ की महत्वपूर्ण भूमिका है। संगठन किसानों की सभी आवश्यकताओ की पूर्ति करता है। इसमें क्रेडिड कार्ड, वित्तीय समावेशन के तहत सभी प्रकार का कार्य करता है, आम किसानों के हुए उत्पादन सामग्री

को राष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने में एफपीओ मदद करेगी और उचित मूल्य प्रदान करेगी। किसान इस संगठन का शेयर धारक बने और अपने कृषि का विकास करे। वहीं इस अवसर पर मुखिया पद्मराज भारद्वाज ने कहा कि नाबार्ड का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र का विकास करना है।चाहे कृषि क्षेत्र हो या ग्रामीण सड़क, पुल, पुलिया आदि का विकास हो।एफपीओ से महिलाओं को जोड़ने पर ध्यान दें। मशरूम और अचार का उत्पादन करवाएं और इस कंपनी से उन्नत दर का का लाभ उठाएं। वहीं संस्थापक राजेश कुमार ने कहा कि इस कंपनी के माध्यम से ससमय किसानों को खाद बीज और दवा उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि राकेश साह, पंसस शंकर ठाकुर, कृषि सलाहकार तेज नारायण महतो, सीएससी जिला प्रबंधक सागर कुमार, कंपनी के संस्थापक चंदन कुमार, वीरेंद्र ठाकुर, केशव कुमार, शशि कुमार समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

एडीएम सारण और मढ़ौरा एसडीओ ने श्मशान की भूमी का किया स्थलीय निरीक्षण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक प्रखंड के बहरौली पंचायत के बहरौली गांव में बीते दिनों से चल रहे श्मशान भूमी विवाद को लेकर एडीएम सारण, मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह और डीसीएलआर मनोहर कुमार साहू ने भूमी का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीओ सुमंत कुमार, मुखिया अजीत सिंह समेत अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे। आपको बता दें कि श्मशान की भूमी को लेकर ग्रामीणों ने विवाद खड़ा किया की श्मशान की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए जिस जमीन के अधिकांश हिस्सों पर गांव के ही एक शख्स ने कब्जा कर रखा है जिसमें ग्रामीणों के बीच मारपीट के दौरान पहुंची थाना पुलिस पर भी ग्रामीणों ने हमला कर दिया जिसमें एक पुलिस अधिकारी और एक महिला जवान घायल हो गए, वहीं 11 ग्रामीण भी घायल हो गए। जिसमें पुलिस प्रशासन ने प्राथमिक दर्ज करते हुए 36 को गिरफ्तार कर मंडल कारा छपरा भेज दिया गया। उसी श्मशान भूमी का मढ़ौरा एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह ने एडीएम सारण को श्मशान की भूमी का स्थलीय निरीक्षण के दौरान जानकारी दी। मौके एसडीओ डॉ प्रेरणा सिंह ने बताया कि श्मशान की जमीन की वस्तुस्थिति का जायजा लिया गया। उन्होंने कहा कि भूमी के कागजात की जांच-पड़ताल की जा रही है जो भी विधि सम्मत कारवाई होंगी वह की जाएंगी। स्थलीय निरीक्षण के बाद सभी अधिकारियों ने अंचल कार्यालय परिसर में बैठक भी की।

किसान-मजदूर विरोधी केंद्रीय बजट के खिलाफ वामपंथी दलों ने की सभा

प्रखंड संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- सभी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा मिले- रामाश्रय महतो
- मनरेगा में 50 प्रतिशत राशि बढ़ाये केंद्र सरकार- रामप्रीत पासवान
- अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला एवं बाल विकास के लिए आवंटन में वृद्धि करो- सुरेंद्र प्रसाद सिंह

ताजपुर/समस्तीपुर किसान-मजदूर विरोधी केंद्रीय बजट के खिलाफ भाकपा माले, भाकपा एवं माकपा द्वारा निकाला गया जिला स्तरीय जत्था गुरुवार को गांधी चौक पहुंचा। जत्था का स्वागत वामपंथी दलों के नेताओं को माला पहनाकर स्वागत स्थानीय नेताओं ने किया। मौके पर एक सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता एसएफआई के जिला अध्यक्ष नीलकमल यादव ने किया। सभा का संचालन भाकपा माले के प्रखंड सचिव सुरेंद्र प्रसाद सिंह ने किया।

सभा को संबोधित माकपा के जिला मंत्री रामाश्रय महतो, भाकपा के रामप्रीत पासवान, एवं भाकपा माले के ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह ने संबोधित करते हुए केंद्र सरकार के बजट को जनविरोधी बताया। उन्होंने 2 सौ खरबपतियों पर 4 प्रतिशत टैक्स लागू करने, सभी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी दर्जा देने और मनरेगा में 50 प्रतिशत राशि बढ़ाने, सार्वजनिक क्षेत्रों के निजीकरण पर रोक लगाने, अनुसूचित जाति, जनजाति, महिला एवं बाल विकास के लिए आवंटन राशि में वृद्धि करने की मांग की।

मौके पर भाकपा माले के मनोज कुमार सिंह, लक्ष्मण सिंह, सुरेश साह, मो० एजाज, महेश्वर शर्मा, सुलेखा कुमारी, राजदेव प्रसाद सिंह, उपेंद्र राय, भूषण प्रसाद साह, भाकपा के मो० मुन्ना, रामबृक्ष राय, मो० अलाउद्दीन, मो० उस्मान, माकपा के सत्यनारायण सिंह समेत बड़ी संख्या में वामपंथी कार्यकर्ता उपस्थित थे। किसान महासभा के ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन कर सभा समाप्त किया।

सहबाजपुर दरगाह इंसानियत का पैगाम देती है -नासिर अली

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मुजफ्फरपुर, बिहार झ दरगाहे मुकद्दस सहबाजपुर इमाम हुसैन (अ.स) में प्रतिष्ठित शख्सियतों ने हाज़िरी दी और बारगाहे इमाम (अ.स) में मजलिस की।इस मौके पर *सैयद नासिर अली (कमर), जनाब तनवीरुल हसन खान, जनाब कमर अब्बास* समेत कई गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। इस दौरान *सैयद नासिर अली साहब ने पुरसोज अंदाज में नौहा ख़्वानी की*, जिससे माहौल गमगीन और रुहानी हो गया। अकीदतमंदों ने गम-ए-हुसैन (अ.स) में अश्क बहाए और कर्बला के शहीदों को याद किया।

जियारत के दौरान जाएरीन ने दरगाह की रूहानी फि जा का एहसास किया और अमन, भाईचारे व इंसानियत के पैगाम को आम करने की दुआ मांगी। उन्होंने इमाम हुसैन (अ.स) की शहादत से मिलने वाले सबक पर तफक्कुर किया और समाज में इंसाफ, मोहब्बत और इत्तेहाद के पैगाम को आगे बढ़ाने का अहद किया।

इस मौके पर स्थानीय ज़िम्मेदारान और अकीदतमंदों ने जाएरीन का दिली इस्तेकबाल किया और उनके इस मुबारक सफर पर शुक्रिया अदा किया। नासिर अली ने कहा ।दरगाहे मुकद्दस सहबाजपुर इमाम हुसैन (अ.स),मुजफ्फरपुर, बिहार में जेयारीन आते है अपनी दिलो की मुराद लेकर यहाँ पूरी दुनिया से लोग आते है मुझे भी जियारत का शरफ हासिल हुआ यहाँ तशरीफ लाने वाले जाएरीन का दिली इस्तेकबाल किया जाता है। यह मकामे पाक ,हक, सच्चाई और सब्र की अलामत है, जहां आकर अकीदतमंद अपने दिल की मुरादें मांगते हैं और करम-ओ-बरकत हासिल करते हैं। बारगाहे इमामे मजलूम में हाज़िरी दें, अपने गुनाहों की मगफिरत की दुआ करें और सुकून-ए-कल्ब का एहसास पाएँ। या हुसैन (अ.स)!

शिक्षा का प्रारूप बदल देती है समाज के स्वरूप को, सकारात्मक परिवर्तन का साधन है शिक्षा: थानाध्यक्ष

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक नगर पंचायत क्षेत्र के महाराणा प्रताप चौंक के पास महादलित टोला में थानाध्यक्ष अजय कुमार के निर्देश पर दारोगा लखन पासवान ने टोले के महादलित परिवार के लोगों से संवाद स्थापित किया। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि समाज प्राचीनकाल से आज तक निरन्तर विकसित एवं परिवर्तित होता चला आ रहा है। जैसे-जैसे शिक्षा का प्रचार-प्रसार होता गया, इसने समाज में व्यक्तियों की प्रस्थिति, दृष्टिकोण , रहन-सहन, खान-पान, रीति-रिवाजों पर असर डाला और इससे सम्पूर्ण समाज का स्वरूप बदला। शिक्षा समाज के व्यक्तियों को इस योग्य बनाती है कि वह समाज में व्याप्त समस्याओं, कुरीतियों और गलत परम्पराओं के प्रति सचेत होकर उसकी आलोचना करते है, और धीरे-धीरे समाज में परिवर्तन होता जाता है। शिक्षा समाज के प्रति लोगों को जागरूक बनाते हुये उसमें प्रगति का आधार बनाती है। दारोगा लखन पासवान ने महादलित टोला के लोगों को समझाया कि उन्होंने ने भी शिक्षा को अपना हथियार बनाया और वे आज इस मुकाम पर हैं। उन्होंने शिक्षा के महत्व बताया और कहा कि इसी से सामाजिक, आर्थिक और हर प्रकार की असमानता दूर की जा सकती है। इस दौरान उन्होंने लोगों से कहा कि शिक्षा का प्रारूप समाज के स्वरूप को बदल देती है, क्योंकि शिक्षा परिवर्तन का साधन है। उन्होंने लोगों से अपने बच्चों को विद्यालय भेजने की अपील की।थानाध्यक्ष अजय कुमार ने कहा कि समाज प्राचीनकाल से आज तक निरन्तर विकसित एवं परिवर्तित होता चला आ रहा है। जैसे-जैसे शिक्षा का प्रचार-प्रसार होता गया, इसने समाज में व्यक्तियों की प्रस्थिति, दृष्टिकोण , रहन-सहन, खान-पान, रीति-रिवाजों पर असर डाला और इससे सम्पूर्ण समाज का स्वरूप बदला। शिक्षा समाज के व्यक्तियों को इस योग्य बनाती है कि वह समाज में व्याप्त समस्याओं, कुरीतियों और गलत परम्पराओं के प्रति सचेत होकर उसकी आलोचना करते है, और धीरे-धीरे समाज में परिवर्तन होता जाता है।

मशरक में मकान के जमीन में हिस्सेदारी को लेकर मारपीट में एक घायल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बली विशुनपुरा गांव में मकान में हिस्सेदारी को लेकर मारपीट में एक घायल को इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल का सीएचसी मशरक में प्राथमिक उपचार किया गया। घायल ने बताया कि मकान में हिस्सेदारी को लेकर मारपीट हो गई। पुलिस को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई गयी।घायल बली विशुनपुरा गांव निवासी स्व शिवनाथ राय का पुत्र सुनील राय हैं।

समस्तीपुर , दरभंगा तथा रक्सौल स्टेशनों पर मेगा टिकट जांच अभियान जारी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। समस्तीपुर, दरभंगा और रक्सौल स्टेशनों पर 14 घंटे की अबाध किलाबंदी टिकट चेकिंग की गई। इस दौरान 459 बिना टिकट/ उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्रियों के मामलों में 2,57,095/ रुपये के जुमार्ने की वसूली की गई। इस दौरान सभी स्टेशनों पर विशेष किलाबंदी (ऋङ्ग१३१ी२२ उँ‚') अभियान चलाया गया था जिसके तहत स्टेशन के सभी प्रवेश द्वारों पर टिकट जांच कर्मियों एवं आरपीएफ जवानों को तैनात किया गया था। इस कड़े जांच अभियान के दौरान 459 यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करते हुए पकड़ा गया, जिनसे 2,57,095 रुपये का जुमार्ना वसूला गया। इसके अलावा, आरक्षित कोचों में बिना आरक्षण यात्रा कर रहे यात्रियों को

सामान्य श्रेणी के कोचों में स्थानांतरित किया गया। इस अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने के लिए आरपीएफ जवानों के साथ साथ दरभंगा सहित सभी उपरोक्त स्टेशनों पर टीटीई को तैनात किया गया था, जिन्होंने टिकट जांच एवं यात्रियों को उचित मार्गदर्शन देने का कार्य किया। रेलवे लगातार इस तरह के जांच अभियानों को जारी रखेगा ताकि बिना टिकट यात्रा पर रोक लगाई जा सके और उचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा का अनुभव मिल सके। रेलवे यात्रियों से आग्रह करता है कि वे अपनी यात्रा के लिए सही टिकट लेकर ही स्टेशन एवं गाड़ियों में प्रवेश करें।

मशरक में पुलिसिया कार्रवाई से गांव छोड़ भागें ग्रामीणों को गांव से बुलानें को बैठक आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बहरौली गांव में श्मशान विवाद में ग्रामीण और पुलिस के झड़प के बाद यादव टोला गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। गांव से पुलिस के कारवाई के भय से दूसरे जगहों पर भागे ग्रामीणों को बुलानें को बैठक आयोजित की गयी। राजद अध्यक्ष वरूण यादव की अध्यक्षता में स्थानीय स्तर के नेताओं की बैठक आयोजित की गयी जिसमें गांव में उपलब्ध लोगों से गांव छोड़ भागें ग्रामीणों को घरों पर बुलानें का अनुरोध किया गया। मौके पर पूर्व विधायक तारकेश्वर सिंह, जिला महासचिव राजद अजय राय, मुखिया दिलीप राय,जिला परिषद सदस्य मणेन्द्र राय,शिव कुमार यादव, राजेश राय, रणधीर राय समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। मौके पर राजद जिला महासचिव अजय राय ने बताया कि बहरौली गांव में घटनाएं निंदनीय घटना हैं पुलिस के द्वारा गंभीर निंदनीय कृत्य किया गया है जो उस घटना में शामिल नहीं था उनके घरों पर पुलिस के द्वारा हमला किया गया और सामानों को तोड़ फोड़ किया गया। पूर्व विधायक तारकेश्वर सिंह ने बताया कि जो लोग गांव छोड़ फरार हो गए उनके गांव में बचें परिजनों से बुलानें का अनुरोध किया गया। वहीं उन्होंने कहा कि उनके द्वारा घटना की उच्च स्तरीय जांच की मांग की गयी हैं। उन्होंने कहा कि घटना में निदोर्षों को कानूनी कार्रवाई से मुक्त करने की मांग की गयी हैं। आपको बता दें कि गांव में अधिकांश युवा वर्ग पुलिसिया कार्रवाई की भय से गांव छोड़ फरार हो गए हैं गांव में सिर्फ लाचार और वृद्ध महिला ही हैं वहीं अधिकांश घरों में ताला लटका हुआ है वहीं जिस घर में रहने वाले हैं उन्होंने घरों को अंदर से बंद कर खेतों में शरण ले रखा है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने दंगा नहीं होने दिया

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ संव

बेगूसरायऑल इंडिया मरकजी मोमिन कॉन्फ्रेंस के प्रदेश अध्यक्ष प्रसिद्ध बीड़ी मजदूर
सह जदयू नेता डॉक्ट ए हक उर्फ लुलु अंसारी ने यह बात कही
और साथ में यह भी दावा किया कि सभी वर्ग के लोगों का विकास एवं कल्याण का काम श्री नीतीश कुमार के समय में हुआ यह मामूली बात नहीं की बिहार में लगातार लोगों ने उन्हें मुख्यमंत्री के रूप में देखना चाहा और श्री नीतीश कुमार ने भी 20 वर्षों से प्रदेश में अमन भाईचारा का माहौल काम रखा कहीं कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं होने दिया
श्री अंसारी ने अनुरोध किया है कि बिहार में गरीबों मजदूरों किसानों छात्र नौजवानों महिलाओं के विशेष रूप से हितैषी रहे हैं अगर प्रदेश को आगे ले जाना है तो 2025 में फिर से नीतीश ही होंगे। वहीप्रदेश प्रवक्ता
हजरत मौलाना फारुक आलम शमसी ने कहा झांसे में नहीं आना है नीतीश को ही लाना है।

एनडीए संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन का चौथे चरण के अंत में कैमूर पहुंचा कारवां, कार्यकर्ताओं में अभूतपूर्व जोश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

- घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों ने दिया एकजुटता का संदेश, 225 सीट जीतने का संकल्प भी दोहराया
- एनडीए का संकल्प – चहुंमुखी प्रगति के साथ विकसित बिहार : डॉ. दिलीप जायसवाल
- पीएम मोदी का 'सबका साथ-सबका विकास' और सीएम नीतीश का 'सात निश्चय' ने बिहार को नई दिशा दी : डॉ. दिलीप जायसवाल
- एनडीए की शक्ति का मुख्य आधार जनशक्ति : डॉ. दिलीप जायसवाल
- देश में बिहार आदर्श राज्य के रूप में उभर रहा : डॉ. दिलीप जायसवाल
- एनडीए की एकता विरोधियों को परास्त करने के लिए काफी है : उमेश सिंह कुशवाहा
- एनडीए विकास की प्रतीक : राजू तिवारी
- राजद और कांग्रेस ने बिहार को रसातल में भेजा : अनिल सिंह
- बिहार को राजद ने 'जंगलराज' का बदनुमा दाग दिया : मदन चौधरी

पटना, 20 फरवरी। एनडीए संयुक्त कार्यकर्ता सम्मेलन के चौथे चरण के अंत में कार्यकर्ता सम्मेलन का कारवां आज कैमूर पहुंचा। इस सम्मेलन के दौरान कार्यकताओं में अभूतपूर्व जोश देखने को मिला। आज के सम्मेलन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह बिहार के राजस्व और भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप जायसवाल सहित एनडीए घटक दलों के सभी प्रदेश अध्यक्षों ने हिस्सा लेते हुए जहां कार्यकताओं को एकजुटता का संदेश दिया वहीं अगले चुनाव में 225 सीट के गठबंधन के संकल्प को पूरा करने के संकल्प को दोहराया कैमूर में आयोजित विराट एनडीए कार्यकर्ता सम्मेलन का उद्घाटन भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल के अलावा जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा, लोजपा (आर) के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी, हम के प्रदेश अध्यक्ष अनिल सिंह, रालोमो के प्रदेश अध्यक्ष मदन चौधरी ने संयुक्त रूप से किया इस सम्मेलन में सभी घटक दल के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में जुटे। इस सम्मेलन के जरिए सभी घटक दलों के कार्यकताओं ने एकजुटता दिखाते हुए बूथ स्तर तक इस गठबंधन को मजबूत बनाने का विश्वास अपने अध्यक्षों को दिया। इस सम्मेलन में एनडीए के कई सांसद, विधायक और विधान पार्षद भी शामिल हुए।सम्मेलन में आए एनडीए कार्यकताओं को संबोधित करते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल ने कहा कि एनडीए की सरकार जहां भी बनती है उसका लक्ष्य विकास होता है, बिहार में भी हम यह कर के दिखला रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए के संकल्प ही चहुंमुखी प्रगति के साथ विकसित बिहार का है और इसी संकल्प के साथ सरकार आगे बढ़ रही है, जिसमें केंद्र सरकार भी अपनी भूमिका निभा रहा है।उन्होंने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि सही अर्थों में एनडीए की शक्ति का मुख्य आधार ही जनशक्ति रही है। लोगों का मिल रहा समर्थन ही इस गठबंधन को आगे बढ़ने की ताकत देता है और हमें जोश से भरता है।

भाजपा अध्यक्ष डॉ. जायसवाल ने कहा, "प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के 'सात निश्चय' के विजन ने बिहार को एक नई दिशा दी है। नीतीश के निश्चय और मोदी है तो मुमकिन है कि साथ बिहार आत्मनिर्भर बनने को ओर अग्रसर है और पूरे देश में एक आदर्श राज्य के रूप में उभर रहा है।"

जिला पदाधिकारी बेगूसराय तुषार सिंगला द्वारा सदर प्रखंड के पंचायतों में विभिन्न योजनाओं का स्थलिय निरीक्षण किया गया

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगुसराय:जिला पदाधिकारी बेगूसराय, श्री तुषार सिंगला द्वारा बेगूसराय सदर प्रखंड अंतर्गत पंचायतों मे विभिन्न योजनाओं का स्थलिय निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के क्रम में माननीय विधायक मटिहानी, श्री राजकुमार सिंह, उपविकास आयुक्त बेगूसराय, अनुमंडल पदाधिकारी बेगूसराय सदर, डीसीएलआर बेगूसराय सदर, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा, प्रखंड विकास पदाधिकारी बेगूसराय सदर, कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा बेगूसराय

सदर, जिला समन्वयक, एल०एस०बी०ए० सहित अन्य जिला एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सर्वप्रथम जिला पदाधिकारी द्वारा जिला निबंधन सह परामर्श केन्द्र (डीआरसीसी) द्वारा संचालित योजनाओं का निरीक्षण किया गया। साथ ही परिसर में जीविका भवन निर्माण हेतु स्थल का निरीक्षण किया एवं संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया गया जिला पदाधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत राज बनद्वार के वार्ड नंबर 15 में नवनिर्मित हाई स्कूल एवं बंद पड़े पशु अस्पताल का निरीक्षण किया गया एवं विद्यालय
निर्माण में बचे आंशिक कार्य को
पूर्ण करते हुए संबंधित विभाग को हस्तांतरित करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बंद पड़े पशु अस्पताल के बारे में संबंधित पदाधिकारी से समीक्षा की गई एवं आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निदेशित किया गया। जिलाधिकारी ग्राम पंचायत राज सांख में मनरेगा द्वारा बनाये जा रहे खेल मैदान का निरीक्षण किया तथा कार्यक्रम पदाधिकारी, मनरेगा को जल्द पूर्ण करने हेतु कहा गया। साथ ही खेल मैदान में स्थापित बिजली के पोल को मैदान से हटाकर किराने में करने का निर्देश बिजली विभाग को दिया गया।

द्वारा खातोपुर बनद्वार सड़क को जल्द ठीक कराने हेतु ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता को निदेशित किया गया। तथा सड़क के दोनों तरफ फ्लैंक बनाने हेतु कहा गया। इसके बाद जिला पदाधिकारी द्वारा
जिला पदाधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत राज सूजा में पंचायत सरकार भवन, आर०टी०पी०एस काउंटर का जाँच किया गया तथा आवास योजना अंतर्गत चल रहे सर्वे की जानकारी आवास सहायक से ली गई एवं रोजगान सेवक मनरेगा से संबंधित योजनाओं के प्रगति के संबंध में जानकारी ली गई। साथ ही सूजा
पंचायत अंतर्गत वार्ड नंबर 18 में
निमाणार्धीन हढव, खेल मैदानं एवं सड़कों का भी निरीक्षण किया गया। जिला पदाधिकारी द्वारा ग्राम पंचायत राज घबौली के वार्ड नंबर एक में बन रहे सड़क का निरीक्षण किया गया एवं मनरेगा द्वारा बनाये जा रहे मनरेगा पार्क का भी निरीक्षण किया गया जिसे कार्यक्रम पदाधिकारी मनरेगा को जल्द पूर्ण करने एवं सुंदर पार्क बनाने हेतु
निदेशित किया गया। जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा मुख्यमंत्री खेल विकास योजना अंतर्गत निमाणार्धीन प्रखंड स्तरीय स्टेडियम का निरीक्षण किया गया यह मध्य विद्यालय बहदरपुर के मैदान में भवन निर्माण निगम विभाग के द्वारा कराया जा रहा है ।

दिल्ली में महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय, रेखा गुप्ता के मुख्यमंत्री बनाए जाने पर बोले राज्यसभा सांसद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

बिहार भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद डॉ धर्मशीला गुप्ता ने दिल्ली की नई मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और उनके मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों के शपथ ग्रहण किये जाने का स्वागत किया है। राज्यसभा सांसद डॉ धर्मशीला गुप्ता ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाए जाने से महिला सशक्तिकरण को बल मिलेगा।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद डॉ धर्मशीला गुप्ता ने कहा कि रेखा गुप्ता की नियुक्ति भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का फैसला है। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल के लोगों ने लगातार चुनावों में काफी मेहनत की है। काउंसलर के रूप में रेखा गुप्ता ने दिल्ली की जो सेवा की है, उसे देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। भारतीय जनता पार्टी इकलौती ऐसी पार्टी है जहाँ संगठन से सरकार तक में महिलाओं को उचित सम्मान दिया जाता है।

राज्यसभा सांसद डॉ धर्मशीला गुप्ता ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा कि रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाए जाने से महिला सशक्तिकरण को बल मिलेगा

डॉ गुप्ता ने बिहार की राजनीति का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे विकास को देखते हुए आने वाले समय में एनडीए भारी बहुमत से सरकार बनाएगी।

दो दुकान में आधी रात को लगी भीषण आग 50 लाख का हुआ नुकसान

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी
रोजनामा इंडो गल्फ

बेगूसराय: बेगूसराय में एक बार फिर से आग ने पूरी तरह तांडव मचाया है। घटना नगर थाना क्षेत्र के अंबेडकर चौक के समीप की है। जहां आग लगने से दो दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गए। जिसमें तकरीबन 50 लाख के नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है।

प्रथम दृष्टिया अनुमान लगाया जा रहा है की दुकान में लगे इनवर्टर के ब्लास्ट होने से आग लगी और एक किराना दुकान एवं एक किताब कॉपी की दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गया। घर में सो रहे थे लोग तभी
बताया जा रहा है कि बीती रात जब लोग अपने-अपने घरों में सो रहे थे उसी वक्त अंबेडकर चौक है।
के समीप शोरगुल शुरू हुआ। जब लोगों ने निकाल कर देखा तो गणेश किराना स्टोर एवं उनके भाई की किताब की दुकान में आग लगी हुई थी। आग इतनी भयानक थी की कुछ ही मिनट में आग में पूरी तरह दुकान को अपनी चपेट में ले लिया और पूरा दुकान जलकर स्वाहा हो गया। लाखों का नुकसान
स्थानीय लोगों के द्वारा आग पर काबू पाने का प्रयास किया गया लेकिन वह असफल रहे। तत्पश्चात अग्निशमन विभाग विभाग को घटना की सूचना दी गई तब मौके पर पहुंचकर पांच दमकल की गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग में लाखों का नुकसान हुआ है। फिलहाल इस मामले में जांच जारी !

जमीन पर संघर्ष करने वाले कार्यकर्ताओं को मिलेगा सम्मान : कृष्णा अल्लावारू

जिला संवाददाता
साहिल अंसारी

पटना. गुरुवार,आज कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में बिहार के नवनियुक्त प्रभारी कृष्णा अल्लावारू का भव्य स्वागत किया गया।इसके लिए खास तौर पर स्वागत समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश भर के जिलाध्यक्षों समेत तमाम पदाधिकारी-कार्यकताओं ने हिस्सा लिया। मुख्यालय की ओर जाने वाली सड़कों पर बने बड़े-बड़े तोरणद्वार के अलावा घोड़ा, ऊँट, बैण्डबाजा एवं नारों की गूंज के साथ कांग्रेसियों ने अपने प्रभारी का स्वागत किया। पार्टी के सभी मोर्चा संगठनों, सभी विभागों एवं प्रकोष्ठों के सभी पदाधिकारी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिये।

इस अवसर पर नेताओं और कार्यकताओं को संबोधित करते हुए बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावारू ने मेहनत और क्षेत्र में पकड़ के आधार पर कार्यकताओं को उचित सम्मान देने की बात कही। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि बिहार कांग्रेस में जो कार्यकर्ता हैं जो नेता हैं वे बेहद मजबूत हैं। जिस प्रदेश में सालों से हमारी सरकार नहीं है वहां भी अपने कंधे पर कांग्रेस का झंडा उठाया है और ये छोटी बात नहीं है। मैं बिहार कांग्रेस अध्यक्ष, सभी वरिष्ठ नेताओं, नेता और सभी कार्यकताओं को दिल से सलाम करना चाहता हूं। उन्होंने कार्यकताओं का मनोबल बढ़ाते

हुए कहा कि जो जितनी मेहनत करेगा उसको इतना सम्मान देने का काम करूंगा। रेस के घोड़े को शादी में और शादी के घोड़ों को रेस में नहीं लगाया जाएगा और कार्यकताओं को एकजुट होकर क्षेत्र में चुनावों में उतरने का काम करना होगा। बिहार के बूथ, वार्ड, गांव, पंचायत और प्रखंड से सत्ता निकल कर आती है इसलिए पटना दिल्ली छोड़कर क्षेत्र में मेहनत करें। इस अवसर पर अपने स्वागत भाषण में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि बिहार परिवर्तन की भूमि है और कृष्णा अल्लावारू जी के बारे में जो बातें मुझे बहुत प्रभावित किया वो है उनका आउट ऑफ बॉक्स सोच और बदलाव से लगाव. डॉ. सिंह ने कहा कि बिहार से भाजपा जदयू सरकार को बाहर करना इतनी बड़ी जंग नहीं जैसा मिडिया दशार्ता है. हकीकत यह है कि पिछले विधान सभा चुनाव में हमारे वोट केवल 12 हजार कम थे. इसी तरन गहराई से 2024 के लोक सभा चुनाव में हर क्षेत्र में एक लाख से अधिक मतों की बढ़ोतरी हुई. और मुझे विश्वास है कि 2025 में हमारी सिट 19 से बढ़कर 50 हो जाएगा. अल्लावारु के बारे में उन्होंने कहा कि चीजों को परखने की कला इन्हें अन्य लोगों से अलग करती है एवं उनका प्रबंधन कौशल बिहार कांग्रेस को धारदार बनाएगा.

जिन लोगों ने स्वागत समारोह को संबोधित किया उनमे शामिल हैं डॉ. मदन मोहन झा, प्रो. राम जतन सिन्हा, डॉ. शकील अहमद, चन्दन बागची, पूनम पासवान, शाहनवाज आलम, कौकब कादरी, राजेश कुमार, लालबाबू लाल, शिव प्रकाश गरीब दास, शरवत जहां फातिमा, सूरज यादव, चंद्र प्रकाश सिंह, उमेर खान.

मंच का संचालन डॉ समीर कुमार सिंह ने किया और धन्यवाद ज्ञापन एआईसीसी के राष्ट्रीय सचिव तौकीर आलम ने किया। अभिनंदन समारोह के बाद बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लवारू ने वरिष्ठ नेताओं, युवा कांग्रेस, आईटी सेल सहित अन्य संगठनों के साथ बैठक की। इस अवसर पर कांग्रेस का शीर्ष नेतृत्व शामिल रहा जिनमे प्रमुख हैं कृपानाथ पाठक, वीणा शाही, संजीव प्रसाद टोनी, अवधेश कुमार सिंह, श्याम सुन्दर सिंह धीरज, विजय शंकर दुबे, नरेन्द्र कुमार, प्रेमचंद्र मिश्र, डॉ. अशोक कुमार, ब्रजेश पाण्डेय, निर्मल वर्मा, राजेश राठौड़

गहरे पानी में चले जाने से मासूम बच्चे की मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड क्षेत्र से गुजरने वाली बागमती नदी के जटमलपुर गांव वार्ड संख्या पांच में गुरुवार को एक मासूम बच्चे की मौत बागमती नदी में लूढक कर गहरे पानी में चले जाने से हो गई।इस बाबत मिली जानकारी के मुताबिक गांव के कुछ बच्चों के साथ नदी किनारे घर रहने के कारण नदी की ओर बालक चला गया जहां लुढ़क कर नदी के गहरे पानी में चला गया। बच्चों के द्वारा शोर मचाने पर ग्रामीण गोताखोर जूटे। ग्रामीणों के अथक प्रयास के बाद आगे जाकर मृत अवस्था में मासूम बच्चा मिला। मृत मासूम बच्चे की पहचान आशुतोष कुमार राय के 4 वर्षीय पुत्र पुष्प कुमार के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मासूम बच्चे के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए समस्तीपुर सदर अस्पताल भेज दिया। इधर मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल बुरा बना हुआ है। मुखिया अर्चना कुमारी ने कबीर अंत्येष्टि योजना के तहत मृतक के परिजन को तीन हजार (3,000) रुपया दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया।

विधान सभा चुनाव में युवाओं को अधिक से अधिक टिकट दिए जायेंगे डॉ. अखिलेश

शाज बिहारी
विशेष संवाददाता

पटना, युवा कॉंग्रेस के कार्यकताओं को आगामी विधान सभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा टिकट दे कर युवाओं को उनका हक दिलायेंगे। बिहार की राजनीति में युवाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना हमेशा से मेरा धेय रहा है ताकि बिहार में चेतनशील नेतृतव का आभाव कभी खले नहीं. ये बातें बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. अखिलेश प्रसाद सिंह ने कही. वे बिहार प्रदेश युवा कॉंग्रेस द्वारा आयोजित शंखनाद प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में बोल रहे थे. इस कार्यक्रम का आयोजन मुख्य रूप से बिहार के नव नियुक्त प्रभारी कृष्णा अल्लावरु के स्वागत में किया गया था. मालुम हो कि अल्लावारु अभी भी युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी हैं.

बिहार कांग्रेस प्रभारी अल्लावरु ने इस अवसर पर विभिन्न इलाकों से आये कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि गठबंधन में मिलनेवाली सीटों की चिंता किए बिना युवा कॉंग्रेस के साथी चलो पंचायत चलो गॉव कार्यक्रम में तेजी लायें क्योंकि यहीं से राजनीतिक जमीन तैयार होती है और आपका भविष्य भी यहीं से निर्धारित होता है। उन्होंने चेतावनी दी कि निष्क्रिय कार्यकताओं को 5 दिन के भीतर संघटन से बाहर कर दिया जाएगा।

मो शहीद ने कहा की बिहार प्रदेश युवा कॉंग्रेस सगठन को मजबूती प्रदान करने की बात कहा ।प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष गरीब दास ने कहा की बतौर बिहार प्रभारी श्री कृष्णा अल्लावरु पहली बार पटना आने पर उनका स्वागत किया और युवा कॉंग्रेस की ओर से संगठन एवं टिकट को लेकर उचित भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कहा! इस मौके पर मो शहीद, सम्राट केसरी जेना, रौशनी कुशल जैसवाल उपस्थित रहें। कार्यक्रम कि अध्यक्षता बिहार प्रदेश युवा कॉग्रस के अध्यक्ष शिव प्रकाश गरीब दास ने किया ।मन्नू जैन, पूर्व विधायक अमित कुमार टुन्ना, पूर्व अध्यक्ष युवा कांग्रेस गुंजन पटेल, अभिषेक रंजन, अबू तनवीर, विकास झा, बिट्टू यादव, मुकुल यादव, विवेक चौबे, सद्दाम आरिफ नवाज मौजूद रहे ।

गुरूकुल डिग्री कॉलेज में आलिम व फाजिल की परीक्षा शुरू, पहले दिन 102 रहे अनुपस्थित

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। मौलाना मजहरूल हक अरबी एवं फारसी विश्वविद्यालय पटना द्वारा गुरुवार को जिले के एकमात्र परीक्षा केंद्र पर आलिम व फाजिल की परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा के पहले दिन कदाचार के आरोप में किसी भी परीक्षार्थी के निष्कासन की कोई सूचना नहीं है। मुख्यालय डुमरा स्थित एकमात्र उर्मिला देवी सदानंद यादव गुरूकुल डिग्री कॉलेज परीक्षा केंद्र पर सीतामढ़ी एवं शिवहर जिले के परीक्षार्थी शामिल हुए। केंद्राधीक्षक नूतन रमण एवं ऑब्जर्वर अंजार अहमद ने बताया कि पहली पाली में कुल 510 के विरुद्ध 441 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 69 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। इसी प्रकार दूसरी पाली की परीक्षा में कुल 560 परीक्षार्थी के विरुद्ध 527 परीक्षार्थी उपस्थित रहे, जबकि 33 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे।

प्रमंडल स्तरीय विज्ञान दिवस प्रतियोगिता

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद पटना श्री ?कृष्ण विज्ञान केन्द्र पटना एवं सांयस फॉर सोसायटी, बिहार के सहयोग से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर दिनांक 28 फरवरी 2025 को श्रीकृष्ण विज्ञान केन्द्र पटना में आयोजित होने वाले प्रमंडल स्तरीय विज्ञान दिवस प्रतियोगिता का आयोजन आदर्श मध्य विद्यालय, लहेरियासराय, दरभंगा में किया गया। इस प्रतियोगिता में समस्तीपुर, दरभंगा एवं मधुबनी जिले से वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले ग्यारहवीं कक्षा के छात्र - छात्राओं ने भाग लिया। समस्तीपुर जिला से उच्च माध्यमिक विद्यालय, गंगसारा, सरायरंजन की कक्षा ग्यारहवीं की छात्रा रानी कुमारी ने भाग ली तथा प्रथम स्थान प्राप्त की। वक्तृत्व के लिए जल प्रबंधन एवं जल संरक्षण की भारतीय एवं वर्तमान परम्परा विषय राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा निर्धारित किया गया था। प्रमंडल स्तरीय वक्तृत्व प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली उच्च माध्यमिक विद्यालय, गंगसारा की छात्रा रानी कुमारी अपने मार्गदर्शक शिक्षक मनीष चन्द्र प्रसाद के साथ अब 28 फरवरी को श्रीकृष्ण विज्ञान केन्द्र, पटना में होने वाले राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगी। रानी कुमारी की इस सफलता पर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी प्राथमिक शिक्षा एवं सर्व शिक्षा अभियान मानवेंद्र कुमार राय, संभाग प्रभारी अर्जुन कुमार, कार्यक्रम सहायक मो सफीक, उच्च माध्यमिक विद्यालय, गंगसारा, सरायरंजन के प्रधानाध्यापक नवीन कुमार शर्मा, शिक्षक मनीष चन्द्र प्रसाद, श्रीकांत कुमार, रंजना कुमारी, प्रियंका कुमारी, अनामिका दीक्षित, अमर कुमार महतो, नीरज कुमार झा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए रानी कुमारी से राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल करने की अपेक्षा की।

डीलर ने पूर्व पैक्स अध्यक्ष द्वारा तीन सौ क्विंटल अनाज अप्राप्ति को लेकर डीएम एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी से की शिकायत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड के गोपालपुर पंचायत में पैक्स चुनाव के उपरांत निवर्तमान पैक्स अध्यक्ष द्वारा चलाए जा रहे जन वितरण दुकान का प्रभार नजदीकी डीलर सुनीता कुमारी को देने का आदेश प्राप्त हुआ, जिसके आलोक में डीलर को पैक्स अध्यक्ष द्वारा सिर्फ पॉश मशीन दिया गया, जबकि पॉश मशीन में अंकित गेहूं 96 क्विंटल 76 किलो व चावल 166 क्विंटल 10 किलो बैलेंस दिखा रहा है। जिसकी मांग किए जाने पर पैक्स अध्यक्ष द्वारा कोई समुचित जवाब नहीं दिया गया न ही खाद्यान्न की ही आपूर्ति कराई गई है। जिसके आलोक में जन वितरण दुकानदार सुनीता कुमारी ने जिला आपूर्ति पदाधिकारी व जिलाधिकारी को आवेदन देकर सूचित किया है। वहीं दूसरी ओर गोपालपुर निवर्तमान पैक्स अध्यक्ष द्वारा कार्य बाधित का आरोप लगाते हुए गोपालपुर प्राथमिक कृषि शाखा समिति के नवनिर्वाचित पैक्स अध्यक्ष शंकर दयाल ठाकुर को कार्य नहीं करने देने का आरोप लगाते हुए शिकायत जताई है। इसको लेकर ग्रामीणों ने सहकारिता मंत्री बिहार सरकार, जिला पदाधिकारी समस्तीपुर, जिला पंचायती राज पदाधिकारी, अनुमंडल पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी को 300 हस्ताक्षर युक्त आवेदन देकर कहा है कि पंचायत वासियों को पैक्स से मिलने वाली सुविधा से वंचित किया जा रहा है। हस्ताक्षर करने वालों में अमरेंद्र कुमार, परमानंद कुमार, रोशन महतो, राहुल कुमार, ललिता देवी, चंद्रदीप राय, जर्मन परवीन आदि का नाम शामिल हैं ।शिकायतकताओं ने उच्च स्तरीय जांच कराकर पूर्व पैक्स अध्यक्ष पर कार्रवाई करने की मांग की है।

डीलर ने पूर्व पैक्स अध्यक्ष द्वारा तीन सौ क्विंटल अनाज अप्राप्ति को लेकर डीएम एवं जिला आपूर्ति पदाधिकारी से की शिकायत

विचाराधीन कैदी का सही उपचार नहीं होने से हो गई मौत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। नगर थाना क्षेत्र से चार दिन पूर्व नगर थाना की पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर थाना लाया और कागजी प्रक्रिया के बाद जेल भेज दिया था। गुरुवार को अचानक कैदी मनोज कुमार गुप्ता की तबियत बिगड़ गई जिसे उपचार के लिए मंडल कारा के पुलिस कर्मी द्वारा सदर अस्पताल लाया गया। कैदी बेड पर ही पड़ा रहा और पुलिस कर्मी मोबाइल देखने में मसगुल हो गये जिसके कारण कैदी का ससमय उपचार नहीं हो सका और कैदी ने दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि अगर पुलिस कर्मी द्वारा विचाराधीन कैदी का उपचार करवाया जाता तो शायद कैदी की जान बच सकती थी। बहरहाल मृत कैदी मनोज कुमार गुप्ता का पोस्टमार्टम मजिस्ट्रेट व वीडियो ग्राफी के निगरानी में कराया गया।

मधुबनी रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों में तोड़फोड़ करने वाले उपद्रवियों के विरुद्ध की गई कानूनी कार्रवाई

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। समस्तीपुर मंडल के अंतर्गत मधुबनी रेलवे स्टेशन पर दिनांक 10 फरवरी 2025 को गाड़ी संख्या 12561 स्वतंत्रता सेनानी एक्सप्रेस के दरवाजे के अंदर से बंद होने के कारण उग्र होकर कुछ उपद्रवियों द्वारा ट्रेन के दरवाजों और खिड़कियों को क्षतिग्रस्त किया गया था। रेल प्रशासन द्वारा इस घटना को गंभीरता से लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने तकनीकी साक्ष्यों और स्रोतों के आधार पर जांच शुरू की, जिसके परिणामस्वरूप एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ आरपीएफ पोस्ट, दरभंगा में विभिन्न रेल अधिनियमों के तहत मामला दर्ज किया गया है। अन्य संलिप्त व्यक्तियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास जारी है। रेलवे संपत्ति राष्ट्रीय संपदा का अभिन्न अंग है और इसे नुकसान पहुंचाना एक दंडनीय अपराध है।

भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए रेल प्रशासन बिहार सरकार, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) और रेल पुलिस के साथ मिलकर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ कर रहा है। रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता है कि वे रेल संपत्ति की सुरक्षा में सहयोग करें और किसी भी समस्या की स्थिति में स्टेशन अधिकारियों या हेल्पलाइन से संपर्क करें। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। रेल प्रशासन यह भी अपील करता है कि यात्रीगण हमेशा उचित टिकट लेकर ही ट्रेनों में सफर करें तथा अपनी टिकट की श्रेणी के अनुसार ही उचित श्रेणी के डब्बों में प्रवेश करें। जिससे किसी को भी परेशानी नही होगी और किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से बचा जा सकेगा।

पोक्सो एक्ट मामले में गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के वारिसनगर ब्लॉक के तहत मथुरापुर थाना की पुलिस ने पोक्सो एक्ट मामले के अभियुक्त सूरज राय को वैशाली जिला के चक बिजानी गांव से गिरफ्तार कर थाना लाया गया। इधर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने कागजी प्रक्रिया के पश्चात अभियुक्त को गुरुवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने जानकारी दी की दरोगा सुप्रिया आर्या ने पुलिस बल के साथ सूरज राय को वैशाली के चकबिजानी गांव से गिरफ्तार किया, जबकि इसी मामले में इनके पुत्र को पूर्व में ही जेल भेजा जा चुका है।

मारपीट के दो आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा न्यायिक हिरासत में

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर प्रखंड के अंतर्गत चकमहेसी थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना कांड के प्राथमिकी आरोपी को थाना क्षेत्र के मालीनगर धुवगामा से दो को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गांव के ही चंदेश्वर राम व मुस्कान कुमार के रूप में की गई है। इसकी पुष्टि थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने की। इधर थाना अध्यक्ष ने आरोपी को कागजी प्रक्रिया के पश्चात न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान गांव के ही चंदेश्वर राम व मुस्कान कुमार के रूप में की गई है। इसकी पुष्टि थाना अध्यक्ष संतोष कुमार यादव ने की। इधर थाना अध्यक्ष ने आरोपी को कागजी प्रक्रिया के पश्चात न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने आकांक्षी जिला कार्यक्रम की समीक्षा, अधिकारियों को दिया दिशा निर्देश

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ,

सीतामढ़ी। भारत सरकार के केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय के द्वारा समाहरणालय के विमर्श सभा कक्ष में आकांक्षी जिला कार्यक्रम की समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में मंत्री श्री राय के द्वारा जिले में स्वास्थ्य, पोषण ,शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, आधारभूत संरचना, कौशल विकास और वित्तीय समावेशन से जुड़े कार्यक्रमों से संबंधित अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गई एवं अधिकारियों को कई दिशा निर्देश दिए गए। इस दौरान मंत्री के द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर अपने सुझाव भी दिए गए। स्वास्थ्य और पोषण की समीक्षा के क्रम में निर्देश दिया गया कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर की अंतर्निहित कारणों की पहचान कर मृत्यु दर में और कमी लाने के मद्देनजर लक्षित प्रयास करने का निर्देश दिया गया। निर्देश दिया गया कि इस संबंध में ग्रास रूट पर कार्य करना सुनिश्चित किया जाए। गर्भवती महिलाओं का लगातार ट्रैकिंग हो। साथ ही संस्थागत प्रसव को और इंप्रूव किया जाए। इस संबंध में जागरूकता अभियान भी चलाया जाए। मंत्री के द्वारा मातृ वंदना योजना की प्रगति की समीक्षा की गई एवं इस संबंध में आवश्यक निर्देश उनके द्वारा दिए गए। शिक्षा से संबंधित विभिन्न सूचकांकों की बिंदुवार समीक्षा की गई निर्देश दिया गया कि जिन स्कूलों में ड्रॉप आउट है, उस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कहा कि पढ़ाई के साथ बच्चों के समग्र विकास के निमित विभिन्न गतिविधियों का नियमित रूप से आयोजन किया जाए ताकि उनका हॉलिस्टिक डेवलपमेंट हो सके। मंत्री के द्वारा सीतामढ़ी जिले में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं जल संसाधन, वित्तीय समावेशित एवं कौशल विकास इत्यादि क्षेत्रों में विभिन्न प्रमुख सूचकांक में सुधार की समीक्षा की गई। निर्देश दिया कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए लक्ष्य प्राप्ति के दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करें ताकि जिले का और विकास हो सके। उन्होंने कहा कि आकांक्षी जिला कार्यक्रम एक परिवर्तनकारी पहल है, जिसका लक्ष्य देश भर में 112 अपेक्षाकृत पिछड़े और दूरदराज के जिलों के विकास में तेजी लाना है। उन्होंने कहा है कि इस कार्यक्रम का व्यापक प्रभाव पड़ा है जिससे लाखों लोगों के जीवन में सुधार हुआ है और क्षेत्रीय असमानताओं को दूर किया गया है। कहा कि संबंधित सभी पदाधिकारी परस्पर समन्वय के साथ कार्य करते हुए आकांक्षी जिला कार्यक्रम से संबंधित विभिन्न सूचकांकों में बेहतर प्रदर्शन करना सुनिश्चित करें। वहीं जिला योजना पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि सितंबर माह 2024 की डेल्टा रैंकिंग में जिले का स्थान 52वां है। जबकि शिक्षा में 11वां , एग्रीकल्चर एंड वॉटर रिसोर्सेस में 66 वां, फाइनेंशियल इंक्लूजन एंड स्किल डेवलपमेंट में 67 वां, बेसिक इंफ्रास्ट्रक्चर में 47 वां हेल्थ एवं न्यूट्रीशन में 50 वां स्थान प्राप्त हुआ है।बैठक सांसद देवेश चंद ठाकुर, विधायक मिथिलेश कुमार, पंकज मिश्रा, मोतीलाल प्रसाद, अनिल कुमार, संजय गुप्ता, मुकेश कुमार, दिलीप राय, बीस सूत्री उपाध्यक्ष मनीष गुप्ता, जिलाधिकारी रिची पांडेय, उप विकास आयुक्त मनन राम, जिला योजना अधिकारी सुमन कुमार सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

अखिलेश बोले- ये बजट नहीं बड़ा ढोल

अंदर से खोखला: शिवपाल ने कहा-बड़े घोटाले की स्क्रिप्ट

लखनऊ। योगी सरकार ने गुरुवार को 2025-26 का बजट पेश किया। पशुओं की समस्या खत्म करने का भी ऐलान किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने इसको लेकर योगी सरकार पर निशाना साधा। कहा- ये छुट्टा जानवर तभी हट सकते हैं जब ये सरकार हटेगी। सपा नेता शिवपाल सिंह यादव ने कहा- यह बजट एक बड़े घोटाले की पटकथा है। अगर यही विकास है तो जनता को अंधकार से कोई शिकायत नहीं होनी चाहिए। इसलिए मैं इस बजट को पूरी तरह से खारिज करता हूं। अखिलेश यादव ने कहा- सरकार ने उर्दू वाला सवाल जानबूझ कर उठाया, जिससे रोजगार, इंवेस्टमेंट पर बात न हो। मुख्यमंत्री जी को उर्दू के बारे में कुछ नहीं पता। ये मेरठ के आसपास जन्मी है। सीएम अकेले में गजल सुनकर रोते हैं। इस बार के बजट में पिछड़े, दलित और मुसलमानों के साथ भेदभाव किया है। बुंदेलखंड का किसान बर्बाद हो गया। उसकी मूंगफली खरीदी नहीं गई। अगले 5 साल में सरकार फसलों का न्यूनतम दाम देने की बात कह रही है। मंडियां तो चौपट हो गईं। नई मंडी एक भी नहीं बनाई। भाजपा ने संकल्प लिया था कि 14 दिन में किसानों का भुगतान नहीं किया तो उस पर ब्याज सहित भुगतान देंगे। सरकार यह नहीं बता रही कि गन्ने की कीमत कितनी बढ़ाई। कितना बकाया है, यह नहीं बताती। अखिलेश ने बजट को 'बड़ा ढोल' बताया। कहा कि यह सिर्फ दिखावा है, जो वास्तविक विकास और सुधार की बजाय सिर्फ प्रचार पर आधारित है। सरकार कहती है कि यूपी में 6 मेगा फूड पार्क विकसित किए जाएंगे। अब तक सरकार ने एक भी मेगा फूड पार्क विकसित किया है तो बताए। जो लोग सशक्त नारी की बात कर रहे हैं, जिन्होंने कहा कि UPPSC में हम महिलाओं की संख्या दोगुनी कर देंगे...आज बताएं कि कितनी दोगुनी हुईं। सपा नेता शिवपाल यादव ने कहा, मैं सरकार से आग्रह करता हूं कि अगली बार जुमलों की किताब की जगह जनता की जरूरत का बजट बनाएं। हम 2027 में जनता के हित में एक बेहतर बजट लाएंगे। मायावती बोलीं- करोड़ों परिवारों की दरिद्रता दूर कैसे होगी बसपा प्रमुख मायावती ने कहा- बजट महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी, पिछड़ेपन को दूर करने, आम जनता की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त नहीं है। ऐसे में विकास कैसे संभव है। कुल मिलाकर यूपी सरकार का बजट भी पेट भरे मध्यम वर्ग के तुष्टीकरण वाला है। जबकि सरकारों का दायित्व करोड़ों परिवारों की दरिद्रता को दूर करके सुख-चैन पहुंचाना होता है। लेकिन, बजट में ऐसा न होना चिंतनीय है।

बजट में उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना निहित: दुर्गेश राय

कुशीनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने लगातार 9वीं बार वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 8 लाख 8 हजार 636 करोड़ रुपए का बजट पेश किया है, जो रामराज्य का बजट है। इस बजट में उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास की परिकल्पना निहित है। उक्त बातें भारतीय जनता पार्टी कुशीनगर जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय ने कहीं। कहा कि प्रदेश के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रॉजेक्ट्स, सांस्कृतिक विरासत,सामाजिक पेंशन, गरीब, युवा, किसान, महिला धार्मिक पर्यटन और महिलाओं के उत्थान पर विशेष ध्यान दिया गया है । बजट में समाज के हर वर्ग- गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, महिला, युवा और आम लोगों की जरूरतों को पूरा करने का प्रयास किया गया है इस बजट में छात्राओं का विशेष ध्यान रखा गया है। 8 लाख करोड़ रुपये के बजट में छात्राओं के लिए वित्त मंत्री ने ह्यस्कूटी स्कीमह्व की घोषणा की है। इस योजना के तहत प्रदेश में पढ़ रही छात्राओं को सरकार की ओर से मुफ्त में स्कूटी दी जाएगी, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और उनकी पढ़ाई-लिखाई में कोई रुकावट न आए।सही मायने में यह जनहित का बजट है।

3,700 रेलवे कर्मचारी हड़ताल पर

लोको पायलट गार्ड भी शामिल

लखनऊ। के चारबाग रेलवे स्टेशन पर लोको पायलट और गार्ड हड़ताल पर बैठे हैं। रनिंग स्टाफ का कहना है- वीक ऑफ कैंसिल किया जा रहा है। इसमें मेला सहित अन्य कारण बताए जा रहे हैं। महाकुंभ के चलते 10 से अधिक दिनों तक बिना रेस्ट के काम कराया जा रहा है। इससे पारिवारिक और मानसिक स्थिति खराब हो रही है। हम लोग तनाव में काम कर रहे हैं। लखनऊ मंडल में करीब 3,700 कर्मचारी हड़ताल पर हैं। इनमें 2,200 लोको पायलट और 1,500 गार्ड शामिल हैं। हालांकि कर्मचारी

ड्यूटी भी कर रहे हैं। उन्होंने संगठन को सांकेतिक समर्थन दिया है। इस दौरान ड्यूटी खत्म होने के बाद 36 घंटे तक उपवास कर प्रदर्शन में शामिल हो रहे। लोको पायलट बताते हैं कि रूट ऑफ होने के बाद रनिंग रूम में रहने पर 8 घंटे के बाद दोबारा ड्यूटी पर बुलाने का नियम होता है, लेकिन सिर्फ 6 घंटे पर ही बुला लिया जाता है। इससे समस्या होती है। वहीं घर पर रहने पर 16 घंटे की बजाय सिर्फ 14 घंटे में ही बुला लिया जाता है। लोको पायलट बोले नहीं बढ़ा अलाउंस लोको पायलट चौधरी विक्रम सिंह ने बताया कि रेस्ट कम मिलता है।

50 फीसदी डीए बढ़ने के बाद अन्य कर्मचारियों के भत्ते 25 फीसदी बढ़ा दिए गए हैं, लेकिन रनिंग कर्मचारियों का किलोमीटर अलाउंस अभी तक नहीं बढ़ाया गया है। इससे कर्मचारियों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

पीएनएम इंटर कालेज में विदाई और सम्मान समारोह आयोजित

कुशीनगर। फाजिलनगर के पीएनएम इंटर कालेज में दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों के विदाई समारोह के साथ ही विद्यालय के अवकाश प्राप्त शिक्षक असलम अंसारी के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य डा.अक्षयबर पांडेय ने कहा कि विद्यार्थी विद्यालय की उत्पाद (प्रोडक्ट) होते हैं। उनके व्यवहार से शिक्षक और विद्यालय के संस्कारों का परिचय मिलता है।बीशिक्षक कभी सेवानिव त्त नहीं होता, वह समाज को सदैव दिशा देने का कार्य करता रहता है। शिक्षक केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहते, बल्कि जीवनभर अपने ज्ञान और अनुभवों से समाज का मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि बोर्ड परीक्षा में अधिक से अधिक सफलता अर्जित करें और अपने विद्यालय एवं परिवार का नाम रोशन करें। समारोह में अवकाश प्राप्त शिक्षक श्री अंसारी को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। उपप्रधानाचार्य विश्राम यादव, वरिष्ठ शिक्षक नंदा पांडेय, समीप राव, डॉ. संजय मिश्र, रामानंदन दास ने सम्बोधित किया। संचालन कवि मनंजय तिवारी ने किया। इस दौरान राम केवल प्रसाद, शैलेश तिवारी, जयनाथ प्रसाद, नीरज रानी, प्रतिमा पांडेय, नम्रता मिश्र, संदीप गौतम, अतुल तिवारी, चंद्र प्रकाश तिवारी, चंद्रशेखर उपाध्याय उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय अंग्रेजी विषय के उपचारात्मक

शिक्षण, प्रशिक्षण का हुआ समापन

कुशीनगर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान कुशीनगर डायट के सभागार में तीन दिवसीय अंग्रेजी विषय के उपचारात्मक शिक्षण, प्रशिक्षण समापन समारोह का समापन हो गया। प्रभारी प्राचार्य /बीएसए कुशीनगर डॉ रामजीयावन मौर्य की देखरेख में बुधवार को संपन्न समारोह के मुख्यअतिथि डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ अमित कुमार सिंह ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में अंग्रेजी भाषा को जानना व समझना एक वैश्विक आवश्यकता है। रिमेडियल ट्रेनिंग के नोडल/ डायट प्रवक्ता धनंजय चतुर्वेदी ने कहा कि जो बच्चे हैं, उनके नीट को देखते हुए, यह उपचारात्मक शिक्षण, प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से

अंग्रेजी भाषा को बेहतर तरीके से बच्चों को बताया जा सके। कार्यक्रम को डायट प्रवक्ता डॉ मुकेश गुप्त, चंद्रशेखर कुमार, डॉअखलाक अहमद, , डॉ अर्चना सिंह ल ने संबोधित किया । प्रशिक्षणोपरानत प्रतिभागी शिक्षक/ शिक्षिका गण को प्रमाण पत्र दिया गया। विषय विशेषज्ञ त्रिलोकी प्रसाद मद्धेशिया, नरेंद्र पांडे, एहसान अली, सुचिता प्रसाद, अमीरुल हक अंसारी व मारकंडेय, प्रतिभागी शिक्षक गण में छेदी प्रसाद, अशोक कुमार दुबे, सुरेश प्रसाद रावत, ध्रुव नारायण सिंह, विनय प्रकाश तिवारी, नीरज श्रीवास्तव, सुमित कुमार त्रिपाठी, अमरेंद्र नारायण सिंह, मनोज सिंह, दिनेश यादव, मदन गोपाल पाठक, सुरेंद्र सिंह, रामनिवास प्रसाद, भगवान तिवारी, महेश रजक, अरविंद तिवारी, शिक्षिका गण में- सुधारानी जायसवाल, कंचन लता, प्रतिभा तिवारी, निशु विश्वकर्मा, मनोरमा द्विवेदी, प्रतिभा तिवारी, माया गुप्ता, प्रीति सोनकर, सुनीता सिंह की सहभागिता रही।

संचालन- प्रधानाध्यापक शैलेश कुमार त्रिपाठी व आभार डायट नोडल प्रवक्ता धनंजय चतुर्वेदी ने ज्ञापित किया।

प्रधानमंत्री के विकसित भारत के संकल्प को

पूरा करेंगे बच्चे: रजनीकांत मणि त्रिपाठी

3.60 लाख के ह्यूम पाइप खरीद में गड़बड़ी का आरोप

गोंडा। के देवीपाटन मंडल में 15वें वित्त आयोग की धनराशि में बड़े घोटाले का मामला सामने आया है। ग्राम पंचायत पुरैनिया रूपईडीह में ह्यूम पाइप खरीद और श्रमिक व्यय में गड़बड़ी की शिकायत मिली है।मंडलायुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने इस मामले में उप निदेशक पंचायती राज को जांच सौंपी है। शिकायतकर्ता पंकज कुमार पाण्डेय ने बताया कि पंचायत ने 3,60,595 रुपये खर्च किए। लेकिन मौके पर कहीं भी पाइप नहीं लगाई गई। पंचायत ने चार अलग-अलग तिथियों में भुगतान किया। 25 दिसंबर 2021 को 1,09,349 रुपये की ह्यूम पाइप खरीदी गई। 18 फरवरी 2022 को श्रमिक व्यय में 65,702 रुपये खर्च किए गए। 9 अगस्त 2023 को 91,920 रुपये की पाइप खरीद और 1,704 रुपये का श्रमिक व्यय दशार्या गया। 17 अगस्त 2023 को 91,920 रुपये की एक और खरीद की गई। ग्राम कश्मीरवा, पुरैनिया रूपईडीह के निवासी पंकज कुमार पाण्डेय का कहना है कि इतनी बड़ी राशि खर्च होने के बाद भी जमीन पर कोई काम नहीं हुआ। उन्होंने मामले की गहन जांच और भौतिक सत्यापन की मांग की है।

गोंडा। में बार एसोसिएशन के नेतृत्व में हजारों अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट में विरोध प्रदर्शन किया। अधिवक्ता अधिनियम 1961 में प्रस्तावित संशोधन का विरोध कर रहे वकीलों ने डीएम नेहा शर्मा को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। बार एसोसिएशन का कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित संशोधन को तत्काल प्रभाव से रोका जाए। अधिवक्ताओं का मानना है कि इन संशोधनों से उनकी स्वतंत्रता प्रभावित होगी। उनका आरोप है कि यह प्रस्ताव वकीलों की निष्पक्ष आवाज को दबाने का प्रयास है। गोंडा बार एसोसिएशन के अध्यक्ष राम बुझारत द्विवेदी ने कहा कि सरकार को संशोधन से पहले अधिवक्ताओं से विचार-विमर्श करना चाहिए।

संक्षिप्त डायरी

थाई मंदिर में बुद्ध गीत कांटेस्ट में बच्चों ने लिया भाग

कुशीनगर। बुद्ध स्थली कुशीनगर स्थित थाई मोनेस्ट्री परिसर में माधी अमावस्या के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय बुद्ध धातु शोभायात्रा समारोह के प्रथम दिन 30 स्कूलों के छात्र - छात्राओं ने तथागत बुद्ध पर आधारित गीत प्रतियोगिता में भाग लिया। सामूहिक रूप से बुद्धम शरणम् गच्छामि की थीम पर श्रद्धा और भक्ति के साथ प्रस्तुति दी। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम के तहत मुख्य थाई मंदिर में प्रमुख भंते फ्राविडेस्चेरियन (डॉ. पी सोम पोंग) के निर्देशन में स्थानीय बुद्धिस्ट मॉनेस्ट्रियो से जुड़े भिक्षुओं ने विधि विधान से भगवान बुद्ध का विशेष पूजन किया। आयोजित बुद्ध गीत प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी और थाईलैंड से आए अतिथियों ने फीता काटकर किया। कांटेस्ट में भगवान बुद्ध के जीवन और उपदेशों पर आधारित गीत सरदार पटेल जूनियर विद्यालय, लिन्ह सन इंटर कालेज, सरस्वती ज्ञान मंदिर हेतिमपुर, सीएस स्कूल, लोहिया पब्लिक स्कूल, मैत्रेय लोटस पब्लिक स्कूल अहिरौली सहित 30 विद्यालयों से आए प्रतिभागियों ने एकल, सूहिक रूप से गीत, नृत्य की बेजोड़ प्रस्तुति दी। सभी प्रतिभागियों को आयोजक गण और अतिथियों ने पुरस्कृत किया। संचालन टीके राय ने किया। इस दौरान भंते सोन क्रान, राजीव खन्ना, विवेकनंद तिवारी, अंबिकेश त्रिपाठी, ओमप्रकाश कुशवाहा, विवेक कुमार गोंड आदि सहित अन्य भंते मौजूद रहे।

सांसद राकेश राठौर की जमानत पर 24-फरवरी को सुनवाई

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में दुराचार के मामले में जेल में बंद कांग्रेस सांसद राकेश राठौर की जमानत याचिका पर आज सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति राजेश सिंह चौहान की एकल पीठ ने मामले को सोमवार को सुनवाई के लिए पहले नंबर पर रखा है। कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया है कि वह सोमवार तक अपना जवाब दाखिल कर सकती है। न्यायालय सोमवार को सुबह बैठते ही सबसे पहले इस जमानत याचिका पर सुनवाई करेगा। राठौर की ओर से दायर नियमित जमानत याचिका पर न्यायालय ने यह आदेश सुनवाई के बाद पारित किया। इस मामले में अंतिम निर्णय सोमवार को आने की संभावना है। 21 दिन पहल हुई थी गिरफ्तारी कांग्रेस सांसद राकेश राठौर को पुलिस ने 21 दिन पहले गुरुवार को गिरफ्तार कर लिया। उन पर एक महिला नेता ने रेप करने का आरोप लगाया है। गुरुवार को राकेश राठौर सीतापुर में अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रहे थे। तभी अचानक पुलिस पहुंची। पुलिस ने सांसद को कोर्ट में पेश किया, जहां से 14 दिन के लिए जेल भेज दिया गया। राकेश राठौर पर 15 जनवरी को एक महिला ने यौन शोषण का आरोप लगाते हुए FIR दर्ज कराई। महिला ने कहा कि 4 साल से सांसद शादी का झांसा देकर और नेता बनाने की बात कहकर यौन शोषण कर रहे थे। FIR दर्ज होने के बाद से सांसद अंडरग्राउंड हो गए। गुरुवार को पहली बार वह मीडिया से अपनी बात रखने आए। तभी उनको गिरफ्तार कर लिया गया था।

हॉस्टल बाथरूम में कक्षा 5 के छात्र का शव मिला

लखनऊ। में मलिहाबाद स्थित सफा पब्लिक स्कूल के हॉस्टल में कक्षा पांच के छात्र का शव फांसी से लटका मिला। छात्र की पहचान खान अल्तमस (15) के रूप में हुई। साथी छात्रों ने शव देखकर स्कूल प्रबंधन को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मूल रूप से बस्ती केपकोलियाका रहने वाला खान अल्तमस (15) का शव गुरुवार सुबह बाथरूम में लटकता मिला। इंस्पेक्टर मलिहाबाद के मुताबिक परिवार वालों को सूचना दे दी गई है। परिजनों की शिकायत और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। सिगरेट पीने पर टीचर ने डांटा मलिहाबाद इंस्पेक्टर बैजनाथ ने बताया कि छात्र तीन दिन पहले छत के रास्ते कुछ दोस्तों के साथ कूदकर सिगरेट पीने गया था। स्कूल प्रबंधन ने जानकारी होने पर उसको दोबारा ऐसा नहीं करने की हिदायत दी थी। साथ ही परिजनों को सूचना दी थी। उन्होंने बताया कि इसके बाद छात्र गुमसुम रहने लगा। आशंका है कि इसी के चलते उसने सुसाइड कर लिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। भाई को पता चला तो घर ले जाएंगे पुलिस पूछताछ में साथियों ने बताया कि स्कूल में सिगरेट पीने की जानकारी होने के बाद से अल्तमस परेशान था। प्रधानाचार्य ने उसके बस्ती के पकोलिया गांव निवासी भाई को सूचना दे दी थी। वह कह रहा था कि भइया आएंगे तो मारते हुए घर ले जाएंगे। इसी के चलते दो दिनों से किसी से कुछ नहीं बोल रहा था। भाई ने लगाया स्कूल प्रबंधन पर प्रताड़ना का आरोप अल्तमस के भाई खान अब्दुल कुद्दूस का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन ने भाई की आत्महत्या की बात छुपाई। समय पर सूचना भी नहीं दी। स्कूल प्रबंधन की सख्ती और पिटाई से परेशान होकर भाई ने यह कदम उठाया है। प्रिंसपल अनटोनी थामस, सर अब्दुल हफीज और स्कूल प्रशासन के खिलाफ वहां के बच्चों ने भी यही बात बताई। परिजनों ने सीबीआई जांच की मांग घटना की सूचना पर पहुंचे अल्तमस के परिजनों ने पुलिस और योगी सरकार से पूरे प्रकरण की सीबीआई से जांच कराने की बात कही। उनका कहना है कि स्कूल में बच्चे को रात को छोटी से बात पर लंडे और लात-घूसों से पीटा गया। जिससे उसने डर कर यह कदम उठा लिया स्कूल में नहीं लगे सीसीटीवी कालेज में बच्चों की पढ़ाई के साथ रहने की भी व्यवस्था है, लेकिन कहीं भी सीसीटीवी नहीं लगाए गए हैं। जिससे पता चल सके कि वहां क्या होता है साथ के बच्चों ने बताया प्रबंधन सख्त अल्तमस के साथ पढ़ने वाले बच्चों ने स्कूल प्रबंधन के सख्त होने की बात कही।

इन 6 लोगों को नहीं खाना चाहिए मखाना, सेहत को फायदे नहीं मिलेंगे सिर्फ नुकसान

मखाना, जिसे हम अक्सर चाय के साथ या हलके स्नैक्स के तौर पर खाते हैं, सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें ढेर सारे पोषक तत्व होते हैं, जैसे प्रोटीन, फाइबर, और एंटीऑक्सीडेंट्स, जो हमारे शरीर को मजबूती देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि मखाना सभी के लिए सही नहीं होता? कुछ लोगों के लिए यह हानिकारक भी हो सकता है। अगर आप इनमें से किसी से जुड़ी समस्याओं से परेशान हैं, तो मखाना खाने से पहले एक बार सोच लीजिए। आइए जानते हैं किन 5 लोगों को मखाना खाने से परहेज करना चाहिए।

डायबिटीज के रोगी

मखाना में उच्च मात्रा में कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं, जो ब्लड शुगर को बढ़ा सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को डायबिटीज है, तो उसे मखाना का सेवन सीमित मात्रा में और डॉक्टर की सलाह से करना चाहिए। इसके अलावा, मखाना का सेवन ज्यादा करने से शरीर में ग्लूकोज का स्तर असंतुलित हो सकता है, जिससे डायबिटीज की स्थिति खराब हो सकती है।

गैस्ट्राइटिस और पाचन समस्याओं वाले लोग

मखाना के सेवन से कुछ लोगों को पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इसमें फाइबर की अधिक मात्रा होती है, जो कभी-कभी पेट में गैस, सूजन, और कब्ज जैसी समस्याएं पैदा कर सकती है। यदि किसी व्यक्ति को गैस्ट्राइटिस, पेट की जलन, या अन्य पाचन समस्याएं हैं, तो उसे मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे सीमित मात्रा में खानी चाहिए।

किडनी रोगी

मखाना में पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है, जो किडनी के रोगियों के लिए हानिकारक हो सकता है। किडनी की बीमारी होने पर, शरीर से पोटेशियम की सही मात्रा बाहर नहीं निकल पाती, जिससे पोटेशियम का स्तर बढ़ सकता है और यह हृदय की समस्याएं पैदा कर सकता है। इसलिए, किडनी रोगी को मखाना खाने से बचना चाहिए या फिर इसे बहुत कम मात्रा में लेना चाहिए।

एलर्जी से प्रभावित लोग

कुछ लोगों को मखाना से एलर्जी हो सकती है, जिससे उन्हें त्वचा पर दाने, खुजली, या अन्य एलर्जी के लक्षण हो सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को मखाना खाने के बाद कोई एलर्जी के लक्षण दिखते हैं, तो उसे मखाना से बचना चाहिए। ऐसे लोग मखाना के सेवन से पहले डॉक्टर से परामर्श लें।

हाई ब्लड प्रेशर

हाई ब्लड प्रेशर की दिक्कत से दो चार हो रहे लोगों को मखाना ना खाने के लिए कहा जाता है। ऐसा इसलिए क्योंकि मखाना में सोडियम होता है और इससे हाई ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। इसीलिए हाई ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों को मखाना ना खाने या कम खाने की कोशिश करनी चाहिए।

गर्भवती महिलाएं

गर्भवती महिलाओं को मखाना का सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। मखाना में कुछ प्रकार के तत्व होते हैं जो शरीर में गर्मी पैदा कर सकते हैं, और ज्यादा सेवन से यह गर्भावस्था में असहज महसूस करवा सकता है। गर्भवती महिलाएं पहले डॉक्टर से सलाह लें कि मखाना उनका सेवन कर सकती हैं या नहीं, और यदि कर सकती हैं, तो कितनी मात्रा में करें।

मखाना खाने के फायदे : हालांकि, मखाना का सेवन बहुत से लोगों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें उच्च मात्रा में प्रोटीन, फाइबर, एंटीऑक्सीडेंट्स, और मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को ऊर्जा प्रदान करते हैं। यह हृदय स्वास्थ्य, पाचन, वजन घटाने, और त्वचा की सेहत के लिए भी लाभकारी है।

सुबह उठते ही पिएं लौंग का पानी, ब्लड शुगर से लेकर बॉडी डिटॉक्स तक मिलेंगे ये बेहतरीन फायदे

एंटीऑक्सीडेंट, एंटी इंफ्लेमेटरी प्रॉपर्टीज और जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर लौंग का पानी आपके स्वास्थ्य, त्वचा और बालों के ग्रोथ के लिए बेहद फायदेमंद है. यह नेचुरल तरीके से आपको इस तरह के लाभ पहुंचाता है. आहार विशेषज्ञ और वेट मैनेजमेंट विशेषज्ञ डॉ. प्रत्यक्ष भारद्वाज इसे 卐एंटीऑक्सीडेंट का एक पावरहाउस卐 कहते हैं जो पाचन, प्रतिरक्षा और यहां तक ??कि वेट मैनेजमेंट में भी मदद करता है.

स्वास्थ्य लाभ

पाचन को बढ़ावा देता है और सूजन से लड़ता है : लौंग का पानी आपके पाचन तंत्र के लिए अद्भुत काम करता है।यह सूजन, गैस्ट्रिक समस्याओं और अपच को कम करने में मदद करता है. डॉ. भारद्वाज कहते हैं, 卐लौंग का पानी सूजन और गैस्ट्रिक समस्याओं के लिए एक प्राकृतिक उपाय है. यह डिटॉक्सिफिकेशन प्रक्रिया का भी समर्थन करता है.

वजन घटाने में मदद करता है : लौंग का पानी आपके मेटाबॉलिज्म को बहुत जरूरी बढ़ावा दे सकता है. इसका एक्टिव कंपाउंड , यूजेनॉल, फ़ैट मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाने में मदद करता है, जिससे यह वेट मैनेजमें डेली रूटीन में सहायक होता है. ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है : यदि आप अपने ब्लड शुगर को नेचुरल तरीके से मैनेज करना चाहते हैं, तो लौंग का पानी आजमा कर देश सकते है. लौंग में मौजूद यूजेनॉल ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद करता है और ओवरऑल मेटाबॉलिक हेल्थ का समर्थन करता है.

रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करता है : लौंग के पानी में एंटीऑक्सीडेंट की हाई अमाउंट होने के कारण यह आपके रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत बनाता है, जिससे आप आम संक्रमणों और बीमारियों से सुरक्षित रहते हैं.

आपके दांतों के लिए अच्छा : लौंग के पानी के एंटी बैक्टीरियल प्रॉपर्टी मुंह में सूजन को कम करके मौखिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं. लौंग के पानी से कुल्ला करने से आपकी सांसों को भी तरोताजा करने में मदद मिल सकती है.

सौंदर्य लाभ

मुंहासे और दाग-धब्बों से लड़ता है : लौंग के पानी के सूजनरोधी और रोगाणुरोधी गुण मुंहासे पैदा करने वाले बैक्टीरिया से लड़ने, लालिमा को कम करने और साफ त्वचा को बढ़ावा देने में मदद करते हैं.

आपकी त्वचा को चमकदार बनाता है : लौंग के पानी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट मुक्त कणों से लड़ते हैं, जो सुस्ती और समय से पहले बुढ़ापे का कारण बन सकते हैं. नियमित उपयोग से आपकी त्वचा चमकदार और स्वस्थ दिख सकती है.

चिड़चिड़ी त्वचा को आराम देता है : अगर आपकी त्वचा में खुजली या जलन है, तो लौंग के पानी के शांत करने वाले गुण राहत दे सकते हैं.

बालों के लिए लाभकारी

बालों के रोम को मज़बूत बनाता है : लौंग का पानी स्कैल्प को पोषण देता है और बालों के रोम को मजबूत बनाता है, जिससे बालों का झड़ना कम होता है और विकास को बढ़ावा मिलता है.

रूसी से लड़ता है : लौंग के पानी के रोगाणुरोधी गुण रूसी और खुजली को कम करने में मदद करते हैं, जिससे आपकी स्कैल्प स्वस्थ रहती है.

बालों में चमक लाता है : लौंग के पानी से अपने बालों को धोने से उनमें प्राकृतिक चमक और कोमलता आ सकती है, जिससे आपके बाल ज्यादा जीवंत दिखते और महसूस होते हैं.

सावधानी बेहद जरूरी

माना कि लौंग के पानी के कई लाभ हैं, लेकिन नियंत्रित मात्रा में इसका सेवन करना बेहद जरूरी है, इसके अधिक इस्तेमाल से जलन या संवेदनशीलता हो सकती है. डॉ. भारद्वाज सलाह देते हैं कि अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप पेशेवर मार्गदर्शन के साथ लौंग के पानी को अपनी दिनचर्या में शामिल करें.

लौंग का पानी कैसे बनाएं

लौंग का पानी बनाना आसान और किफायती है. जानें बनाने की विधि

सामग्री

1 चम्मच साबुत लौंग

1 कप पानी

बनाने की विधि

सबसे पहले एक कप पानी उबालें और इसमें लौंग डालें और उन्हें 10-15 मिनट तक भीगने दें. लौंग निकालने के लिए पानी को छान लें। पीने या अपनी त्वचा या बालों पर इस्तेमाल करने से पहले इसे आरामदायक तापमान पर ठंडा होने दें. अतिरिक्त स्वाद और लाभों के लिए, आप इसमें नींबू का एक टुकड़ा या एक चम्मच शहद मिला सकते हैं. सुबह खाली पेट एक कप लौंग का पानी रोजाना पिने से बहुत लाभ मिलता है.

डायबिटीज के मरीज

भूलकर भी न करें इन फलों का सेवन, बढ़ सकता है ब्लड शुगर का लेवल

डायबिटीज एक गंभीर बीमारी है. आज के समय में इस बीमारी से करोड़ों लोग पीड़ित है. इस रोग से पीड़ितों को अपने खानपान का खास ख्याल रखना पड़ता है. इसके साथ ही जीवनशैली में भी बदलाव की जरूरत होती है. यह एक ऐसी बीमारी जिसमें डायबिटीज से पीड़ितों का ब्लड शुगर लेवल काफी बढ़ जाता हैं, जिसके चलते उन्हें कई तरह की स्वास्थ्य समस्या हो सकती है. यहां तक की हाई ब्लड शुगर के चलते कभी-कभी पीड़ितों की जान भी जा सकती है. इसलिए इसको कंट्रोल में रखना बेहद जरूरी होता है. आज हम इस खबर में बताने जा रहे हैं कि डायबिटीज मरीजों को डॉक्टरों के द्वारा चीकू फल खाने से बचने को क्यों कहा जाता है...

डायबिटीज में भूलकर भी ना खाएं चीकू

हम सबको पता है कि चीकू एक ऐसा फल है, जो न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट है बल्कि स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी होता है. खास बात यह है कि इस फल के अलावा बीज और पत्तियां भी काफी गुणकारी हैं. फिर भी डॉक्टरों के मुताबिक, डायबिटीज पेशेंट को चीकू फल खाने से बचना चाहिए, ऐसा इसलिए क्योंकि चीकू में कार्बोहाइड्रेट बहुत हाई अमाउंट में होता है और इस फल में शुगर की मात्रा भी ज्यादा होती है. बता दें, चीकू में मौजूद ज्यादातर कार्बोहाइड्रेट नेचुरल शुगर के रूप में होता है. इसलिए डॉक्टरों के द्वारा हाई ब्लड शुगर से पीड़ित लोगों को चीकू फल नहीं खाने की सलाह दी जाती है. इसके साथ ही डायबिटीज के मरीजों को इन फलों से भी बचना चाहिए. इसमें अनानास, लीची, केला, आम, तरबूज शामिल है.

प्री-डायबिटीज में भूलकर भी ना खाएं चीकू

प्री-डायबिटीज पेशेंट को भी म चीकू नहीं खाने की सलाह दी जाती है. बता दें, चीकू में शुगर की मात्रा अधिक होती है, जिससे मरीज का ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है. चीकू में कैलोरीज भी अधिक होती हैं. बता दें, चीकू का ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होने की वजह से इसका सेवन करने से ब्लड शुगर लेवल तुरंत बढ़ने लगता है

ध्यान देनें वाली बात

यदि आपको हाई ब्लड शुगर (हाइपरग्लाइसेमिया) है तो आपका फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल 130 एमजी/डीएल से ऊपर रहेगा और रैंडम ब्लड शुगर 180 एमजी/डीएल से अधिक रहेगा. यदि आपका ब्लड शुगर लेवल लगातार इन सीमाओं से ऊपर है, तो आपको प्री-डायबिटीज या डायबिटीज हो सकता है. अगर इसे कंट्रोल नहीं किया गया, तो यह हार्ट डिजीज, तंत्रिका समस्याओं और किडनी की बीमारियों जैसी गंभीर चिकित्सा समस्याओं का कारण बन सकता है.

अगर आपको लो ब्लड शुगर (हाइपोग्लाइसीमिया) की समस्या है, तो आपका फास्टिंग ब्लड शुगर लेवल 70 एमजी/डीएल से कम रहेगा और रैंडम ब्लड शुगर 60 एमजी/डीएल से कम रहेगा. आपकों लो ब्लड शुगर के कारण चक्कर आना, भ्रम, बेहोशी और दुर्लभ मामलों में दौरे पड़ सकते हैं. यह आमतौर पर इंसुलिन या एंटीडायबिटिक दवा लेने वाले मरीजों में पाया जाता है, या जो बहुत लंबे समय तक फास्टिंग करते हैं या बहुत लंबे समय तक एक्सरसाइज करते हैं.

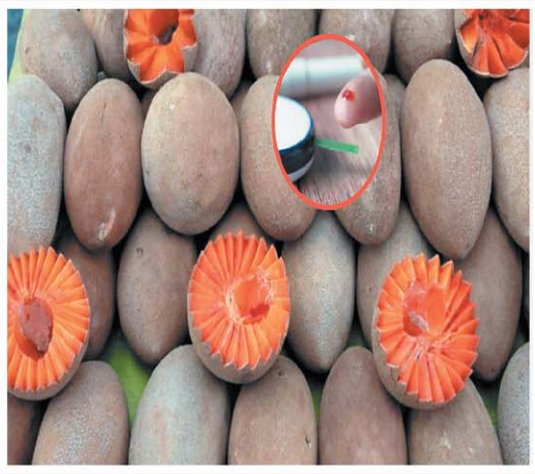

पैरों से पहचानें ब्लड शुगर बढ़ने के संकेत, दिखें तो तुरंत एक्शन की जरूरत

बीमारियों की बात करें तो डायबिटीज का नाम शायद सबसे पहले लिया जाएगा। बिजी और बिगड़ते लाइफस्टाइल, गलत खानपान के चलते शुगर के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ती ही जा रही है। डायबिटीज यानि कि मधुमेह एक ऐसी बीमारी है जो मरीज के शरीर को अंदर ही अंदर खोखला कर देती है। यह शरीर के बाकी अंगों को प्रभावित करती है। जब बॉडी में शुगर की मात्रा बढ़ती है तो शरीर कई तरह के संकेत देने लगता है। डायबिटीज के कुछ खास लक्षण पैरों में भी दिखने लगते हैं। चलिए आपको उन्हीं लक्षणों के बारे में बताते हैं जिन्हें पहचान कर आपको फौरन अलर्ट हो जाना चाहिए

डायबिटीज के कारण पैरों में दिखने वाले संकेत

डायबिटीज एक गंभीर रोग है जिसके लक्षण खासतौर पर पैरों में दिख सकते हैं जो हाई ब्लड शुगर के कारण उत्पन्न होते हैं। अगर डायबिटीज को समय रहते नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह पैरों की नसों और रक्त संचार को प्रभावित कर सकता है।

पैरों में सूजन : हाई ब्लड शुगर के कारण शरीर में लिक्विड संतुलन बिगड़ सकता है, जिससे पैरों में सूजन आ सकती है। यह आमतौर पर खराब ब्लड सर्कुलेशन और किडनी की समस्याओं के कारण होता है।

नसों का नुकसान : डायबिटीज के कारण डायबिटिक न्यूरोपैथी हो सकती है, जिससे पैरों में झुनझुनी, जलन या सुन्न होने की समस्या होती है। यह समस्या पैरों में घावों को महसूस करने की क्षमता को भी प्रभावित कर सकती है, जिससे चोट लगने पर देर से पता चलता है। पैरों की त्वचा शुष्क और फटी हुई दिख सकती है क्योंकि हाई ब्लड शुगर के चलते त्वचा की नमी कम हो सकती है। त्वचा में दरारें आने से बैक्टीरिया और फंगल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है।

नाखूनों में फंगल संक्रमण : डायबिटीज के मरीजों में नाखूनों पर फंगल संक्रमण आम होता है, जिससे वे मोटे, पीले और कमजोर हो सकते हैं। इंफेक्शन बढ़ने पर नाखूनों में दर्द और असहजता हो सकती है।

पैरों में घाव या अल्सर : शुगर मरीज के पैर में चोट या कट लगने के बाद घाव जल्दी नहीं भरता, जिससे अल्सर बनने का खतरा रहता है क्योंकि पैरों में रक्त संचार की कमी होने लगती है और अगर ध्यान न दिया जाए तो यह गैंग्रीन जैसी गंभीर समस्या में बदल सकता है।

पैरों में बहुत ज्यादा दर्द और ऐंठन : ब्लड सर्कुलेशन खराब होने से पैरों में तेज दर्द, ऐंठन या भारीपन महसूस हो सकता है। यह संकेत रक्त वाहिकाओं में रुकावट की ओर भी इशारा कर सकते हैं।

डायबिटीज के मरीजों को पैरों की देखभाल कैसे करनी चाहिए?

पैरों की नियमित जांच करें, किसी भी कट, सूजन, लाल धब्बे या संक्रमण के संकेतों पर नजर रखें।

पैरों को मॉइश्चराइज करें। फटी त्वचा और रूखेपन से बचने के लिए मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

आरामदायक जूते पहनें । टाइट या अनफिटेड जूतों से बचें, जो पैरों में चोट पहुंचा सकते हैं।

नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें। नियमित रूप से नाखून काटें और संक्रमण से बचने के लिए साफ-सफाई रखें।

ब्लड शुगर कंट्रोल करें। नियमित रूप से ब्लड शुगर लेवल मॉनिटर करें और डॉक्टर की सलाह के अनुसार दवाएं लें।

अदाणी ग्रुप की सीमेंट और खनन क्षेत्र में दोहरे अंकों में वृद्धि बरकरार

नई दिल्ली ।

भारत के एक प्रमुख उद्यम, अदाणी ग्रुप ने अपने सीमेंट और खनन क्षेत्र के कारोबार में दोहरे अंकों की मजबूत वृद्धि की खुशखबरी दी है। कंपनी ने जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, यहां आय कंपनी की पूर्वानुमान के साथ मिलकर 86,789 करोड़ रुपये पर पहुंची है। कम्पनी बयान देते हुए कह रही है कि इस वृद्धि के पीछे सोलर और विंड ऊर्जा, एयरपोर्ट्स, सीमेंट उत्पादन जैसे उभरते व्यापारिक क्षेत्रों का है। केवल अक्टूबर से दिसंबर माह में कंपनी ने अपनी विजयी यात्रा को 17.2 प्रतिशत तक बढ़ाया है और पिछले 12 महीनों में एक्सपोनेंशियल रिजल्ट प्राप्त किया है। अदाणी ग्रुप के बूटस्ट्रैप कार्यक्रम ने न केवल उभरते व्यवसाय में वृद्धि दर्शाई है, बल्कि उसके बुनियादी ढांचा व्यवसायों की प्रमुख भूमिका को भी मजबूत किया है। इस उत्कृष्ट कार्यक्रम से लागत और मूल्यंकन से संबंधित कई महत्वपूर्ण लाभ मिला है। अदाणी ग्रुप के उत्तराधिकारी भावना अदाणी ने कहा कि उनके समूह का यह सफलतापूर्वक कारोबारिक मॉडल उज्जवल भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन कर रहा है और उन्हें गर्व है कि वे सरकार के सपने को साकार करने में योगदान दे रहे हैं।

भारतीय स्टार्टअप्स के लिए यूनिकॉर्न बनने की अवधि फिर बढ़ी

नई दिल्ली ।

देश में अनेक कंपनियों ने 1 अरब अमेरिकी डॉलर मूल्य का जादुई आंकड़ा पार कर यूनिकॉर्न बनने का तमगा हासिल किया है। लेकिन शुरुआत में इस उपलब्धि को पाने के लिए उन्हें लंबा संघर्ष करना पड़ा। वर्ष 2019 तक जो कंपनियां यूनिकॉर्न बनीं, उन्हें यहां तक पहुंचने में औसतन 10 वर्ष लग गए लेकिन केवल चार साल बाद 2023 में यह आंकड़ा पार करने में औसत अवधि पांच वर्ष ही रही। एक शोध एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार ऐसा इसलिए हुआ, क्योंकि वेंचर कैपिटल (वीसी) और प्राइवेट इक्विटी (पीई) ने लाभप्रदता की ज्यादा चिंता किए बिना अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए इन कंपनियों पर जमकर नकदी का निवेश किया। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं हो जाती। पिछले कुछ वर्षों से जैसे-जैसे इन वीसी और पीई ने निवेश से हाथ खींचना शुरू किया तो स्टार्टअप का यूनिकॉर्न बनने का इंतजार भी लंबा होता गया और 2024 में यूनिकॉर्न का दर्जा पाने का औसत समय बढ़कर पुनः साढ़े नौ वर्ष हो गया और यह अवधि 2019 के स्तर पर पहुंच गई। एक अध्ययन के अनुसार अमेरिका में स्थिति इसके बिल्कुल उलट सामने आई जहां 2014 के बाद किसी स्टार्टअप को यूनिकॉर्न बनने में 3.4 वर्ष का समय लगा। इससे पहले वहां छोटी कंपनियों को इस उपलब्धि तक पहुंचने के लिए 6.6 वर्ष लग जाते थे। वैसे स्टार्टअप की दुनिया एक शोध का विषय रहा है।

स्टार्टअप के विकास के लिए 2021 का साल सबसे बेहतरीन रहा जब कॉइनडीसीएक्स, क्रेड, जेटविर्क, भारतपे और मोबाइल प्रीमियर लीग जैसे बड़े ब्रांड तीन वर्ष के अंदर ही यूनिकॉर्न बन गए। लेकिन सभी स्टार्टअप को एक जैसी तरक्की का रास्ता नहीं मिला। कुछ ऐसे भी रहे, जिन्होंने यूनिकॉर्न जैसा मील का पत्थर छूने के लिए लंबा सफर तय करना पड़ा। संघर्ष से जूझते हुए आगे बढ़ने में उन्हें कारोबारी मॉडल तक बदलना पड़ा।

अप्रिलिया टूनो 457 स्पोर्ट्स बाइक लॉन्च

नई दिल्ली ।

स्पोर्ट्स बाइक अप्रिलिया टूनो 457 भारत में लॉन्च हो चुकी है। इस बाइक की एक्स-शोरूम कीमत 3.95 लाख रुपये रखी गई है। इस बाइक में बाइ-डायरेक्शनल क्विकशिफ्टर का ऑप्शन भी है, जो राइडिंग एक्सपीरियंस को और बेहतर बनाता है।

टूनो 457 का डिजाइन आरएस 457 से थोड़ा अलग है, इसमें एक नई छोटी एलईडी हेडलाइट है जिसमें दो शार्प डे-टाइम रनिंग लाइट्स दी गई हैं। फ्यूल टैंक की क्षमता भी थोड़ी कम है, टूनो में 12.7 लीटर का टैंक दिया गया है, जबकि आरएस 457 में 13 लीटर का टैंक है। इसके बावजूद दोनों बाइक्स का वजन समान, यानी 175 किलोग्राम है। टूनो 457 में छोटी गियरिंग भी दी गई है, जो इसे और भी स्पोर्टी बनाती है। बाइक की बुकिंग आज से शुरू हो गई है, और इसकी डिलीवरी मार्च तक शुरू होने की संभावना है। इस बाइक की कीमत 3.95 लाख रुपये है, जो आरएस 457 से 25,000 रुपये सस्ती है। इसकी टक्कर यामाहा एमटी-03 और केटीएम 390 ड्यूक जैसी बाइक्स से होगी।

टूनो 457 अपने स्पोर्ट्स बाइक प्रेमियों के लिए एक बेहतरीन विकल्प साबित हो सकती है। यह बाइक अप्रैलिया आरएस 457 के काफी समान है, खासकर इसके मैकेनिकल सैटअप में, जिसमें 457सीसी पैरेलल-ट्विन इंजन दिया गया है। यह इंजन 47.6 एचपी की पावर और 43.5 एनएम का टॉर्क जेनरेट करता है, जो 6-स्पीड गियरबॉक्स और स्लिप-एंड-असिस्ट क्लच के साथ जोड़ा गया है।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में चाहे जितना भी उतार-चढ़ाव क्यों न हो, घरेलू बाजार में पेट्रोल और डीजल पर इसका असर देखने को नहीं मिलता है। गुरुवार के लिए पेट्रोल और डीजल की कीमतें जारी कर दी गई हैं। गुरुवार को भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें वही हैं और यहां कोई बदलाव नहीं किया गया है। गौरतलब है कि पिछले कई महीनों से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

कीमतों में आखिरी बार पिछले साल बदलाव किया गया था और उस दौरान आम लोगों को महंगे पेट्रोल और डीजल से राहत मिली थी, लेकिन उसके बाद से एक बार भी राहत नहीं मिली है। आपको जानकारी के लिए बता दें कि, पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आखिरी बार मार्च 2024 में बदलाव किया गया था। 14 मार्च 2024 को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में आखिरी बार 2-2 रुपये प्रति लीटर की दर से बदलाव किया गया था। लेकिन उसके बाद से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

प्योर ईवी और जियो थिंग्स के मध्य हुआ समझौता

नई दिल्ली ।

इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता प्योर ईवी कंपनी ने अपने वाहनों में स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर और टेलीमैटिक्स को एकीकृत करने के लिए जियो थिंग्स लिमिटेड के साथ एक समझौता किया हैं। इस समझौते के तहत प्योर ईवी अपने इलेक्ट्रिक वाहनों में जियो थिंग्स के स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर्स का उपयोग करेगा, जो एंड-टू-एंड आईओटी समाधान प्रदान करेंगे, जिससे उनके वाहनों की कार्यक्षमता और इंटरएक्टिविटी को बढ़ाया जा सकेगा। जियो थिंग्स द्वारा प्रदान की जाने वाली 4जी कनेक्टिविटी और टेलीमैटिक्स की मदद से ग्राहक अपने वाहन के प्रदर्शन की वास्तविक समय में निगरानी कर सकेंगे और संचालन को और अधिक कुशल बना सकेंगे।

इसके अलावा, जियोथिंग्स स्मार्ट डिजिटल क्लस्टर में फुल एचडी प्लस टचस्क्रीन डिस्प्ले कम्पैटिबिलिटी, रीयल-टाइम डेटा एनालिटिक्स और कस्टमाइज्ड टू-व्हीलर इंटरफेस जैसी सुविधाएं शामिल हैं। यह समाधान वाहन निर्माताओं को अपने उत्पादों में आईओटी तकनीकों के एकीकरण में मदद करेगा, जिससे वे उन्नत डिजिटल अनुभव प्रदान कर सकेंगे। प्योर ईवी के संस्थापक और एमडी डॉ. निशांत डोंगरी ने कहा, यह साझेदारी हमारे उत्पादों को उच्चतम मानकों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है। हमारा लक्ष्य इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में दक्षता और इंटरएक्टिविटी को बढ़ाना है।

जियो प्लेटफॉर्म्स के अध्यक्ष आशीष लोढ़ा ने इस साझेदारी को इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर क्षेत्र के भविष्य को आकार देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इस साझेदारी से ग्राहकों को बेहतरीन कनेक्टिविटी और कार्यक्षमता का अनुभव मिलेगा। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाना है, जिसमें उन्नत आईओटी समाधान, निर्बाध कनेक्टिविटी और डिजिटल एकीकरण का लाभ उठाया जाएगा।

चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह में डीओसी निर्यात में नौ फीसदी गिरावट

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष के पहले 10 माह (अप्रैल-जनवरी) के दौरान भारत का डी-आयल्ड केक (डीओसी) का निर्यात नौ प्रतिशत घटकर 36 लाख टन रह गया है। इस गिरावट का कारण रैपसीड डीओसी और अरंडी डीओसी के निर्यात की खेप का घटना है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जनवरी की अवधि के दौरान, कुल डीओसी का निर्यात 36,03,030 टन का हुआ, जो कि पिछले वर्ष की समान अवधि में 39,74,351 टन था। दस महीने की अवधि में, सोयाबीन डीओसी का समग्र निर्यात एक साल पहले 15.86 लाख टन की तुलना में 17.71 लाख टन तक बढ़ गया। हालांकि, रैपसीड डीओसी का निर्यात 18,95,454 टन से घटकर 15,42,032 टन रह गया, जबकि अरंडी डीओसी का निर्यात 3,27,261 टन से घटकर 2,58,005 टन रह गया। आंकड़ों के अनुसार, पूरे वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान डीओसी का कुल निर्यात 48,85,437 टन रहा था। दक्षिण कोरिया, थाइलैंड, वियतनाम और बांग्लादेश भारतीय डीओसी के प्रमुख आयातक हैं।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबल गुरुवार को भारतीय रुपया 24 पैसे की गिरावट के साथ ही 86.88 पर बंद हुआ। सुबह कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे की बढ़त के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.79 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि हालांकि घरेलू बाजारों में सुस्त रुझान और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी निवेशकों की भावनाओं को प्रभावित कर रही है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय में रुपया 86.88 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद डॉलर के मुकाबले 86.79 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 10 पैसे की गिरावट के साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.98 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 107 पर रहा।

ईपीएफओ के निवेश नियमों में बदलाव के संकेत

मुंबई । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के निवेश के तरीके में बदलाव होने की संभावना है। श्रम और रोजगार मंत्रालय, वित्त मंत्रालय से ईपीएफओ के डेट इंस्ट्रूमेंट्स में निवेश को 20 फीसदी से घटाकर 10 फीसदी करने की मंजूरी मांगेगा। यह बदलाव नवंबर 2024 में ईपीएफओ के सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज (सीबीटी) की बैठक में मंजूर हुआ था। इसका कारण पब्लिक सेक्टर बॉन्ड्स में कम रिटर्न और उनकी कम सप्लाई बताई जा रही है। ईपीएफओ द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र के बॉन्ड के बजाय कॉर्पोरेट बॉन्ड में अधिक निवेश करने का निर्णय कई कारणों से महत्वपूर्ण है। कॉर्पोरेट बॉन्ड आमतौर पर सरकारी बॉन्ड की तुलना में अधिक रिटर्न देते हैं, जिससे कर्मचारियों की रिटायरमेंट बचत को अधिक फायदा हो सकता है। हालांकि, इनमें जोखिम भी अधिक होता है, क्योंकि इन्हें जारी करने वाली कंपनियों के दिवालिया होने की संभावना रहती है। जोखिम को कम करने के लिए ईपीएफओ को आर्थिक रूप से मजबूत कंपनियों के बॉन्ड में निवेश करना होगा। इस फैसले से निवेश पोर्टफोलियो में विविधता आएगी और संभावित रूप से ईपीएफओ को बेहतर रिटर्न मिल सकता है। ईपीएफओ मुख्य रूप से सरकारी कंपनियों के बॉन्ड में निवेश करता था, लेकिन इनसे मिलने वाला रिटर्न कम हो रहा था और पर्याप्त बॉन्ड उपलब्ध नहीं हो पा रहे थे। ऐसे में उच्च रिटर्न के लिए कॉर्पोरेट बॉन्ड में निवेश करने की योजना बनाई गई है। हालांकि, इनमें जोखिम अधिक होता है, इसलिए निवेश की प्रक्रिया को सावधानीपूर्वक प्रबंधित करने की जरूरत होगी। अगर यह प्रस्ताव मंजूर होता है, तो इससे कॉर्पोरेट बॉन्ड मार्केट को बढ़ावा मिलेगा और ईपीएफओ को बेहतर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ जाएगी।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई हैं। आज कारोबार के दौरान एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक जैसे शेयरों में गिरावट से भी बाजार पर दबाव पड़ा। इसके अलावा वीकली एक्सपायरी के कारण भी बाजार नीचे आया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 203.22 अंक करीब 0.27 फीसदी टूटकर 75,735 पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी अंत में 19.75 अंक तकरीबन 0.09 फीसदी नीचे आकर 22,913.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 शेयरों में से 28 बढ़कर बंद हुए। श्रीराम फाइनेंस, एनटीपीसी, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स में उछाल आया और ये 4 फीसदी तक ऊप आकर बंद हुए।

सेंसेक्स की कंपनियों में एचडीएफसी बैंक का शेयर 2.35 फीसदी नीचे आया। इसके अलावा मारुति, टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, आईटीसी, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक बैंक, बजाज फाइनेंस, सनफार्मा, टाइटन के शेयरों में भी गिरावट रही ।

आज एनटीपीसी और महिंद्रा एन्ड महीने के स्टॉक 3 फीसदी से ज्यादा बढ़त पर बंद हुए। इसके अलावा अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, टाटा मोटर्स, पावर ग्रिड, इन्फोसिस के शेयरों में भी तेज रही।

कारोबार के दौरानर मेटल, एनर्जी और ऑटो के शेयरों में लाभ हुआ जबकि बैंकिंग और आईटी कमजोर हुए। ब्रोडर मार्केट ने लगातार दूसरे सेशन में अपना लाभ बढ़ाया। स्मालकैप और मिडकैप दोनों ने लगभग डेढ़ फीसदी की बढ़त दर्ज की।÷

एनएसई पर सेक्टोरल इंडेक्स मिलेजुले रुख में बंद हुए। निफ्टी ऑटो, निफ्टी पीएसबी, मेटल, रियल्टी, ओएमसी और मीडिया इंडेक्स 1 प्रतिशत से अधिक की बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, बैंक निफ्टी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी, फार्मा और प्राइवेट बैंक सूचकांक 0.75 फीसदी तक की गिरावट के साथ लाल रंग में बंद हुए।

वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक गिरकर 75,672 पर खुला। निफ्टी50 भी गिरावट के साथ 22,821 अंक पर लाल निशान में खुला। बीच, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,881.30 करोड़ रुपये की भारतीय इक्विटी बेची, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने कारोबारी सत्र के दौरान 1,957.74 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। उतार-चढ़ाव के बीच घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को मामूली गिरावट में बंद हुए।

वारी एनर्जीज को 362.5 मेगावाट सौर मॉड्यूल की आपूर्ति का ठेका मिला

नई दिल्ली । वारी एनर्जीज ने इंजी इंडिया की अनुषंगी कंपनी खाबा रिन्यूएबल एनर्जी से 362.5 मेगावाट सौर मॉड्यूल की आपूर्ति का ठेका मिलने की गुरुवार को घोषणा की। कंपनी बयान के अनुसार, इस ठेके में उन्नत 600 डब्ल्यूपी एलीट बीआईएन-08 एन-टाइप टॉपकॉन सौर मॉड्यूल की आपूर्ति शामिल है, जिसे ऊर्जा दक्षता तथा स्थिरता बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है। ये मॉड्यूल भारत की प्रमुख जलविद्युत कंपनियों में से एक एनएचपीसी के लिए तैनात किए जाएंगे। वारी एनर्जीज लिमिटेड के एक अे धिकारी ने कहा कि हम इस महत्वपूर्ण ठेके पर खाबा रिन्यूएबल एनर्जी और एनएचपीसी के साथ साझेदारी कर खुश हैं।

डिजिटल पेमेंट सेवाओं पर अब देना होगा चार्ज

मुंबई । भारत में अधिकांश लोग यूपीआई के जरिए भुगतान कर रहे हैं। देशभर में हर दिन करोड़ों यूपीआई से लेनदेन होते हैं। पेटीएम, गूगल पे और फोनपे जैसी कंपनियां यूपीआई पेमेंट सेवाओं में अग्रणी हैं और अब तक ये सेवाएं ज्यादातर मुफ्त रही हैं लेकिन अब शायद आपको इसके लिए अलग-अलग सर्विसेज के लिए फीस चुकानी पड़ सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, अगर आप बिल पेमेंट के लिए क्रेडिट या फिर डेबिट कार्ड का इस्तेमाल करेंगे तो 0.5 फीसदी से 1 फीसदी तक का चार्ज आप लोगों से लिया जाएगा, इस चार्ज के अलावा आपको जीएसटी भी देना पड़ेगा। रिपोर्ट में इस बात का भी जिक्र है कि एक साल पहले से ही गूगल पे यूजर्स से मोबाइल चार्ज पर 3 रुपए की कनविनियंस फीस चार्ज कर रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि जब एक ग्राहक ने जब बिजली बिल भरने के लिए क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल किया तो ऐप ने 15 रुपए की कनविनियंस फीस यूजर से चार्ज की है। इस फीस को डेबिट/क्रेडिट कार्ड ट्रांजेक्शन के लिए प्रोसेसिंग फीस नाम से ऐप में दिखाया जा रहा है जिसमें जीएसटी भी शामिल है।

अब सिगरेट पीना तंबाकू खाना होगा महंगा! सरकार जीएसटी बढ़ाने पर कर रही विचार

नई दिल्ली।

केंद सरकार सिगरेट और तंबाकू पर जीएसटी बढ़ाने पर विचार कर रही है, ताकि टैक्स रेवेन्यू में कमी नहीं आ सके। अभी इन उत्पादों पर 28 फीसदी जीएसटी के अलावा कई चार्ज लगते हैं, जिससे कुल टैक्स 53 फीसदी हो जाता है, लेकिन यह विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सुझाए 75 फीसदी से कम है। यह बदलाव तंबाकू खाने वाले लोगों की जेब पर असर डालेगा। फिलहाल, सिगरेट और तंबाकू उत्पादों पर 28 फीसदी जीएसटी के अलावा कंपनसेशन सेस और अन्य चार्ज लगते हैं, जिससे कुल टैक्स 53 फीसदी हो जाता है। सरकार इसे बढ़ाकर 40 फीसदी करने और उस पर अलग से एक्साइज ड्यूटी लगाने पर विचार कर रही है। सरकार का मकसद यह तय करना है कि कंपनसेशन सेस खत्म होने के बाद भी इन उत्पादों से टैक्स रेवेन्यू में कमी न आए। कंपनसेशन सेस 31 मार्च 2026 तक लागू रहेगा। सरकार इस सेस की जगह किसी दूसरे सेस को लागू करने के पक्ष में नहीं है। एक अधिकारी के मुताबिक सेस को कारगर नहीं माना जाता है। सिगरेट और तंबाकू उत्पादों को 'सिन गुड्स' माना जाता है यानी ऐसे उत्पाद जो सेहत के लिए हानिकारक हैं। इन पर जीएसटी के अलावा बेसिक एक्साइज ड्यूटी और नेशनल कैलामिटी कंटिंजेंट ड्यूटी भी लगती है। हाल ही में सिगरेट बनाने वाली कंपनियों आईटीसी), वीएसटी इंडस्ट्रीज और गॉडफ्रे फिलिप्स के शेयरों में गिरावट आई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि एक रिपोर्ट में सरकार द्वारा तंबाकू उत्पादों पर जीएसटी बढ़ाने की बात कही गई थी। आईटीसी, फोर स्क्वायर बनाने वाली गॉडफ्रे फिलिप्स और चारमीनार बनाने वाली वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयरों में गुरुवार को भारी गिरावट देखने को मिली। सुबह आईटीसी का शेयर 1.6 फीसदी गिरकर 400 रुपए पर था, जबकि गॉडफ्रे फिलिप्स 3 फीसदी गिरकर 6,364.4 रुपए पर पहुंच गया था और वीएसटी इंडस्ट्रीज के शेयर 3.7 फीसदी गिरकर 288.3 रुपए पर था। डब्ल्यूएचओ ने सिगरेट पर 75 फीसदी टैक्स लगाने की सलाह दी है, लेकिन भारत में अभी यह 53 फीसदी ही है। तंबाकू और तंबाकू उत्पाद सरकार के लिए टैक्स रेवेन्यू का एक बड़ा स्रोत हैं। 2022-23 में इनसे 72,788 करोड़ रुपए का टैक्स रेवेन्यू जुटाया गया था।

ट्रंप नहीं चाहते भारत में टेस्ला अपनी फैक्ट्री लगाए!

- टेस्ला के ग्राहकों पर हो सकता है असर

नई दिल्ली । अमेरिका के नए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के खिलाफ टैरिफ के मुद्दे पर फिर एक बयान दिया है। ट्रंप ने एक टीवी शो में एलन मस्क के साथ साझा किया कि उन्हें लगता है कि भारत में इंपोर्ट ड्यूटी बेहद उच्च है और इससे वहां उनके कारों की बिक्री पर असर पड़ता है। ट्रंप ने कहा, वे (भारत वाले) इसका उदाहरण है, मुझे नहीं पता ये सच है या नहीं लेकिन यहां (भारत में) इंपोर्ट ड्यूटी शायद 100 फीसदी है? इस पर मस्क ने स्वीकार किया। ट्रंप ने और भी कहा कि अब अगर वे भारत में फैक्ट्री लगाते हैं तो ठीक है लेकिन यह हमारे साथ बहुत बड़ी नाइंसाफी होगी। इस बयान से हर भारतीय का मन खट्टा हो गया है। इस बात को लेकर भारत में टेस्ला के ग्राहकों पर भी हो सकता है असर, जिन्होंने उम्मीद रखी थी कि कंपनी भारत में अपनी फैक्ट्री लगाएगी। हालांकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टेस्ला प्रमुख एलन मस्क से मुलाकात की थी और इसके बाद तरह-तरह की बिजनेस डीलों की चर्चाएं तेज हो गई थीं। कई राज्य, महाराष्ट्र समेत, भी अब टेस्ला को अपने यहां बुलाने की कोशिश कर रहे हैं। खबरें हैं कि टेस्ला ने नई दिल्ली अपने शोरूम के लिए लोकेशन भी देख ली है। इस सभी के बीच, भारत के खिलाफ टैरिफ के मुद्दे पर ट्रंप की चूकी गर्मी में हर देश अपने हित के लिए उठाए गए कदमों को समझने की जरूरत है।

भारत और कतर के बीच व्यापार समझौते में सावधानी की जरूरतः जीटीआरआई

नई दिल्ली। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने भारत और कतर के बीच संभावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर ध्यान दिलाते हुए कहा है कि पेट्रोरसायन क्षेत्र में सावधानी बरतने की आवश्यकता है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कतर के अमीर शेख तमीम बिन हम्माद अल-सानी ने जारी संयुक्त बयान के माध्यम से द्विपक्षीय व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) में प्रवेश करने के लिए तैयारी दिखाई है। इसमें उन्होंने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का मकसद रखा है। जीटीआरआई के एक अे धिकारी ने बताया कि भारत को पेट्रोरसायन और ऊर्जा आयात पर शुल्क रियायतों के संरक्षण का ध्यान देना चाहिए ताकि देश के घरेलू उद्योगों को कोई नुकसान ना हो। उन्होंने सावधानी बरतने की सलाह दी और व्यापार समझौते के प्राथद्वकितक शर्तों के मूल्यांकन की मांग की।

मातृभाषाएं संवारती हैं संस्कार और संस्कृति को

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

ललित गर्ग

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है, संख्यात्मक रूप से सबसे ज्यादा लोग हिन्दी जानते हैं, बोलते हैं। संस्कृति के सबसे निकट भी हिन्दी ही है। सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है।

मातृभाषा केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपराओं, जीवनमूल्यों और इतिहास को संजोने का एक सशक्त साधन है। यह समाज, संस्कृति एवं राष्ट्र के लिए पहचान का महत्वपूर्ण साधन होती है। शोध बताते हैं कि बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़कर अधिक अच्छी तरह से समझ विकसित करते हैं, वहीं आमजन के लिये संवाद एवं व्यवहार का प्रभावी माध्यम भी यही है। इससे उनकी बौद्धिक क्षमता और रचनात्मकता में वृद्धि होती है। यूनेस्को ने मातृभाषा के महत्व को समझते हुए मातृभाषा के संरक्षण और बहुभाषी शिक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हर साल 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मनाने की घोषणा 1999 में की और 2000 से इसकी शुरूआत की। इस वर्ष 25वीं वर्षगांठ मनाते हुए इसकी थीम ह्लभाषा का महत्वः अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का रजत जयंती समारोहह्व है, जो 2030 तक अधिक समावेशी और टिकाऊ विश्व के निर्माण के लिए भाषाई विविधता पर प्रगति में तेजी लाने की आवश्यकता को रेखांकित करेगा। भाषाई विविधता को बढ़ावा देने, लुप्तप्राय भाषाओं की रक्षा करने और बहुभाषी शिक्षा को प्रोत्साहित करने के प्रयासों को प्रदर्शित करने पर जोर दे रहा है। तकनीकी विकास और इंटरनेट के सुरक्षित विस्तार के साथ, यह महत्वपूर्ण हो जाता है कि स्थानीय और मातृभाषाओं को डिजिटल माध्यमों में कैसे संरक्षित किया जाए। यह दिवस हमें भाषाओं को डिजिटल रूप में संरक्षित करने और अगली पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए प्रेरित करता है।

यूनेस्को का मानना है कि स्थायी समाज के लिए सांस्कृतिक और भाषाई विविधता बहुत जरूरी है। शांति के लिए अपने जनादेश के तहत यह संस्कृतियों और भाषाओं में अंतर को बनाए रखने के लिए काम करता है जो दूसरों के लिए सहिष्णुता और सम्मान को बढ़ावा देते हैं। बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक समाज अपनी भाषाओं के माध्यम से अस्तित्व में रहते हैं जो पारंपरिक ज्ञान और संस्कृतियों को स्थायी तरीके से प्रसारित और संरक्षित करते हैं। भाषाई विविधता लगातार खतरे में पड़ती जा रही है क्योंकि अधिकाधिक भाषाएं लुप्त होती जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर 40 प्रतिशत आबादी को उस भाषा में शिक्षा प्राप्त करने की सुविधा नहीं है जिसे वे बोलते या समझते हैं। फिर भी, बहुभाषी शिक्षा में प्रगति हो रही है, इसके महत्व की समझ बढ़ रही है, खासकर प्रारंभिक स्कूली शिक्षा में, और सार्वजनिक जीवन में इसके विकास के लिए अधिक प्रतिबद्धता है।

मातृभाषा जीवन का आधार है, यह एक ऐसी भाषा होती है

जिसे सीखने के लिए उसे किसी कक्षा की जरूरत नहीं पड़ती। जन्म लेने के बाद मानव जो प्रथम भाषा सीखता है उसे उसकी मातृभाषा कहते हैं, वही व्यक्ति की सामाजिक एवं भाषाई पहचान होती है। लेकिन मानव समाज में कई दफा हमें मानवाधिकारों के हनन के साथ-साथ मातृभाषा के उपयोग को गलत भी बताया जाता रहा है। ऐसी ही स्थिति पैदा हुई थी 21 फरवरी 1952 को बांग्लादेश में जब 1947 में भारत के विभाजन के बाद पाकिस्तान ने पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में उर्दू को राष्ट्रीय भाषा घोषित कर दिया था। लेकिन इस क्षेत्र में बांग्ला और बंगाली बोलने वालों की अधिकता ज्यादा थी और 1952 में जब अन्य भाषाओं को पूर्वी पाकिस्तान में अमान्य घोषित किया गया तो ढ़ाका विश्वविद्यालय के छात्रों ने आंदोलन छेड़ दिया। आंदोलन को रोकने के लिए पुलिस ने छात्रों और प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी जिसमें कई छात्रों की मौत हो गई। अपनी मातृभाषा के हक में लड़ते हुए मारे गए शहीदों की ही याद में मातृभाषा दिवस मनाया जाता है।

विश्व में विगत 40 वर्षों में लगभग डेढ़ सौ से अधिक अध्ययनों के निष्कर्ष हैं कि मातृभाषा में ही शिक्षा होनी चाहिए, क्योंकि बालक को माता के गर्भ से ही मातृभाषा के संस्कार प्राप्त होते हैं। भारतीय वैज्ञानिक सी.वी.श्रीनाथ शास्त्री के अनुभव के अनुसार अंग्रेजी माध्यम से इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करने वाले की तुलना में भारतीय भाषाओं के माध्यम से पढ़े छात्र, अधिक वैज्ञानिक अनुसंधान करते हैं। भारत में मातृभाषाओं को प्रोत्साहन देने के लिये नरेन्द्र मोदी सरकार प्रयासरत है। उन्होंने उच्च शिक्षा के स्तर पर भी बहुभाषिकता को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में स्वीकार किया है। हमारे देश में मातृभाषाओं के प्रति अनेक प्रकार के भ्रम फैले हैं, जिनमें एक भ्रम है कि अंग्रेजी विकास और ज्ञान की भाषा है। जबकि इस बात से यूनेस्को सहित अनेक संस्थानों के अनुसंधान यह सिद्ध कर चुके हैं कि अपनी भाषा में शिक्षा से ही बच्चे का सही एवं सर्वांगीण मायने में विकास हो पाता है। इस दृष्टि से मातृभाषा में शिक्षा पूर्ण रूप से वैज्ञानिक है। इसी मत को भारत के राष्ट्रीय मस्तिष्क अनुसंधान केंद्र तथा शिक्षा संबंधित सभी आयोगों आदि ने भी माना है।

मातृभाषा को प्रोत्साहन देकर ही भारत सुपर पावर बनने के अपने सपने को साकार कर सकता है। इस महान उद्देश्य को पाने की दिशा में विज्ञान, तकनीक और अकादमिक क्षेत्रों में नवाचार और अनुसंधान करने के अभियान को तीव्रता प्रदान करने के साथ मातृभाषा में शिक्षण को प्राथमिकता देना होगा। मातृभाषा सम्पूर्ण देश में सांस्कृतिक और भावात्मक एकता स्थापित करने का प्रमुख साधन है। भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में भी हिन्दी ने देश को एकजुट करने में सशक्त भूमिका का निर्वहन किया। भारत का परिपक्व लोकतंत्र, प्राचीन सभ्यता, समृद्ध संस्कृति तथा अनूठा संविधान विश्व भर में एक उच्च स्थान रखता है, उसी तरह भारत की गरिमा एवं गौरव की प्रतीक मातृ भाषाओं को हर कीमत पर विकसित करना हमारी प्राथमिकता होनी ही चाहिए। 85 संस्थाओं और विश्वविद्यालयों के तीन हजार विशेषज्ञों के पीपुल्स लिंग्युस्टिक सर्वे आफ इंडिया (पीएलएसआई) के अध्ययन के अनुसार पिछले 50 वर्षों के दौरान 780 विभिन्न बोलियों वाले देश की 250 भाषाएँ लुप्त हो चुकी हैं। इनमें से 22 अधिसूचित भाषाएं हैं।

जनसंख्या के आंकड़ों के अनुसार 10 हजार से अधिक लोगों द्वारा बोली जाने वाली 122 भाषाएं हैं। बाकी 10 हजार से कम लोगों द्वारा बोली जाती है। आयरिश भाषाई विद्वान जार्ज अब्राहम ग्रियर्सन के बाद पहली बार 1898-1928 के बीच भाषाई सर्वे किया गया है। आजाद भारत में पहली बार किए गए इस पहले सर्वे में चार वर्ष लगे। इस रिपोर्ट के अनुसार भाषाई विविधता की दृष्टि से भारत में अरुणाचल प्रदेश सबसे समृद्ध राज्य है, वहाँ 90 से अधिक भाषाएँ बोली जाती है। इसके बाद महाराष्ट्र और गुजरात का स्थान है, जहाँ 50 से अधिक भाषाएँ बोली जाती है। 47 भाषाओं के साथ ओडिशा चौथे स्थान पर है। इसके विपरीत गोवा में सिर्फ तीन भाषाएं बोली जाती हैं तो दादर और नगर हवेली में एक भाषा ह्लगोरपाह्व है, जिसका अब तक कोई रिकार्ड नहीं है। करीब 400 से अधिक भाषाएं आदिवासी और घुमंतू व गैर-अधिसूचित जनजातियाँ बोलती हैं।

हिन्दी हमारी मातृभाषा के साथ-साथ राजभाषा होने के बावजूद उसको उचित सम्मान न मिलना अनेक प्रश्नों को खड़ा करता है, संख्यात्मक रूप से सबसे ज्यादा लोग हिन्दी जानते हैं, बोलते हैं। संस्कृति के सबसे निकट भी हिन्दी ही है। सर्वाधिक वैज्ञानिक भाषा भी हिन्दी ही है। गूगल के अनुसार हिन्दी दुनिया की ऐसी भाषा है जिसमें सर्वाधिक कंटेंट (पाठ्य सामग्री) का निर्माण होता है। सर आइजेक पिटमैन ने कहा है कि संसार में यदि कोई सर्वांग पूर्ण लिपि है तो वह देवनागरी है। हिन्दी सभी भाषाओं की बड़ी बहन है इसका यह अर्थ नहीं है कि हम दूसरी भाषाओं को लघुतर मानें। संस्कृत मातृभाषा है और सभी भ्रातृभाषाएं हैं। महात्मा गाँधी ने कहा था, ह्लविदेशी माध्यम ने बच्चों की तंत्रिकाओं पर भार डाला है, उन्हें रट्टू बनाया है, वह सृजन के लायक नहीं रहे। विदेशी भाषा ने देशी भाषाओं के विकास को बाधित किया है।ह्व इसी संदर्भ में भारत के पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक डॉ. अब्दुल कलाम के शब्दों का यहां उल्लेख आवश्यक हो जाता है कि ह्लमैं अच्छा वैज्ञानिक इसलिए बना, क्योंकि मैंने गणित और विज्ञान की शिक्षा मातृभाषा में प्राप्त की।ह्वह्व निश्चित ही सशक्त भारत-विकसित भारत निर्माण एवं प्रभावी शिक्षा के लिए मातृभाषा में शिक्षा की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

अश्लीलता पर 'सुप्रीम' लताड़

सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूब रणवीर इलाहाबादिया को कड़ी फटकार लगाई है। समय रैना के शो 'इंड़ियाज गॉट लैटेंट' पर की गई रणवीर की अभद्र टिप्पणी से नाराज शीर्ष अदालत ने लताड़.लगाते हुए कुछ सवाल भी किए। अदालत ने कहा कि इलाहाबादिया के दिमाग में गंदगी थी, जिसे यूट्यूब शो पर उगल दिया गया। रणवीर द्वारा इस्तेमाल शब्दों ने बहन-बेटियों, माता-पिता, यहां तक कि समाज को भी शर्मिंदगी महसूस कराई। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर समाज के मानदंड़ों के खिलाफ कुछ भी बोलने की छूट नहीं है। अदालत ने यूट्यूब को पासपोर्ट थाने में जमा कराना होगा, वह बगैर इजाजत देश से बाहर नहीं जा सकेगा। उसे अपने खिलाफ दर्ज शिकायतों में पुलिस जांच का सहयोग भी करना होगा। उसका शो भी अगले आदेश तक ऑन-एअर नहीं होगा। अदालत ने कहा कि समाज के स्व-विकसित मूल्य हैं, उनका सम्मान करने की जरूरत है। यूट्यूब और पॉड़कास्टर रणवीर ने परिवार, महिलाओं और मांओं के खिलाफ मसखरी के नाम पर अश्लील टिप्पणियां कीं और अभद्र भाषा का प्रयोग किया जिसके खिलाफ देश भर में नाराजगी देखी गई। लोगों ने सोशल मीड़िया पर इस टिप्पणी को स्त्री-विरोधी और समाज के लिए अहितकर माना। अदालत ने सरकार से भी सवाल किया कि वह कुछ करे, अगर वह अश्लील कंटेंट पर कुछ करना चाहती है तो हमें खुशी होगी। अश्लीलता और फूहड़ता के कोई मापदंड़ नहीं होते परंतु समाज में भाषा और बर्ताव को लेकर शालीनता बरतनी होती है। लोकप्रिय होने का अर्थ यह नहीं हो सकता कि अपने दिमाग की गंदगी सार्वजनिक रूप से उगलने का अधिकार मिल गया। सस्ता प्रचार पाने के लिए अपमानजनक भाषा का प्रयोग करने का अधिकार समाज में किसी को नहीं प्राप्त है। वास्तव में मजाक-मसखरी अपने समाज का अहम अंग हैं परंतु इसका मतलब यह नहीं हो सकता कि कमर के नीचे प्रहार किए जाएं। सबस्क्राइबर तथा व्यूज बढ़ाने के लोभ में अक्सर यू-ट्यूबर फूहड़ता और अश्लीलता का सहारा लेते नजर आते हैं। समय रहते यदि इस तरीके पर सख्त लगाम न लगाई गई तो मसखरी-मखौल की आड़.में गाली-गलौच करने या अश्लीलता परोसने वालों को यकीनन प्रश्रय मिलता रहेगा। कलात्मकता और बोलने की स्वतंत्रता के बावजूद श्लीलता-अश्लीलता के दरम्यान की अति संवेदनशील बारीक रेखा का अहसास करना होगा। और यह स्वनियमन से हो तो और भी बेहतर।

चिंतन-मनन

ईश्वर से प्रेम करना है वास्तविक प्रेम

बहुत से ऐसे लोग मिलेंगे जो कहेंगे कि उन्हें किसी से प्यार हो गया है। अपने प्रेम को पाने के लिए वह दुनिया छोड़ने की बात करेंगे। लेकिन वास्तव में प्रेम को पाने के लिए दुनिया छोड़ने जरूरत ही नहीं है। प्रेम तो दुनिया में रहकर ही किया जाता है। जो दुनिया छोड़ने की बात करते हैं वह तो प्रेमी हो ही नहीं सकते है। दुनिया छोड़ने की बात करने वाले लोग वास्तव में रूप के आकर्षण में बंधे हुए लोग होते हैं। वह प्रेम के वास्तविक स्वरूप से अनजान होते हैं। ऐसी स्थिति कभी रामचरित मानस के रचयिता तुलसीदास जी की भी थी, लेकिन जब उन्हें प्रेम का सही बोध हुआ तब वह परम पद को पाने में सफल हुए।

तुलसीदास जी के युवावस्था के समय की बात है इनका विवाह एक अति रूपवती कन्या से हुआ जिसका नाम रत्नावली था। रत्नवती के रूप में तुलसीदास ऐसे खो गये कि उनके बिना एक क्षण जीना उनके लिए कठिन प्रतीत होने लगा। एक बार रत्नावली अपने मायके चली आयी तो तुलसीदास बचैन हो गये। आधी रात को आंधी तूफान की परवाह किये बिना रत्नावती से मिलने चल पड़े। नदी उफन रही थी जिसे पार करने के लिए वह एक आश्रय का सहारा लेकर तैरने लगे।

रत्नावली के ख्यालों में तुलसीदास जी ऐसे खोये हुए थे कि उन्हें यह पता भी नहीं चला कि वह जिस चीज का आश्रय लेकर नदी पार कर रहे हैं वह किसी व्यक्ति का शव है। रत्नावली के कमरे में प्रवेश के लिए तुलसीदास जी ने एक सांप का पूंछ रस्सी समझकर पकड़ लिया जो उस समय रत्नावली के कमरे की दीवार पर चढ़ रहा था।

रत्नावली ने जब तुलसीदास को अपने कमरे में इस प्रकार आते देखा तो बहुत हैरान हुई और तुलसीदास जी से कहा कि हाड़-मांस के इस शरीर से जैसा प्रेम है वैसा प्रेम अगर प्रभु से होता तो जीवन का उद्देश्य सफल हो जाता है। तुलसीदास को पत्नी की बात सुनकर बड़ी ग्लानि हुई और एक क्षण रूके बिना वापस लैट आए। तुलसीदास का मोह भंग हो चुका था। इस समय उनके मन में भगवान का वास हो चुका था और अब वह सब कुछ साफ-साफ देख रहे थे। नदी तट पर उन्हें वही शव मिला जिसे उन्होंने नदी पार करने के लिए लकड़ी समझकर पकड़ लिया था।

चीन- रूस और भारतीय अवैध प्रवासियों के साथ अमेरिका का भेदभाव

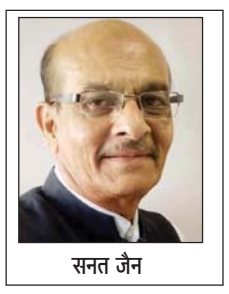

सनत जैन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के अवैध प्रवासियों की तीन खेप को सेना के विमान में भारत भेज दिया है। 300 से अधिक भारतीय अवैध प्रवासी भारत वापस लौट चुके हैं। खास यह है कि इन सभी को हथकड़ियों और वेड़ियो में जकड़ कर भेजा गया है। सेना के लड़ाकू विमान जिसमें बैठने के लिए सीट नहीं होती हैं, खाने-पीने की कोई व्यवस्था नहीं होती है। एक इमरजेंसी टॉयलेट भरा होता है। उसमें अमेरिका से अवैध प्रवासियों को भारत भेजा जा रहा है। अमेरिका में चीन और रूस के तीन लाख से अधिक अवैध प्रवासी रह रहे हैं। चीन और रूस के अवैध प्रवासियों को भेजने की कोई प्रक्रिया अमेरिका द्वारा शुरू नहीं की गई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का इरादा पूरी तरह से अब जग जाहिर हो गया है। वह भारत और भारत के अवैध प्रवासियों के साथ अपनी खुन्नस निकाल रहे हैं। व्हाइट हाउस द्वारा अवैध प्रवासियों को जिस तरह से भारत भेजा गया, उसका वीडियो बनाया गया। वेड़ियो और हथकड़ियों में जकड़े महिला, पुरुषों और बच्चों को भेजने का यह वीडियो 5 करोड़ से ज्यादा लोग दुनिया में देख चुके हैं। डोनाल्ड ट्रंप उनके सलाहकार एलन मस्क वीडियो में अटहास करते हुए नजर आ रहे हैं। जो इस बात का प्रमाण है कि अमेरिका जानबूझकर भारत के अवैध प्रवासियों के साथ गुलाम और अपराधियों जैसा व्यवहार कर रहा है। भारत की जो विश्व गुरु वाली छवि सारी दुनिया के देशों में बनी हुई थी उस छवि को सुनयोजित रूप से नष्ट किया जा रहा है। अमेरिकी गृह मंत्रालय के अनुसार चीन के 260000 रूस के 30000 से ज्यादा अवैध प्रवासी अमेरिका में रह रहे हैं। इसके अलावा अन्य देशों के भी लाखों अवैध प्रवासी अमेरिका में रह रहे हैं, लेकिन भारत के अवैध प्रवासियों को अमेरिका से जिस तरह से वापस भेजा जा रहा है उससे यह बात स्पष्ट हो गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत के साथ दुश्मनी वाला व्यवहार कर रहे हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद की शपथ लेने के पहले चीन और अन्य देशों के ऊपर टैरिफ बढ़ाने की धमकी दी थी, लेकिन एक महीना होने को आ गया चीन और अन्य देशों के साथ उन्होंने जो धमकी दी गई थी उसके अनुसार कोई कार्रवाई नहीं की। सारी गाज भारत के ऊपर गिरती हुई दिख रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले दिनों तंज कसा है, भारत के पास खूब पैसा है। भारत अमेरिका से सबसे ज्यादा टैरिफ वसूल करने वाला देश है। यह कहते हुए उन्होंने जो भारत को सहायता दी जा रही है उसे भी बंद करने का आदेश दिया है। अमेरिका की धमकी के आगे भारत ने बहुत सारी चीजों में आयात शुल्क घटा दिया है। अमेरिका के दौर में जब भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गए थे, उस समय अमेरिका के हितों को ध्यान में रखते हुए बहुत से ऐसे समझौते किए हैं जो भारत के लिए नुकसानदेह हैं। यह माना जा रहा था कि अवैध प्रवासियों को लेकर वह सकारात्मक रुख अपनाएंगे। भारतीय कारोबारी गौतम अडानी को लेकर अमेरिका का सकारात्मक रुख होगा, लेकिन 18 फरवरी को अमेरिका न्याय विभाग ने जो पत्र भारत सरकार को भेजा है उसके बाद यह आशा भी खत्म हो गई। इससे ऐसा लगता है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके सलाहकार एलन मस्क जानबूझकर भारत सरकार को ब्लैकमेल कर रहे हैं। वह अपनी व्यक्तिगत खुन्नस निकाल रहे हैं। भारत सरकार अमेरिका से इतना क्यों डर रही है, इसको लेकर अब दुनियाभर में चर्चा होने लगी है। छोटे से छोटे देशों ने अमेरिका के ऊपर जवाबी हमले किए, उसके बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मौन साधना पड़ा। भारत सरकार की चुप्पी सभी को आश्चर्य चकित कर रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में साक्षी न्यूज को जो इंटरव्यू दिया है उसमें उन्होंने यह बताया है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब उनसे मिले थे तब उन्होंने प्रतिस्पर्धी टैरिफ लगाने की बात उन्हें बता दी थी। अवैध प्रवासी भारतीयों को लेकर भी उनसे चर्चा हो चुकी है। इससे यह स्पष्ट है, भारत सरकार कुछ ना कुछ तो छुपा रही है। बहरहाल दुनिया के देशों में भारत की जो छवि बनी हुई थी वह बड़ी तेजी के साथ खत्म हो रही है। अब तो लोग यह भी कहने लगे हैं अमेरिका की सरकार भारत के साथ गुलामो सरीका व्यवहार कर रही है। पिछले 1 महीने में अमेरिका की सरकार ने भारत के साथ जिस तरह का व्यवहार किया है वह किसी को रास नहीं आ रहा है। लोग अब 1971 के युद्ध से तुलना करने लगे हैं। उस समय भारत आर्थिक रूप से स्मृद्ध नहीं था। उस समय भी अमेरिका अपनी दादागिरी भारत के साथ नहीं कर पाया था। 2025 में जब हम आर्थिक एवं सामरिक रूप से हजारों गुना ज्यादा सर्मृद्ध हैं, तब भारत के साथ अमेरिका इस तरह की दादागिरी कर रहा है। इसमें सबसे ज्यादा नुकसान भारत के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निजी रूप से होता हुआ दिख रहा है।

सौर ऊर्जा : कीट-पतंगों का माकूल जवाब

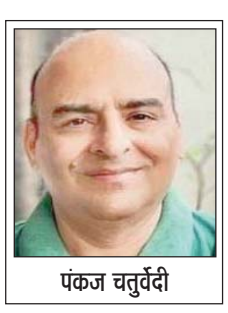

पंकज चतुर्वेदी

मध्य प्रदेश के बालाघाट जिले में धान की पैदावार अच्छी होती है। यहां किसान धान में लगने वाले कीड़ों से परेशान थे। यदि कीटनाशक लो तो खुद की तबीयत खराब होती और उत्पाद की लागत बढ़ती, सो अलग। जिले के ग्राम कटंगझरी के किसान कृषि विभाग से मिले सौर ऊर्जा आधारित सोलर लाइट ट्रैप लगाया। अब बगैर रसायन उनकी फसल निरापद हैं। किसी भी खेत में कीट-पतंगे नैसर्गिक उपस्थिति होते हैं, और इनमें से कई एक तो खेती और धरती के लिए अनिवार्य भी हैं। फसल को हानिकारक कीट से बचाने के लिए छिड़की जा रही रासायनिक दवाएं न केवल फसल की पोषण शक्ति की दुश्मन हैं, बल्कि प्रकृति-मित्र कीट-पतंगों को भी नष्ट कर देती हैं।

अब खेतों में सूरज की चमक से चलने वाले प्रकाश-उत्पादक बल्ब बगैर नुकसान मामूली व्यय में हानिकारक कीटों का नाश कर देते हैं। मौसमी बदलाव और बढ़ते तापमान ने फसल चक्र के दौरान फसलों पर अलग-अलग कीटों के प्रकोप में भी बढ़ोतरी कर दी है। किसान के पास अभी तक एक ही उपाय रहा है, जितना कीट बढ़े, उतना कीटनाशक छिड़क दो। हर साल सैकड़ों किसान बेतहाशा जहरीली दवाओं के इस्तेमाल के चलते मौत या दमेझ्रकैंसर जैसी बीमारियों के शिकार होते हैं। देश में हर साल कोई दस हजार करोड़ रुपये के कृषि-उत्पाद खेत या भंडार-गृहों में कीट-कीड़ों के कारण नष्ट हो जाते हैं। इस बबादी से बचने के लिए कीटनाशकों का इस्तेमाल बढ़ा है। जहां 1950 में इनकी खपत 2000 टन थी, तो आज 90 हजार टन जहरीली दवाएं पर्यावरण में घुल-मिल रही हैं। इसका एक तिहाई हिस्सा सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों के अंतर्गत छिड़का जा रहा है। 1960-61 में 6.4 लाख हेक्टेयर खेत में कीटनाशकों का छिड़काव होता था। 1988-89 में यह रकबा बढ़ कर 80 लाख हो गया और आज इसके डेढ़ करोड़ हेक्टेयर होने का आकलन है। कीटनाशक पानी, मिट्टी, हवा, जन-स्वास्थ्य और जैव विविधता को प्रभावित कर रहे हैं। इनके अंधाधुंध इस्तेमाल से पारिस्थितिकी संतुलन बिगड़ रहा है। कई कीटनाशियों की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ गई है, और वे दवाओं को हजम कर रहे हैं। इसका असर खाद्य ङ्मृंखला पर पड़ रहा है, और उनमें दवाओं और रसायनों की मात्रा खतरनाक स्तर पर आ गई है। एक बात और, इनका 10-15 फीसद ही असरकारक होता है, बकाया जहर मिट्टी, भूगर्भ जल, नदी-नालों का हिस्सा बन जाता है।

कीट नियंत्रण के लिए सोलर लाइट ट्रैप तकनीक का इस्तेमाल चमत्कारिक है, कम लागत का है, और इसके कोई नुकसान भी नहीं हैं। सोलर लाइट ट्रैप खेत में एक स्थान पर रखा जाता है। सौर ऊर्जा संचालित कीट जाल पूरी तरह से स्वचालित, किफायती और पर्यावरण-अनुकूल उपकरण है। इसमें अल्ट्रा वायलेट लाइट लगी है। सूर्य के प्रकाश में सोलर पैनल द्वारा ऊर्जा एकत्रित होती है, और अंधेरा होने पर सेंसर के कारण यंत्र में लाइट चालू हो जाती है, जो कीटों को आकर्षित करती है। ट्रैप में कीटों के आने के बाद कीट नीचे लगी जाली में फंस जाते हैं। इस प्रकार किसानों को तना छेदक तितली और अन्य कीटों से फसल बचाने में मदद मिलती है। इस अत्याधुनिक उपकरण की पकड़ में उड़ने वाले निम्फ और वयस्क कीड़ों जैसे पत्ती फोल्डर, तना छेदक कीट, फल छेदक कीट, हॉपर, फल घुन, बीटल आदि अधिक आते हैं।

इस उपकरण में स्वचालित सौर लाइट ट्रैप में 10 वॉट का सोलर लाइट पैनल है, जो उसके अंदर बैटरी को चार्ज करता है, और रात के लिए बैकअप बनाता है। इसकी खासियत है कि यह मशीन केवल शत्रु कीटों को निशाना बनाती है। ऐसे कीट शाम ६ बजे से रात 10 बजे के बीच अधिक सक्रिय होते हैं। सौर ऊर्जा से संचालित इसकी लाइट अंधेरा होते ही खुद ब खुद शुरू हो जाती है, और सुबह उजाला हुआ कि बंद। खेत में हरेक पौधे की लंबाई अलग-अलग होती है, जैसे लता वाले पौधे फैलते हैं, जबकि फलदार पौधे लंबे होते हैं। इस मामले में उपकरण को इस तरह ऊंचाई पर लगाया जाता है कि औसत ऊंचाई पर बैठे कीट इसकी तरफ आकर्षित हो जाएं। उपकरण की कीमत बहुत कम है-2500 से दस हजार रुपये तक। और ये सालों चलते हैं। मरे कीटों को जमीन में दबा कर खाद भी तैयार की जा सकती है। रात में खेतों में सांप जैसे सरीसृप या चूहों से बचाने में भी यह उपकरण काम का है। इस साधारण सी तकनीक के गांव तक पहुंचने के रास्ते में एक ही व्यवधान है- ताकतवर अंतरराष्ट्रीय कीटनाशक लॉबी, जिसका अरबों का उत्पाद बगैर खर्च यह उपकरण एक झटके में बिकने से रोक सकता है। एकीकृत कीट प्रबंधन और पर्यावरण मित्र यह उपकरण ब्लॉक या जिले के कृषि विभाग या कृषि विज्ञान केंद्र से प्राप्त किया जा सकता है। अलबत्ता, अभी इनका व्यापक स्तर पर प्रचार कम है।

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवारे मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

अलीजेह के बाद भांजे अयान अग्निहोत्री को प्रमोट करेंगे सलमान खान

भांजी अलीजेह को उनकी पहली फिल्म 'फर्रे' के लिए प्रमोट करने के बाद सलमान खान अब अपने भांजे अयान अग्निहोत्री के लिए आगे आए हैं। गायक, संगीतकार और रैपर के रूप में 'यूनिवर्सल लॉज' के साथ शुरुआत के लिए तैयार अयान के ट्रैक को सलमान दुबई में लॉन्च करेंगे। 'अग्नि' के नाम से मशहूर अयान 20 फरवरी को अपने ट्रैक 'यूनिवर्सल लॉज' के साथ एक गायक, संगीतकार और रैपर के रूप में शुरुआत करने के लिए तैयार हैं। ट्रैक को एक भव्य कार्यक्रम में लॉन्च किया जाएगा, जिसमें सलमान अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ समारोह में शामिल होंगे।

एक सूत्र ने बताया कि कार्यक्रम में अरबाज खान, सोहेल खान, अलवीरा खान अग्निहोत्री, अर्पिता खान शर्मा, बॉबी देओल, सोनाक्षी सिन्हा समेत अन्य कई सितारे शामिल होंगे। उन्होंने बताया, 'यूनिवर्सल लॉज' सिर्फ एक गाना नहीं है – यह एक बहुमुखी कलाकार के रूप में अग्नि का शानदार बयान है। एक गायक, रैपर, गीतकार और संगीतकार के रूप में उन्होंने इस ट्रैक में अपने दिल के साथ आत्मा को भी डाल दिया है। गाने के जरिए मजबूत कहानी को एनर्जी से भरे बीट्स के साथ जोड़ा गया है। 'यूनिवर्सल लॉज' के निर्माता आदित्य देव हैं। दुबई में अपने स्टार-स्टडेड लॉन्च के बाद 'यूनिवर्सल लॉज' अग्नि के आधिकारिक यूट्यूब चैनल और सभी प्रमुख स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर दुनिया भर में उपलब्ध होगा। अयान अलवीरा (सलमान की बहन) और अतुल अग्निहोत्री के बेटे हैं। अयान इससे पहले अपने मामा सलमान के साथ विशाल मिश्रा के ट्रैक 'यू आर माइन' में काम कर चुके हैं।

एक पुराने इंटरव्यू में अयान ने कहा था, मामू और विशाल मिश्रा (संगीतकार) कुछ समय से गाने पर काम कर रहे थे। उन्होंने एक संगीत वीडियो भी शूट किया था और अंतिम आउटपुट को बाउंस करके रिलीज करने के बहुत करीब थे। लेकिन मामू को लगा कि ट्रैक में कुछ और जोड़ा जा सकता है। उन्होंने आगे बताया कि सलमान ने अलवीरा को फोन करके पूछा था कि क्या अयान गाने के एक सेक्शन के लिए रैप कर सकते हैं। उन्होंने बताया, मैंने उनसे कहा कि मैं यह करना पसंद करूंगा। इसलिए, मैंने 8-बार सेक्शन पर रैप के दो वर्जन लिखे। मामू ने इसे सुना और पसंद किया और मुझे विशाल से मिलने के लिए कहा। मैंने 20 मिनट में दोनों वर्जन लिखे थे।

शादी में बब्बर परिवार के शामिल न होने पर प्रिया बनर्जी ने तोड़ी चुप्पी

प्रतीक बब्बर और प्रिया बनर्जी ने 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे पर शादी रचाई। प्रतीक राज बब्बर और दिवंगत अभिनेत्री स्मिता पाटिल के बेटे हैं। प्रतीक ने अपनी दिवंगत मां स्मिता के मुंबई स्थित घर में ही शादी रचाई। लेकिन, इस शादी में उनके पिता राज बब्बर शामिल नहीं हुए। न ही बब्बर परिवार का कोई और सदस्य दिखाई दिया। इस पर प्रतीक की दुल्हन प्रिया बनर्जी ने प्रतिक्रिया दी है।

सभी महत्वपूर्ण लोग मौजूद थे

प्रतीक बब्बर और प्रिया बनर्जी की शादी में न तो राज बब्बर नजर आए और न ही उनके सौतेले भाई-बहन जूही और आर्य बब्बर दिखे। इतने अहम दिन पर बब्बर परिवार की अनुपस्थिति के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद बब्बर परिवार के साथ प्रतीक के रिश्तों में कुछ दूरियां आ गई हैं। या कोई नाराजगी है। इन अफवाहों पर बात करते हुए प्रिया बनर्जी ने कहा, हमारे लिए जो मायने रखते हैं वो सभी लोग शादी में मौजूद थे।

क्या राज बब्बर को परिवार का सदस्य नहीं मानतीं प्रिया?

शादी के फंक्शन में बब्बर परिवार के शामिल न होने को लेकर प्रिया बनर्जी ने हिंदुस्तान टाइम्स को दिए एक इंटरव्यू में कहा कि परिवार का कोई भी सदस्य गायब नहीं था। उन्होंने कहा, पता नहीं ऐसी अफवाह क्यों हैं? वहां हमारे लिए महत्वपूर्ण और परिवार के सभी लोग मौजूद थे। मेरे माता-पिता, प्रतीक की मौसियां, नाना-नानी, जिन्होंने प्रतीक की परवरिश की। सभी लोग शामिल थे। वे सभी लोग मौजूद थे, जिन्हें परिवार माना जाता है। प्रिया की इस टिप्पणी के बाद यह सवाल किया जा रहा है कि क्या प्रिया राज बब्बर को परिवार का हिस्सा नहीं मानती हैं।

यह घर उनकी तरफ से तोहफा है

प्रिया बनर्जी ने अपनी शादी के दिन का जिक्र करते हुए कहा कि शादी बिल्कुल वैसी ही हुई, जैसा उन्होंने और प्रतीक बब्बर ने सोचा था। उन्होंने इसे एक स्पेशल अवसर बताया। उन्होंने कहा कि उस खास घड़ी में परिवार के सभी लोग एक ही छत के नीचे मौजूद रहे। प्रिया ने बताया कि प्रतीक की मां यानी अभिनेत्री स्मिता पाटिल ने वह घर काफी अरमानों से खरीदा था कि उसमें रहकर प्रतीक का पालन-पोषण करेंगी, लेकिन हालात ने इसकी इजाजत नहीं दी। प्रिया ने कहा, हमें यकीन है कि यह घर उनकी ओर से एक तोहफा है, वे चाहती थीं कि हमारा सफर यहीं से शुरू हो।

सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर रश्मि देसाई ने किए कई खुलासे

टीवी की तपस्या से पहचान पाने वाली अभिनेत्री रश्मि देसाई ने भारती सिंह के पॉडकास्ट में अपने करियर और सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर बहुत सी बातें की हैं। उन्होंने कहा कि रश्मि और सिद्धार्थ ने करीब 9 महीने तक एक दूसरे से बात तक नहीं की थी।

रश्मि देसाई ने सिद्धार्थ शुक्ला को लेकर बात की। भारती सिंह के पॉडकास्ट में रश्मि ने कहा कि हमारी अलग तरह की चीजें लोगों ने देखी बिग बॉस में। वो भी अच्छा था, मैं भी लोगों की मदद करती थी लेकिन जो कड़वाहट हमारे बीच आ गई थी, उस कारण ही ये सब हुआ। रश्मि देसाई ने कहा कि दिल से दिल तक हमारे बीच बात ही नहीं होती थी। हमारे काम के बीच ये तकरार कभी नहीं आई। वो जितना अच्छा इंसान था, दिल का भी उतना ही अच्छा था। साल 2018 में मेरा समय ठीक नहीं था, मैंने कई सारी चीजें इस दौरान सीखीं। रश्मि ने कहा कि हमनें काम के दौरान करीब 9 महीने तक बात की है।

काम को लेकर बोलीं रश्मि देसाई

रश्मि देसाई ने कहा कि मुझे अच्छा काम करना है। मैं ऐसा काम करना चाहती हूं, जिससे मुझे चैलेंज मिले। रश्मि देसाई ने कहा कि मैं घूमना चाहती हूं। मैं रोड ट्रिप करना चाहती हूं।

रश्मि ने कहा कि मुझे ब्रांड्स का कुछ खास शौक नहीं है लेकिन फिर भी मैं कुछ खर्च करना चाहती हूं। इन सबके बीच खुद को समय देना चाहूंगी।

बिग बॉस को लेकर कही ये बात

बिग बॉस 13 को लेकर भी रश्मि देसाई ने बात की। उन्होंने कहा कि ये शो मैंने सिर्फ पैसों के लिए किया था। मुझे उन दिनों पैसों की बहुत जरूरत थी। रश्मि ने कहा वो पांच महीने हमारे लिए ऐसे थे, जिसे हम आज तक नहीं भुला पाए हैं। रश्मि देसाई ने कहा कि बिग बॉस के दौरान वे जीवन में भी बहुत कठिन परिस्थिति से गुजर रही थीं। मुझे लगता है कि बिग बॉस करना मेरे जीवन का सबसे अच्छा निर्णय रहा।

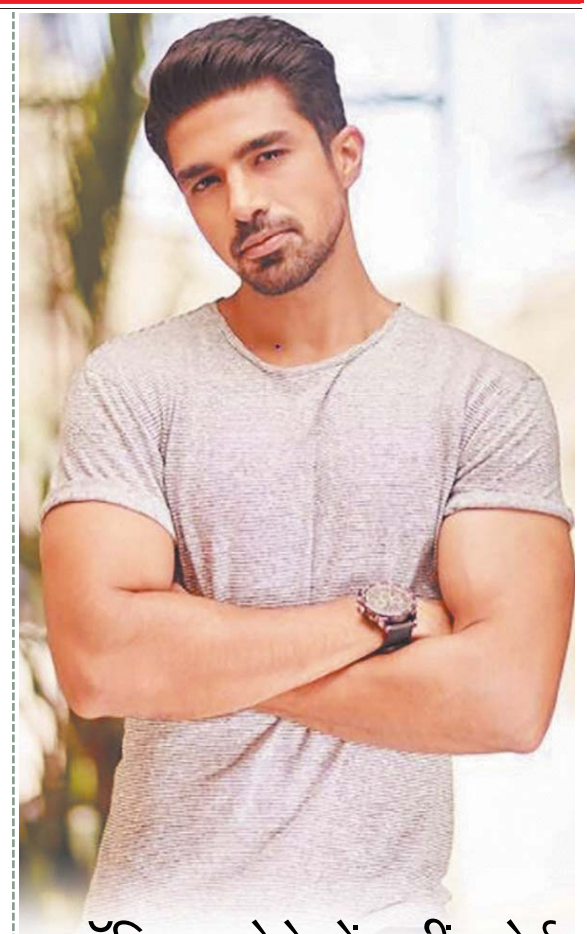

ऑडिशन देने में नहीं कोई शर्म, बिना स्ट्रगल के कुछ नहीं मिलता, काम को लेकर बोले साकिब सलीम

83 और रंगबाज में नजर आ चुके साकिब सलीम इन दिनों क्राइम बीट शो में एक जर्नलिस्ट का किरदार निभा रहे हैं। साकिब सलीम ने अपने करियर और शोज को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि वे अपने करियर के पड़ावों पर ऑडिशन देने से पीछे नहीं हटते हैं।

पत्रकार होना आसान नहीं

इंटरव्यू में साकिब ने पत्रकार की भूमिका को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि वाकई ये बहुत मुश्किल जिंदगी है। यहां दिन-रात और तीन बार के खाने का कोई कॉन्सेप्ट नहीं है। आप हर समय किसी न किसी काम के पीछे भागते रहते हैं। बहुत जल्दी आपको कुछ भी नहीं मिलता है।

बदला लोगों को देखने का नजरिया

अभिनेता ने कहा कि अब अगर कोई मेरे पास स्टोरी मांगने या किसी बातचीत के लिए आता है तो मैं अब उन्हें अलग नजरिए से देखता हूं। पहले मैं ऐसा नहीं था, इस शो का मुझ पर काफी असर हुआ है। वे भी अपना काम ही करते हैं। अब मैं उनसे कहता हूं कि रुकिए मैं क्या बात कर सकता हूं, जिससे आपको स्टोरी मिल सके। ये बदलाव मैंने अपने अंदर महसूस किया है।

ऑडिशन देने में कोई शर्म नहीं

साकिब ने कहा कि वे अभी भी ऑडिशन देते हैं। स्ट्रगल करते हैं और इसमें उन्हें कोई परेशानी नहीं होती है। साकिब ने कहा, आपको हर किरदार के लिए काम करना पड़ता है। मैंने अपने जीवन में 15-16 फिल्में या शो किए होंगे। अगर मैंने ऑडिशन नहीं दिया है, तो हर चीज के लिए भागदौड़ करनी पड़ी है। यह मेरे पास नहीं आया। मुझे कई जगहों पर जाना पड़ा और लोगों को खुद पर विश्वास दिलाना पड़ा।

ऑडिशन की बात आ जाता था गुस्सा

साकिब ने कहा कि उन्हें ऑडिशन किए जाने की बात पर गुस्सा आ जाता था। वे बुरा मान जाते थे, हालांकि, अब उन्हें इस बात का महत्व समझ आ गया है। उन्होंने कहा कि अब मुझे लगता है कि अगर आप एक अच्छे अभिनेता हैं, तो आपको ऑडिशन देने में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। यह आपका काम है। आप घर बैठे बेहतर अभिनेता नहीं बन सकते हैं।

फिल्म मालिक में गैंगस्टर का रोल अदा करने वाले हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव अपनी अगली फिल्म में गैंगस्टर का रोल अदा करने वाले हैं। फिल्म का नाम है मालिक। इस फिल्म का जबसे एलान हुआ है, दर्शकों को इसका बेसब्री से इंतजार है। मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट पर अपडेट शेयर कर दिया है। यह फिल्म जून में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मकेर्स ने फिल्म का नया पोस्टर शेयर कर रिलीज डेट से परदा उठाया है। 15 फरवरी को टिप्स फिल्म्स के इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया गया है। इसमें फिल्म से राजकुमार राव का लुक शेयर किया है। हाथों में गन थामे एक्टर इंटेस लुक में दिख रहे हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, पूरे प्रदेश और देश पर राज करने आ रहे हैं मालिक। इसके साथ बताया गया है कि फिल्म 20 जून 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

आलिया भट्ट के लिए बोले करण जौहर, नहीं सोचा था वो इतनी बड़ी अभिनेत्री बनेंगी

बॉलीवुड फिल्म निर्माता करण जौहर ने आलिया भट्ट को अपनी फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करवाया। करण जौहर ने अब एक इंटरव्यू में आलिया भट्ट और अपनी फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर को लेकर बात की है। उन्होंने कहा कि वे हमेशा से जानते थे कि आलिया भट्ट स्टार बनने वाली हैं, लेकिन इतनी सफल अभिनेत्री बनने वाली हैं, नहीं पता था।

स्टूडेंट ऑफ द ईयर को लेकर कही ये बात

यूट्यूब चैनल गेम चेंजर्स को दिए इंटरव्यू में करण जौहर ने कहा कि वरुण और सिद्धार्थ मेरे असिस्टेंट रह चुके थे माय नेम इज खान में। आलिया को मैं पहली बार लॉन्च करने जा रहा था। मैं उनसे पहली बार मेरे ऑफिस में मिला था, जब वे स्कूल से आईं थीं। जब इन तीनों को मैंने लॉन्च किया तो अपनी टीम से साफ कह दिया था कि इन तीनों के साथ आप बड़े स्टार्स की तरह ही ट्रीट करें। हमनें कभी उन्हें नए सितारों की तरह ट्रीट किया ही नहीं। हमने हमेशा उन्हें मेगा स्टार की तरह रखा, ताकि वे भी उसी तरह से काम कर सकें।

आलिया भट्ट को लेकर बोले निर्देशक

करण जौहर ने कहा, हमेशा लगा की आलिया स्टार बनेंगी, लेकिन इस किस्म की अभिनेत्री बनेंगी, यह मैं नहीं सोच पाया। करण जौहर ने कहा कि हमेशा कहता हूं कि उनका इमोशनल लॉन्च स्टूडेंट ऑफ द ईयर था और प्रोफेशनल लॉन्च हाइवे थी। उस फिल्म ने आलिया के लिए एक्टिंग के सारे दरवाजे खोल दिए।

अपनी निर्देशित फिल्मों पर की बात

करण जौहर ने अपने करियर की गेम चेंजिग फिल्म को लेकर बात की है। करण जौहर ने कहा, जब मैं माय नेम इज खान फिल्म पर काम कर रहा था। मुझे लगता था कि ये फिल्म मेरे दायरे के बाहर है। 12 सालों बाद मुझे लगा कि मुझे सच में काम आता है, मैं निर्देशक हूं।

18 अप्रैल को रिलीज होगी केसरी चैप्टर 2

साल 2019 में आई अक्षय कुमार की फिल्म केसरी सुपरहिट साबित हुई थी। अब वे केसरी चैप्टर 2 में नजर आएंगे। फिल्म मार्च में होली के अवसर पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। इसकी नई रिलीज डेट से परदा उठ गया है। मालूम हो कि इस बार फिल्म में आर. माधवन भी अहम रोल में दिखाई देंगे। इसके अलावा अनन्या पांडे भी फिल्म का हिस्सा हैं। करण सिंह त्यागी के निर्देशन में बनी फिल्म अप्रैल में दस्तक देगी। फिल्म कैसरी चैप्टर 2, 18 अप्रैल 2025 को रिलीज होगी। इस फिल्म को धर्मा प्रोडक्शंस, लियो मीडिया कलेक्टिव और केप ऑफ गुड फिल्म्स के बैनर तले बनाया जा रहा है। भले ही फिल्म का नाम कैसरी चैप्टर 2 है, लेकिन 2019 की केसरी की कहानी से इसका लेना-देना नहीं है। इस फिल्म की कहानी वकील और पॉलिटिशियन रहे सी. शंकरन नायर पर आधारित है। फिल्म की कहानी जलियांवाला बाग हत्याकांड की पृष्ठभूमि पर आधारित है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस फिल्म का नाम पहले शंकरा रखा गया था, लेकिन बाद में बदल दिया गया। फिल्म की कहानी की बात की जाए तो यह आजादी से पहले की है। इसमें स्वतंत्रता के दौरान हुई कई महत्वपूर्ण घटनाओं को दिखाया जाएगा।

चैम्पियंस ट्रॉफी में आज होगा दक्षिण अफ्रीका और अफगानिस्तान में मुकाबला

कराची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका की टीम का पहला मुकाबला आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप बी में में शुक्रवार को अफगानिस्तान से होगा। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका जीत की प्रबल दावेदार है पर अफगानिस्तान टीम भी उलटफेर का पूरा प्रयास करेगी। अफगान टीम के पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं जो दक्षिण अफ्रीका के लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। दक्षिण अफ्रीका की टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के टूर्नामेंट में कई बार दबाव में रहती है जिसका लाभ अफगानिस्तान को मिल सकता है। दक्षिण अफ्रीका की टीम में कई दिग्गज खिलाड़ी रहे हैं वह बेहद संतुलित दिख रही है और उसकी बल्लेबाजी काफी अच्छी है। दक्षिण अफ्रीका की बल्लेबाजी कप्तान टेम्बा बावुमा, टोनी डी जोरजी, रासी वैन डेर डुसेन और एडेन मार्करम के अलावा हेनरिक क्लासेन, डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स पर आधारित रहेगी।

दक्षिण अफ्रीकी टीम की गेंदबाजी इस बार पहले की तरह नहीं है उसके तेज गेंदबाज एनरिक नोर्किया, नांद्रे बर्गर और गेराल्ड कोएत्जी चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं जिससे उसकी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। ऐसे में अनुभवी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा को अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी। इसके अलावा मार्को यानसन और लुंगी एनगिडी को भी उनका अच्छी तरह से साथ देना होगा। स्पिन की जिम्मेदारी केशव महाराज और तबरेज शम्सी पर रहेगी।

दक्षिण अफ्रीका की टीम का प्रदर्शन हाल में अच्छा नहीं रहा है। उसने एकदिवसीय विश्व कप 2023 के बाद जो 14 एकदिवसीय खेले हैं उनमें से उसे केवल चार मैच में ही जीत मिली। वह लगातार छह मैच में हार के साथ इस टूर्नामेंट में उतर रही है।

वहीं दूसरी ओर अफगानिस्तान ने हाल में आईसीसी प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन किया है। उसने एकदिवसीय विश्व कप 2023 में इंग्लैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका को हराया और पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमी फाइनल में

स्थान बनाया था।

अफगानिस्तान ने कई बार बड़ी टीमों को हराकर दिखाया है कि उसे कम आंकना ठीक नहीं होगा। अफगानिस्तान के पास स्टार स्पिनर राशिद खान, मोहम्मद नबी और बाएं हाथ के नूर अहमद और नागेयालिया खारोटे जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। टीम की तेज गेंदबाजी अजमतुल्लाह उमरजई के अलावा फ़ज़लहक फ़ारूक़ी पर निर्भर करेगी। वहीं बल्लेबाजी की कमान रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान पर आधारित रहेगी। अफगानिस्तान की कमजोर मध्यक्रम का विफल होना है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

दक्षिण अफ्रीका = टेम्बा बावुमा (कप्तान), टोनी डी ज़ोरज़ी, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, एडेन मार्कराम, डेविड मिलर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, कैगिसो रबाडा, रयान रिकेलटन, तबरेज़ शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, कॉर्बिन बॉश।

अफगानिस्तान =हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), इब्राहिम जादरान, रहमानुल्लाह गुरबाज, सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, इकराम अलीखिल, गुलबदीन नायब, अजमतुल्ला उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोती, नूर अहमद, फजलहक फारूकी, फरीद मलिक, नवीद जादरान।

शमी एकदिवसीय में सबसे तेज 200 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी एकदिवसीय क्रिकेट में सबसे तेजी से 200 विकेट लेने वाले दूसरे गेंदबाज बने हैं। शमी ने मामले में पाकिस्तान के सकलैन मुश्ताक और न्यूजीलैड के ट्रेंट बोल्ट से आगे निकल गए हैं। इस सूची में पहले स्थान पर मिशेल स्टार्क हैं। जहां तक गेंदों के मामले में 200 विकेट का सवाल है तो शमी ने सभी को पीछ छोड़ा है। वह सबसे कम 105 मैचों में 200 एकदिवसीय विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में भी मिशेल स्टार्क 102 मैच के साथ ही पहले नम्बर पर हैं। इतना ही नहीं शमी आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत के लिए सर्वाधिक विकेट विकेट लेने वाले खिलाड़ी भी बन गए हैं। वहीं पाक के सकलेन ने 104 मैचों में 200 विकेट लिए हैं।

सबसे कम गेंदों में 200 एकदिवसीय विकेट के मामले में भी शमी नंबर एक पर हैं1 उन्होंने 200 विकेट के लिए 5126 गेंदें फेंकी हैं जबकि मिशेल स्टार्क ने 5240 और सकलैन मुश्ताक ने 5451 गेंदें फेंकी हैं।

आईसीस टूर्नामेंट में भारत की ओर से सबसे अधिक 72 विकेट शमी ने जबकि दूसरे नंबर पर 71 विकेट जहीर ने लिए हैं। वहीं जसप्रीत बुमराह ने 68 विकेट लिए हैं।

डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया: मांजरेकर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर अपने विवादित बयानों के कारण चर्चाओं में बने रहते हैं। अब उन्होंने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका के स्टार बल्लेबाज रहे एबी डिविलियर्स ने आईपीएल में गलत टीम से खेला था। डिविलियर्स ने शुरुआत में दिल्ली डेयरडेविल्स के लिए आईपीएल में तीन सत्र खेले थे। वहीं 2011 की आईपीएल मेगा ऑक्शन में वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में शामिल हुए और 2021 में अपने करियर को अलविदा कहने तक उसकी ओर से ही खेलते रहे।

डिविलियर्स ने 184 आईपीएल मैचों में 5162 रन बनाए लेकिन कभी टीम को आईपीएल खिताब नहीं जिता पाये। उन्होंने 2011 और 2016 में आरसीबी के साथ आईपीएल फाइनल खेला पर दोनों बार टीम हार गयी। 14 साल के अपने आईपीएल करियर में खिताब न जीतने के बावजूद डिविलियर्स आईपीएल में खेलने वाले सबसे बड़े क्रिकेटरों में से एक हैं। मांजरेकर के अनुसार डिविलियर्स का आरसीबी ने सही तरीके से उपयोग नहीं किया। मांजरकेर का कहना है कि डिविलियर्स को टॉप आर्डर में आना चाहिए था और उन्होंने यह भी कहा कि एबी ने गलत फ्रेंचाइजी के लिए खेला।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु तीन बार ट्रॉफी के करीब पहुंची, 2009, 2011 और 2016 में, लेकिन वे फाइनल में हार गए। ट्रॉफी के सूखे के बावजूद, आरसीबी अतीत में कई महान बल्लेबाजों का घर रहा है जो मैच विनर से कम नहीं हैं। चाहे वह केएल राहुल हो, शेन वॉटसन हो, क्रिस गेल हो, ब्रेंडन मैकुलम हो या एबी डिविलियर्स, आरसीबी ने हमेशा अपने रैंकों में आक्रामक बल्लेबाजों की विलासिता का आनंद लिया है जो खेल को विपक्ष से दूर ले जा सकते हैं, लेकिन उनका खिताब का सूखा जारी है।

महिला प्रीमियर लीग: मुंबई के खिलाफ जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगी आरसीबी

बेंगलुरु (एजेंसी)। लगातार जो मैच में जीत से उत्साहित रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम शुक्रवार को यहां अपने घरेलू मैदान पर मुंबई इंडियंस के खिलाफ विजय अभियान जारी रखकर महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगी। आरसीबी ने टूर्नामेंट में अभी तक शानदार प्रदर्शन किया है। उसने पहले मैच में गुजरात जॉइंट्स के खिलाफ 200 से अधिक रन का लक्ष्य हासिल किया था और इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स को भी आसानी से हराया था।

स्मृति मंधाना की अगुवाई वाली टीम के चार अंक हैं और वह अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज है। टूर्नामेंट में किसी भी अन्य टीम ने अभी तक अपने सभी मैच नहीं जीते हैं। आरसीबी की टीम को चिन्नास्वामी स्टेडियम में दर्शकों का अपार समर्थन मिलना तय है। इस मैच में सभी की निगाहें मंधाना पर टिकी रहेंगी जिन्होंने दिल्ली के खिलाफ पिछले मैच में 47 गेंद पर 81 रन की तूफानी पारी खेली थी।

भारतीय टीम की उप-कप्तान मंधाना इस समय बेहतरीन फॉर्म में चल रही हैं और मुंबई के गेंदबाजों को उन पर अंकुश लगाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। आरसीबी की तरफ से मंधाना के अलावा एलिसे पेरी, राघवी बिष्ट, ऋचा घोष और युवा कनिका आहूजा ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। आरसीबी हालांकि अपने गेंदबाजी विभाग को लेकर थोड़ा चिंतित होगा क्योंकि उसके गेंदबाज अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

मुंबई की टीम बेहद मजबूत है और उसे हराना

आसान नहीं होगा। पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ नैट साइवर-ब्रंट की बेजोड़ बल्लेबाजी (59 गेंदों में 80 रन) और हरमनप्रीत के साथ उनकी 73 रन की साझेदारी के बावजूद टीम को हार का सामना करना पड़ा था और अब हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम दमदार वापसी करने के लिए प्रतिबद्ध होगी।

टीम इस प्रकार है

मुंबई इंडियंस = हरमनप्रीत कौर (कप्तान), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), नादिन डी क्लार्क, संस्कृति गुप्ता, साइका इशाक, शबनीम इस्माइल, जिन्तिमनी कलिता, जी कमलिनी, अमनदीप कौर, अमनजोत कौर, सत्यमूर्ति कीर्तन, अमेलिया केर, अक्षिता माहेश्वरी, हेले मैथ्यूज, सजीवन सजना, नट साइवर-ब्रंट, पारुनिका सिसौदिया, क्लो ट्राईटन।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु = स्मृति मंधाना (कप्तान), कनिका आहूजा, एकता बिष्ट, चार्ली डीन, किम गार्थ, ऋचा घोष, हीदर ग्राहम, वीजे जोशिता, सब्बिनेनी मेघना, नुजहत परवीन, जाग्रवी पवार, एलिसे पेरी, राघवी बिस्ट, स्नेह राणा, प्रेमा रावत, रेणुका सिंह, जॉर्जिया वेयरहम, डैनी व्याट-हॉज।

रिजवान ने हार के लिए बल्लेबाजों और गेंदबाजों को जिम्मेदार बताया

मुम्बई । पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान मोहम्मद रिजवान ने आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले ही मैच में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली 60 रनों की करारी हार के लिए अपने बल्लेबाजों और गेंदबाजों को दोष दिया है। इस मैच में न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 320 रन बनाये और मेजबानों को जीत के लिए 321 रनों का लक्ष्य दिया था जिसका पीछा करते हुए पाक टीम 47.2 ओवर में 260 रन ही बना पायी। रिजवान के अनुसार मैच में उनकी टीम ने दो बार लय खोई जिस वजह से न्यूजीलैंड को उन पर हावी होने का अवसर दिया। रिजवान ने मैच के बाद कहा, 'उन्होंने अच्छा लक्ष्य दिया, हमें इसकी उम्मीद नहीं थी। हम 260 के आसपास के स्कोर की उम्मीद कर रहे थे। हमने अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया पर विरोधी टीम ने अच्छा खेला। हम पिच की स्थिति देखते हैं, पहले पिच पर बल्लेबाजी करना आसान नहीं था। वहीं जब विल यंग और लेथम ने साथ मिलकर बल्लेबाजी की तो यह आसान हो गया। अंत में हमने त्रिकोणीय सीरीज के फाइनल की तरह ही गलती की और उन्होंने अच्छा लक्ष्य बनाया।' 321 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने धीमी शुरुआत दी, उन्होंने इस मैच में 90 गेंदों का सामना करते हुए 6 चौकों और 1 छक्के की सहायता से केवल 64 रन बनाए। बाबर की इस धीमी पारी की वजह से दूसरे बल्लेबाजों पर दबाव पड़ा जिस वजह से टीम तेजी से बन बनाने के प्रयास में विकेट गंवाती रही।

एलएसजी का रुख आईपीए में आक्रामक रहेगा : जहीर

नई दिल्ली । लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) टीम के मेंटर जहीर खान ने कहा है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में लखनऊ सुपरजायंटस के पास बाएं हाथ के कई बल्लेबाज हैं। पिछले साल की मेगा नीलामी के दौरान लखनऊ ने पांच बाएं हाथ के बल्लेबाजों को खरीदा है। इसमें से तीन को अंतिम ग्यारह में जगह मिल सकती है। ऋषभ पंत, निकोलस पूरन और डेविड मिलर शुरुआत में उतरेंगे। साथ ही कहा कि तीन बाएं हाथ के बल्लेबाजों के होने से टीम का रुख आक्रामक रहेगा। जहीर के अनुसार इतने बांए हाथ के खिलाड़ी रखना टीम की रणनीति भी हो सकती है। एलएसजी ने इस सत्र के लिए ऋषभ को कप्तान बनाया है। 2016 में दिल्ली डेयरडेविल्स की कप्तानी करने वाले जहीर ने ऋषभ को देखा है और उनके साथ काम किया है। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज के अनुसार ऋषभ ऐसे व्यक्ति हैं जो पूरी टीम को प्रेरित कर सकते हैं और क्रिकेट का एक ऐसा ब्रांड स्थापित कर सकते हैं जिसे एलएसजी खेलना चाहता है। उन्होंने कहा कि सीजन में उस माहौल को बनाने और किसी भी टीम के लिए सफलता के स्तंभ तैयार करने के लिए कप्तान की भूमिका अहम होती है। जिसमें वह सक्षम हैं। जहीर ने कहा, यह सामरिक बढ़त भी हो सकती है। हम इसे इसी तरह से देख रहे हैं। मैंने यह नहीं देखा है कि मैं टीम में कितने बाएं हाथ के खिलाड़ियों को चाहता हूं। जब तक आपके पास संतुलन है, आपके पास टीम में विकल्प हैं और आपके पास सभी विकल्प हैं, तब तक यह ठीक है। जब मैं अपनी टीम को देखता हूं, तो यह एक मजबूत इकाई की तरह दिखती है।

हैट्रिक नहीं बना पाये आक्षर , रोहित के हाथ से फिसला कैच

दुबई (एजेंसी)। भारतीय टीम के स्पिनर अक्षर पटेल बांग्लादेश के खिलाफ चैम्पियंस ट्रॉफी मैच के दौरान हैट्रिक बनाने से रह गये। अक्षर की गेंद पर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कैच छोड़ दिया जिससे अक्षर की हैट्रिक नहीं हो पायी। । रोहित इससे इतने निराश हुए कि मैदान पर जोर-जोर से हाथ पटकते दिखे। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिय में आया है।

इस मैच में बांग्लादेश ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी शुरु की। 9वें ओवर में अक्षर गेंदबाजी के लिए आये । उन्होंने ओवर की दूसरी गेंद पर ही तनजीद हसन को और तीसरी गेंद पर मुश्फिकुर रहीम को पेवेलियन भेज दिया। दोनों ही बार के कैच विकेटकीपर केएल राहुल ने लिए। अक्षर को ओवर की चौथी गेंद पर हैट्रिक मिल सकती थी। जकर अली ने उनकी गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास किया पर गेंद स्लिप में फिल्डिंग कर रहे रोहित के हाथों से टकरा कर निकल गयी। रोहित ने गेंद को अंत तक पकड़ने का प्रसाय किया पर वह फिसल गयी।

नीरज के पास है एक से बढ़कर एक हाई-परफॉरमेंस लक्जरी कारें

नई दिल्ली । भारत के स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा खेल के साथ ही हाई-परफॉरमेंस लक्जरी कारों के भी शौकीन हैं। नीरज के पास एक से बढ़कर एक कारों का काफिला है। नीरज के इस बेडे में हाल ही में ऑडी की आरएस क्यू-8 परफॉर्मेंस कार शामिल हुई है। उनके पास पहले से ही मस्टैंग और कई टोयोटा फॉर्च्यूनर जैसी कारें हैं। नीरज की आरएस क्यू-8 कार एक हाई-परफॉरमेंस एसयूवी और पहियों पर चलने वाली एक पावरहाउस है! ये कार 305 किमी/घंटा की टॉप स्पीड के साथ सड़कों पर दौड़ सकती है! वहीं, यह केवल 3.6 सेकेंडो में 0-100 किमी/घंटा की गति पकड़ लेती है! ऑडी की ओर से आने वाली इस कार के बेस मॉडल की कीमत 2.5 करोड़ रुपये है पर कस्टमाइजेशन के बाद, नीरज के वर्जन की कीमत लगभग 3 करोड़ रुपये हैं। नीरज ने जो कार डिजाइन कराई है उसमें उनकी पसंद की हर चीज का ध्यान रखा है। अपनी इस नई कार के बारे में बात करते हुए नीरज ने कहा, 'मुझे कारें बहुत पसंद हैं. कड़ी मेहनत की वजह से ही मैं उन्हें खरीद पाया हूं। मेरा सपना सच हो गया। मैं और मेरा परिवार एक घर चाहते थे। यह बहुत अच्छी बात है कि अब हमारे पास एक घर है। हमारे सपने हकीकत में बदल रहे हैं।' रफ्तार और लग्जरी के शौकीन नीरज चोपड़ा के पास महंगी और लग्जरी गाड़ियों का शानदार कलेक?शन है। इनमें कर?टमाइज?ड महिंद्रा एक?सयूवी 700 शामिल है वहीं उनके पास एक महिंद्र थार भी है जिसकी कीमत लगभग 17 लाख रुपए है।उनकी सबसे महंगी गाड़ियों में रेंज रोवर शामिल हैं जिसकी कीमत लगभग 2 करोड़ रुपये है। नीरज के पास 33 लाख रुपए की टोयोटा फॉर्चूनर है। वहीं मस?टैंग जीटी की कीमत 93.52 लाख शामिल हैं। इसके अलावा उनरके पास जगुआर एफ-पेस और मर्सिडीज -बेंज जीएलसी एक लग्जरी एससूवी है. इसकी कीमत 57.36 - 63.15 लाख रुपए है।

एक बार फिर रोहित शर्मा की खराब किस्मत, टीम इंडिया के नाम दर्ज हुआ ये शर्मनाक रिकॉर्ड

दुबई (एजेंसी)। मौजूदा समय में भारत और बांग्लादेश के बीच दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का मुकाबला खेला जा रहा है। लेकिन रोहित शर्मा की टॉस के मामले में अभी भी किस्मत रूठी हुई है। दरअसल, वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में टीम इंडिया को हार मिली थी। उस टूर्नामेंट में रोहित शर्मा टीम इंडिया के कप्तान थे, तब से अब तक वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में भारतीय टीम एक भी टॉस नहीं जीत पाई है। बांग्लादेश के खिलाफ आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लीग मैच में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर से टॉस हार गए और इस तरह एक शर्मनाक रिकॉर्ड टीम इंडिया के नाम दर्ज हो गया।

बता दें कि, वर्ल्ड कप 2023 के बाद से

ज्यादातर मैचों में रोहित शर्मा कप्तान रहे हैं, लेकिन एक सीरीज में केएल राहुल भी कप्तान थे, लेकिन किस्मत वहां भी टीम इंडिया के हक में नहीं रही। भारत ने आखिरी बार वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टॉस वर्ल्ड कप 2023 के सेमीफाइनल में जीता था। इसके बाद फाइनल में भारत फिर टॉस हारा और इसके बाद कभी भी भारतीय टीम वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में टॉस नहीं जीत पाई है। भारत 11 मैचों में टॉस हार चुका है औरये किसी भी टेस्ट प्लेइंग नेशन के लिए शर्मनाक रिकॉर्ड है। ये शर्मनाक वर्ल्ड रिकॉर्ड की भी बराबरी हो चुकी है। हालांकि, टॉस हारने के इस शर्मनाक रिकॉर्ड के बीच भारत ने ज्यादातर मैच में जीत हासिल की है। टीम इंडिया ने इस शर्मनाक वर्ल्ड रिकॉर्ड के मामले में नीदरलैंड की बराबरी कर ली है। भारत और नीदरलैंड ने एक टीम के रूप में अब संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा बार वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में लगातार टॉस हारे हैं। मार्च 2011 और अगस्त 2013 के बीच नीदरलैंड की टीम ने 11 टॉस वनडे इंटरनेशनल क्रिकेट में हारे थे। वहीं, टीम इंडिया ने नवंबर 2023 से फरवरी 2025 तक भारतीय टीम भी इतनेही मैचों में टॉस गंवा चुकी है।

फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज : हंपी की धमाकेदार जीत, हरिका को दी मात

मोनाको । फीडे महिला ग्रां प्री के तीसरे चरण के पहले दौर में कोनेरू हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के बीच मुकाबला भारतीय प्रशंसकों के लिए बेहद रोमांचक रहा। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी हमवतन हरिका द्रोणावल्ली को मात दी। इस जीत के साथ हंपी ने टूर्नामेंट की मजबूत शुरुआत की, जबकि हरिका को पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा। खेल की शुरुआत चार नाइट्स रुई लोपेज़ ओपनिंग से हुई, जिसमें दोनों खिलाड़ियों ने संतुलित अंदाज में खेला। मिडलगेम तक खेल बराबरी पर था, लेकिन समय के दबाव में हरिका ने कुछ गलतियां कीं, जिसका हंपी ने पूरा फायदा उठाया। 41वीं चाल पर हरिका ने गलत योजना अपनाई और इसके बाद हंपी ने मैच को अपनी तरफ मोड़ दिया। पहले दौर के अन्य परिणामों में रूस की कटेरिना लागनो ने हमवतन अलेक्ज़ेंड्रा गोरयाचकिना को , मंगोलिया की मंगुन्तूल बटखुयाग ने स्विट्जरलैंड की अलेक्ज़ेंड्रा कोस्टेनियुक को पराजित किया जबकि कजाकिस्तान की बिबिसारा असौबायेवा से स्पेन की सरासादात खादेमालशरीह से , जर्मनी की एलिसाबेथ पैहत्ज़ ने चीन की झोंगयी तान से बाजी ड्रॉ खेली । अगले दौर में हरिका की टक्कर सरासादात खादेमालशरीह से होगी, जबकि हंपी कोनेरू एलिसाबेथ पैहत्ज़ के खिलाफ उतरेंगी। हंपी के लिए यह टूर्नामेंट विश्व चैंपियनशिप साइकिल में अपनी दावेदारी मजबूत करने का शानदार मौका है।

लक्ष्य का पीछा करने में सचिन से विराट को बेहतर मानते हैं सहवाग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग का मानना है कि एकदिवसीय में लक्ष्य का पीछा करने में सचिन तेंदुलकर की तुलना में विराट कोहली बेहतर है। तेंदुलकर को दूसरे नंबर पर रखने पर सहवाग ने कहा कि क्रिकेट जगत एकदिवसीय क्रिकेट में कोहली जैसा निरंतरता वाला खिलाड़ी शायद ही दूसरा देख पाएगा। शुरुआत में, वह वह विराट कोहली नहीं थे जो वह आज हैं। उन्होंने अपना समय लिया और बहुत कुछ सीखा। और 2011-12 के बाद, वह बहुत बदल गए हैं। अपनी फिटनेस में और अपनी निरंतरता में उन्होंने अद्भुत पारियां खेली हैं।

सहवाग ने ऐसे शीर्ष पांच बल्लेबाजों की सूची में वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल को पांचवें नंबर पर रखा है जबकि एकदिवसीय प्रारूप में गेल के 304 मैचों में 10480 रन हैं। उन्होंने कहा कि गेल एक महान बल्लेबाज और सलामी बल्लेबाज थे। मुझे याद है कि भारत 2002-03 में वेस्टइंडीज आया था और क्रिस गेल ने 6 मैचों की श्रृंखला में तीन शतक लगाए थे। वह पहले खिलाड़ी थे जिन्हें मैंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखा था जो तेज गेंदबाजों के लिए बैकफुट पर आकर छक्के मारते थे।

वहीं नंबर 4 स्थान दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को दिया गया, जिन्होंने अपने करियर के दौरान 228 एकदिवसीय मैचों में 9577 रन बनाए। उनके बाद पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक हैं जिन्होंने 350 पारियों में 11739 रन बनाए हैं। सहवाग ने कहा कि नंबर 4 पर एबी डिविलियर्स हैं। वह जिस तरह से खेलते थे वह मुझे बहुत पसंद आया। वह एकमात्र बल्लेबाज हैं जो असंतुलित होकर छक्के मार सकते हैं। नंबर 3 पर इंजमाम-उल-हक हैं। वह एशिया के सर्वश्रेष्ठ वनडे खिलाड़ियों में से एक हैं। इंजमाम नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आते थे और मैच को नियंत्रित करते थे। इसलिए, मैंने उनसे सीखा कि मैच को अंत तक कैसे ले जाना है।

संक्षिप्त समाचार

हसीना का प्रत्यर्पण बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की प्राथमिकता : प्रवक्ता

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मुहम्मद यूनुस के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना का भारत से प्रत्यर्पण उनके देश की प्राथमिकता है। मुख्य सलाहकार यूनुस के प्रेस सचिव शफीक-उल आलम ने संवाददाताओं से कहा, ''यह सरकार की शीर्ष प्राथमिकता है।'' उन्होंने बताया कि ढाका हसीना को प्रत्यर्पित करने के अपने प्रयासों को जारी रखेगा ताकि व्यक्तिगत तौर पर उन पर मुकदमा चलाया जा सके। आलम ने कहा कि एक भारतीय मीडिया समूह द्वारा किए गए सर्वेक्षण से पता चला है कि 55 प्रतिशत भारतीय चाहते हैं कि उन्हें वापस ढाका लाया जाए, जबकि कुछ प्रतिशत उन्हें दूसरे देश भेजना चाहते हैं और केवल 16-17 प्रतिशत चाहते हैं कि वे भारत में ही रहें।

नाइजीरिया में विद्रोहियों को निशाना बनाकर किए गए सैन्य हवाई हमले में कई नागरिकों की मौत

अबुजा , एजेंसी। नाइजीरिया में विद्रोहियों द्वारा पुलिस को निशाना बना कर हमले किए जाने के बाद सैन्य बलों ने विद्रोहियों पर हमले किए जिसमें कई आम नागरिक मारे गए। नाइजीरियाई वायु सेना ने कटसीना राज्य के सफाना क्षेत्र में मारे गए नागरिकों की संख्या का खुलासा नहीं किया लेकिन प्रवक्ता ओलुसोला अकिनबोयेवा ने एक बयान में कहा कि हताहतों की संख्या पता लगाई जा रही है। अकिनबोयेवा ने नागरिकों के हताहत होने की खबर को ''बेहद परेशान करने वाला'' बताया और कहा कि वायु सेना ने पुलिस पर विद्रोहियों के हमले के जवाब में यह हमला किया है। वहीं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह 'एमनेस्टी इंटरनेशनल' ने एक बयान में कहा कि हवाई हमले में कम से कम 10 लोग मारे गए। मानवाधिकार समूह ने हवाई हमले को नाइजीरियाई सेना की ओर से मानवाधिकारों के उल्लंघन की कड़ी में नयी घटना बताया और सरकार से इसकी स्वतंत्र जांच कराने का आग्रह किया। इस वर्ष यह दूसरी बार है जब नाइजीरिया के अशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में सैन्य हवाई हमले में आम नागरिक मारे गए। नाइजीरिया की सेना अक्सर देश के उत्तरी हिस्से में अस्थिरता पैदा करने वाले चरमपंथियों का खात्मा करने के लिए हवाई हमले करती है। लागोस के 'एसबीएम इंटेलिजेंस रिसर्च फर्म' के अनुसार 2017 से अब तक हवाई हमलों में करीब 400 नागरिक मारे गए हैं।

ट्रंप बोले- बाइडन युग के सभी अटॉर्नी बर्खास्त होंगे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन के कार्यकाल में न्याय विभाग के राजनीतिकरण का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, पहले कभी न्याय विभाग का इतना राजनीतिकरण नहीं हुआ। ट्रंप ने कहा, मैंने बाइडेन युग के सभी अमेरिकी अटॉर्नी को बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, हमें तुरंत सफाई कर लोगों का विश्वास बहाल करना चाहिए। बकौल ट्रंप, अमेरिका के स्वर्ण युग में एक निष्पक्ष न्याय प्रणाली होनी, जिसकी शुरुआत आज से होनी चाहिए।

पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने 30 आतंकवादी मार गिराए

इस्लामाबाद, एजेंसी। सुरक्षा बलों ने उत्तर-पश्चिमी पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में खुफिया सूचना आधारित अभियान (आईबीओ) में 30 आतंकवादियों को मार गिराया। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने मंगलवार को बताया कि सुरक्षा बलों को आतंकवादियों की मौजूदगी की जानकारी थी। सोमवार को दक्षिण वजीरिस्तान जिले के सरोघा क्षेत्र में आतंरोधी अभियान चलाया गया। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों के ठिकाने पर प्रभावी तरीके से कब्जा कर लिया और 30 आतंकियों को मार गिराया। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ और राज्यपाल खैबर पख्तूनख्वा ने सफल सैन्य अभियान के लिए पाकिस्तान सशस्त्र बलों को बधाई दी।

हमास शनिवार को छह जीवित बंधकों को और रिहा करेगा, चार शव भी सौंपे जाएंगे

इजराइल, एजेंसी। हमास के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि समूह शनिवार को छह इस्राइली बंधकों को रिहा करेगा। साथ ही गुरुवार को चार इस्राइली बंधकों के शव भी लौटाए जाएंगे। इस्राइल द्वारा तबाह हो चुके गाजा पट्टी में मोबाइल घरों और निर्माण उपकरणों को अनुमति देने के बाद से बंधकों की रिहाई में आश्चर्यजनक तेजी आई है। हमास नेता खलील अल हय्या ने मंगलवार को जारी एक बयान में बताया कि जिन मृतकों के शव सौंपे जाएंगे, उनमें बिबास परिवार के सदस्य शामिल हैं। इनमें दो छोटे बच्चे और उनकी मां शामिल है।

अमेरिका से निकाले गए करीब 300 लोग, पनामा के होटल में रोके गए; प्रवासियों के वापसी की प्रक्रिया जारी

पनामा सिटी, एजेंसी। पनामा में लगभग 300 लोगों को एक होटल में रोका गया है, जिन्हें अमेरिका ने निकाला है। ये लोग अलग-अलग देशों के हैं और जब तक उनकी वापसी की व्यवस्था नहीं हो जाती, तब तक उन्हें होटल से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। अधिकारियों के अनुसार, 40त्न से ज्यादा प्रवासी अपने देश लौटने के लिए तैयार नहीं हैं। होटल में बंद प्रवासियों ने खिड़कियों पर संदेश लगाए हैं, जिनमें लिखा है - मदद करें और हम अपने देश में सुरक्षित नहीं हैं।

10 एशियाई देशों से आए हैं प्रवासी : ये प्रवासी 10 एशियाई देशों से आए हैं, जिसमें ईरान, भारत, नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और चीन के लोग शामिल हैं। अमेरिका के लिए इन देशों में सीधा निर्वासन करना मुश्किल है, इसलिए पनामा को एक रास्ते का ठहराव के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी तरह का एक और डिपोर्टेशन फ्लाइट बुधवार को कोस्टा रिका पहुंचने की उम्मीद है।

प्रवासी को दी जा रही बुनियादी सुविधाएं : पनामा के सुरक्षा मंत्री फ्रैंक एब्रेगो ने कहा कि ये प्रवासी चिकित्सा सुविधा और भोजन प्राप्त कर रहे हैं। यह पूरी व्यवस्था अमेरिका और पनामा के बीच हुए एक समझौते के तहत हो रही है। अमेरिका इस पूरे ऑपरेशन का खर्च उठा रहा है। वहीं पनामा के राष्ट्रपति जोसे राउल मुलिनो, जो ट्रंप की पनामा नहर पर नियंत्रण को लेकर दी गई धमकियों के कारण राजनीतिक दबाव में हैं, ने पिछले गुरुवार को पहली डिपोर्टेशन फ्लाइट के आने की घोषणा की थी। लेकिन इन प्रवासियों की बंदी जैसी स्थिति को लेकर पनामा में चिंता बढ़ रही है। कुछ प्रवासियों की खिड़कियों से झांकते और मदद की अपील करते हुए तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। हालांकि, मंत्री फ्रैंक एब्रेगो का कहना है कि ये लोग कैद में नहीं हैं, लेकिन फिर भी उन्हें होटल के कमरों से बाहर जाने की अनुमति नहीं है। होटल की सुरक्षा पुलिस की तरफ से की जा रही है।

अपने देशों को लौटने के लिए तैयार प्रवासी : अब तक 299 में से 171 प्रवासी अंतरराष्ट्रीय संगठनों की मदद से अपने-अपने देशों को लौटने के लिए तैयार हो गए हैं। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचआरसी) और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन (आईओएम) बाकी 128 लोगों के लिए समाधान खोज रहे हैं, ताकि वे किसी तीसरे देश में बस सकें। एक आयरलैंड की नागरिक पहले ही अपने देश लौट चुकी है। जो प्रवासी अपने देश वापस जाने के लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें पनामा के दारिएन प्रांत के एक विशेष केंद्र में रखा जाएगा। पनामा के मानवाधिकार विभाग ने मंगलवार को इन प्रवासियों की स्थिति को लेकर और जानकारी देने की घोषणा की है।

उ. कोरिया ने अमेरिका एशियाई पड़ोसियों की योजनाएं बेतुकी बताई : सियोल, एजेंसी। उत्तर कोरिया ने उसके परमाणु कार्यक्रमों को रोकने को 'बेतुकी' योजना बताते हुए अमेरिका व अपने एशियाई पड़ोसी देशों की मंगलवार को आलोचना की। उसने कहा कि वह अपने नेता किम जोंग-उन के नेतृत्व में अपनी परमाणु ताकत का विस्तार करने का प्रयास जारी रखेगा। उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने चेतावनी देते हुए कहा, यदि उसे लगेगा कि उसकी सुरक्षा खतरे में है तो वह अपने प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ 'निर्णायक जवाबी कार्रवाई' करेगा।

एक्स गर्लफ्रेंड से किसी और ने की बात, शख्स ने 1000 किलोमीटर की दूरी तय कर जला दिया घर

वाशिंगटन, एजेंसी। अपनी गर्लफ्रेंड के लिए कुछ भी कर गुजरने के मामले आपने पहले भी सुने होंगें। हालांकि अमेरिका के शख्स ने अपनी एक्स गर्लफ्रेंड के लिए ऐसा कुछ किया है, जिसे सुनकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे। इस शख्स को किसी लड़के का अपनी एक्स गर्लफ्रेंड से बात करना पसंद नहीं आया। इसके बाद उसने हजार किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय कर उस लड़के के घर को आग के हवाले कर दिया। जानकारी के मुताबिक उस वक्त घर में कम से कम छह लोग थे, जिन्हें बाद में बचा लिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक इस आग में दो कुत्तों की मौत हो गई। वहीं छह घायल लोगों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पतालों में ले जाया गया। पुलिस ने बताया है मिशिगन के इस शख्स को हत्या की कोशिश और दूसरे छह मामलों गिरफ्तार किया गया है। सोमवार को जारी किए गए बेन्सलेम पुलिस विभाग के बयान के मुताबिक पुलिस को 10 फरवरी को सुबह करीब 5 बजे पेंसिल्वेनिया के बेन्सलेम में एक घर में आग लगने की सूचना मिली। इमरजेंसी टीम और दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर देखा कि दो मंजिला घर पूरी तरह से आग की लपटों में घिरा हुआ था जहां छह लोग किसी तरह से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे। कुछ लोगों को जान बचाने के लिए खिड़कियों से कूदना पड़ा। पुलिस की जांच में बाद में यह बात सामने आई कि यह आग जानबूझकर लगाई गई थी। सीसीटीवी कैमरे में कैद वीडियो में एक शख्स किसी चीज को लेकर गाड़ी से निकालते, घर की ओर चला जाते और लगभग 15 मिनट बाद कार में वापस आता हुआ दिखा। संदिग्ध के इलाके से भागने के कुछ ही देर बाद घर में आग लगी। इसके बाद कार की पहचान कर पुलिस ने मिशिगन के ब्रायन जोन्स का पता लगा लिया।

पोप फ्रांसिस के दोनों फेफड़ों में निमोनिया, हालात गंभीर; रोम के अस्पताल में इलाज जारी

वेटिकन, एजेंसी। वेटिकन प्रमुख पोप फ्रांसिस के दोनों फेफड़ों में निमोनिया हो गया है। वेटिकन के मुताबिक, उनकी हालत लगातार गंभीर बनी हुई है। 88 साल के कैथलिक चर्च प्रमुख पिछले एक हफ्ते से फेफड़ों के इन्फेक्शन से जूझ रहे हैं। उन्हें शुक्रवार को रोम के अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति बोलसोनारो पर तख्तापलट की कोशिश का आरोप, 2022 में चुनाव हारे थे

ब्राज़िलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जैर बोलसोनारो पर 2022 में चुनावी हार के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। मंगलवार को प्रोसीक्यूटर जनरल पाउलो गोनेट ने बोलसोनारो और 33 अन्य लोगों आरोप लगाए। आरोप है कि इस प्लान में वर्तमान राष्ट्रपति लूला डा सिल्वा को जहर देने और सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे डी मोराइश की हत्या करने की साजिश करना शामिल था।

रवांडा समर्थित विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के तीसरे शहर पर किया हमला

दाकर, एजेंसी। रवांडा समर्थित विद्रोही संगठनों ने मंगलवार को पूर्वी कांगो के तीसरे शहर पर हमला किया है। विद्रोही संगठन पहले ही पूर्वी कांगो के दो प्रमुख शहरों पर कब्जा कर चुके हैं। गौरतलब है कि पूर्वी कांगो खनिजों के मामले में काफी धनी है और अहम वैश्विक तकनीक के लिए ये खनिज बेहद अहम हैं और इसी वजह से पूरी दुनिया की नजरें कांगो के हालात पर टिकी हुई हैं।

गोमा शहर पर कब्जे के दौरान मारे गए थे तीन हजार लोग : रवांडा समर्थित विद्रोही संगठन एम23 के उग्रवादियों ने मंगलवार को पूर्वी कांगो के प्रमुख शहर बुटेम्बो में कांगो सेना के ठिकानों पर हमला किया। करीब डेढ़ लाख की आबादी वाले इस शहर में हालात तेजी से बिगड़ रहे हैं और उग्रवादी संगठन तेजी से अपनी स्थिति को मजबूत कर रहे हैं। बीते महीने एम23 और अन्य उग्रवादी संगठनों ने पूर्वी कांगो के गोमा शहर पर कब्जा किया था। उस लड़ाई में करीब 3000 लोग मारे गए थे। बुटेम्बो और गोमा के बीच की दूरी करीब 210 किलोमीटर है। ऐसे में उग्रवादी संगठनों की लगातार मजबूत हो रही स्थिति का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। इसी हफ्ते विद्रोहियों ने पूर्वी कांगो के बुकावु शहर पर भी कब्जा कर लिया था। गौरतलब है कि इस क्षेत्र में सोने और कोल्टन के भंडार हैं। साथ ही मोबाइल फोन, लैपटॉप में इस्तेमाल होने वाले कैपिसेटर्स को बनाने में जिन खनिजों का इस्तेमाल होता है, उनके भी भंडार पूर्वी कांगो में मौजूद हैं। मंगलवार को विद्रोही गुटों ने कामनयोला शहर पर भी कब्जा कर लिया और अब विद्रोही गुटों के रणनीतिक रूप से अहम यूविरा शहर पर भी कब्जा करने की आशंका बढ़ गई है। विश्लेषकों का मानना है कि विद्रोही कांगो में राजनीतिक ताकत हासिल करना चाहते हैं और इसी के तहत उन्होंने गोमा शहर पर कब्जे के बाद वहां अपना मेयर भी नियुक्त कर दिया है। साथ ही गोमा में जनगणना कराने का भी एलान कर दिया गया है। माना जा रहा है कि विद्रोही शहर पर अपना कब्जा बरकरार रखेंगे।

क्या है लड़ाई की वजह : 100 से ज्यादा विद्रोही संगठन मिलकर कांगो पर हमला कर रहे हैं। इनमें एक प्रमुख संगठन है एम23। इस संगठन में करीब चार हजार लड़ाके रवांडा के हैं। रवांडा का आरोप है कि साल 1994 में रवांडा के अल्पसंख्यकों तुत्सीस और उदारवादी हुतुस जनजाति के लोगों का नरसंहार किया गया और इस नरसंहार के पीछे कट्टरपंथी हुतु लोग शामिल थे। रवाडां का कहना है कि अब उन्हीं कट्टरपंथी हुतु जनजाति के लोगों को कांगो की सेना में भर्ती किया जा रहा है। रवांडा का कहना है कि वे तुत्सीस और उदारवादी हुतु लोगों की सुरक्षा के लिए कांगो में बदलाव लाना चाहता है और उसे एक असफल राष्ट्र से आधुनिक राष्ट्र बनाना चाहता है। हालांकि विश्लेषकों को रवांडा के इस दावे पर शक है और उनका कहना है कि रवांडा की नजरें कांगो के खरबों डॉलर की कीमत वाली खनिज संपदा पर है और रवांडा कांगो पर कब्जा कर उसकी खनिज संपदा का अपने फायदे के लिए दोहन करना चाहता है।

गाजा युद्ध विराम समझौते के अगले चरण को लागू करने के लिए तैयार : हमास

गाजा, एजेंसी। हमास ने गाजा युद्ध विराम समझौते के दूसरे और तीसरे चरण को लागू करने की अपनी इच्छा जाहिर की। फिलिस्तीनी ग्रुप ने गाजा छोड़ने की इजरायली मांग भी नकार दी। हमास के प्रवक्ता हजम कासिम ने एक बयान में कहा कि समूह मध्यस्थ के अनुरोध पर रिहा किए जाने वाले इजरायली बंधकों की संख्या को दोगुना करने पर सहमत है, जो समझौते के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी के मुताबिक कासिम ने हमास को गाजा छोड़ने की इजरायली मांगों को खारिज करते हुए इसे %मनोवैज्ञानिक युद्ध% का हिस्सा बताया। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमास इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की इस मांग को स्वीकार नहीं करेगा कि समूह निरस्त्र हो जाए और उसके नेताओं को गाजा से निकाल दिया जाए। इससे पहले इजरायल के सार्वजनिक प्रसारक ने बताया कि नेतन्याहू ने युद्ध विराम समझौते के दूसरे चरण के लिए बातचीत शुरू करने का

आधिकारिक तौर पर फैसला किया और अपने फैसले के बारे में सुरक्षा कैबिनेट को सूचित किया।

इससे पहले शनिवार को हमास और इजरायल ने बंधकों के बदले कैदियों की छठी अदला-बदली पूरी की। इस अदला-बदली में हमास ने गाजा में बंधक बनाए गए तीन और इजरायली बंधकों को रिहा किया, जबकि इजरायली अधिकारियों ने 369 फिलिस्तीनी कैदियों और बंदियों को रिहा किया। 19 जनवरी से प्रभावी और छह सप्ताह तक चलने वाले संघर्ष विराम समझौते के पहले चरण के तहत, लगभग 2,000 फिलिस्तीनियों के बदले में 33 इजरायली बंधकों को रिहा किए जाने की उम्मीद है।

अब तक, 19 इजरायली बंधकों के साथ-साथ पांच थाई लोगों को गाजा से रिहा किया जा चुका है, जबकि इजरायली अधिकारियों ने 1,000 से अधिक फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया है। इजरायल और हमास को फरवरी की शुरुआत में दूसरे चरण की बातचीत शुरू करनी थी। हमास ने 4 फरवरी को एक बयान में कहा कि उसने अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों के साथ चर्चा शुरू कर दी है, जबकि नेतन्याहू के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इजरायल ने अभी तक दूसरे चरण की बातचीत शुरू नहीं की। समझौते के दूसरे चरण में शेष बंधकों की रिहाई, फिलिस्तीनी क्षेत्र से इजरायली सेना की पूर्ण वापसी और स्थायी युद्धविराम के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित किया जाना है।

जापानी प्रधानमंत्री पर हमला करने वाले को 10 साल सजा

टोक्यो, एजेंसी। जापान के पूर्व प्रधानमंत्री फोमियो किशिदा पर हमले के दोषी शख्स को 10 साल की सजा सुनाई गई है। बुधवार को वाकायामा जिला अदालत ने सजा का ऐलान किया। हमलावर का नाम रयूजी किमुरा (25) है,उसे 5 आरोपों में दोषी ठहराया गया है। उसने 15 अप्रैल 2023 को वाकायामा शहर में एक चुनावी रैली के दौरान किशिदा पर एक स्मोक बम फेंका था। हमले में किशिदा बच गए थे, लेकिन 2 अन्य लोग घायल हुए थे। किमुरा को पुलिस ने मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया था। उसके बैग से एक चाकू भी बरामद किया गया था। फरवरी की शुरुआत में मुकदमे की सुनवाई के दौरान, किमुरा ने हत्या की कोशिश के आरोप से इनकार किया था। उसने दावा किया कि उसका इरादा किशिदा को मारने का नहीं था।

प्रधानमंत्री किशिदा निचले सदन के उपचुनाव के लिए कैंपेन कर रहे थे : जापान टाइम्स के मुताबिक किशिदा वाकायामा शहर में एक इलेक्शन रैली में भाषण देने पहुंचे थे। स्थानीय समयानुसार धमाका 15 अप्रैल सुबह 11:30 बजे हुआ। इसके बाद करीब 1 बजे प्रधानमंत्री किशिदा ने वाकायामा शहर में अपनी स्पीच पूरी की। उन्होंने कहा- हम इलेक्शन कैंपन के बीच मौजूद हैं। हमें इसे जारी

रखना चाहिए। 2022 में रैली के दौरान ही शिंजो आबे पर हैंडमेड गन से हमला हुआ था जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की 8 जुलाई 2022 को रैली में गोली मारकर हत्या की गई थी। वे आबे नारा शहर में इलेक्शन कैंपेन के दौरान स्पीच दे रहे थे। उसी दौरान 42 साल के हमलावर ने पीछे से फायरिंग की थी। उन पर कैमरे जैसी दिखने वाली हैंडमेड गन से हमला किया गया था। फायरिंग के बाद आई फोटो से इसका खुलासा हुआ था। हमलावर ने गन को इस तरह डिजाइन किया था कि वह कैमरे जैसी दिखे। इसके लिए उसने गन पर काली पॉलीथिन को लपेटा था। हमलावर फोटो खींचने के बहाने आबे के करीब आया था। फिर उसने दो गोलियां चलाई थीं।

भारत ने पाकिस्तान को सुनाई खरी-खरी, बताया आतंक का गढ़, कहा- हम जैश जैसे संगठनों की दहशतगर्दी से रहे त्रस्त

न्यूयॉर्क, एजेंसी। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में कहा कि वह पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद का शिकार रहा है। पाकिस्तान की धरती से चलने वाले जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) जैसे आतंकी संगठनों ने भारत में कई आतंकी हमले किए हैं। भारत के स्थायी प्रतिनिधि (अंबेसडर) परवथानेनी हरीश ने पाकिस्तान को आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बताया और कहा कि पाकिस्तान में 20 से ज्यादा संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की तरफ से प्रतिबंधित आतंकी संगठन मौजूद हैं। इसके बावजूद जब पाकिस्तान खुद को आतंकवाद के खिलाफ लड़ने वाला देश बताता है, तो यह सबसे बड़ी विडंबना होती है।

पाक ने फिर अलापा जम्मू-कश्मीर का राग : भारत की तरफ से यह बयान तब आया जब पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार ने भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाया। इस पर भारत ने कड़ा जवाब देते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। इस पर पी. हरीश ने कहा कि आतंकवाद का कोई भी कारण या मकसद स्वीकार्य नहीं हो सकता। निर्दोष लोगों पर हमला किसी भी तरह से जायज नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान झूठ और गलत जानकारी फैलाने की कोशिश करता है, लेकिन इससे सच्चाई नहीं बदलती। उन्होंने कहा कि जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों ने भारत में कई हमलों को अंजाम दिया है। पाकिस्तान इन्हें सीमा पार से समर्थन देता है, जिससे भारत में हिंसा फैलती है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान में कई आतंकी संगठन और व्यक्ति संयुक्त राष्ट्र

सुरक्षा परिषद की 1267 अल-कायदा प्रतिबंध समिति की सूची में शामिल हैं, जिन पर संपत्ति जब्त करने, हथियारों की आपूर्ति रोकने और यात्रा प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है।

भारत ने जम्मू-कश्मीर में हाल ही में हुए चुनाव का दिया हवाला : भारत ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में हाल ही में चुनाव हुए, जिसमें लोगों ने बड़ी संख्या में मतदान किया और अपनी सरकार चुनी। भारत के स्थायी प्रतिनिधि ने पाकिस्तान पर निशाना साधते हुए कहा कि जम्मू-कश्मीर में लोकतंत्र मजबूत और जीवंत है, जबकि पाकिस्तान में ऐसा नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि वास्तव में पाकिस्तान खुद जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों पर अवैध कब्जा किए हुए है और वहां के हालात खराब हैं। इसके साथ ही भारत ने साफ कर दिया कि आतंकवाद के मामले में कोई भेदभाव नहीं किया जाना चाहिए और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को अच्छे और बुरे आतंकवादियों के बीच अंतर नहीं करना चाहिए।

मोहन के मंत्री का बयान, शिवाजी महाराज नहीं होते तो मेरा नाम कैलाश की जगह कलीमुद्दीन होता

इंदौर। मध्य प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गी का छत्रपति शिवाजी महाराज के योगदान पर दिया बयान चर्चा में आ गया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर शिवाजी महाराज नहीं होते तब उनका नाम कैलाश की जगह कलीमुद्दीन होता। दरअसल मंत्री विजयवर्गीय ने शिवाजी महाराज की जयंती के मौके पर आमजन को संबोधित कर बयान दिया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज के कारण ही मालवा और उसके आसपास के क्षेत्रों में मुगलों का प्रवेश नहीं हुआ था। अगर शिवाजी नहीं होते, तब आज उनका नाम कैलाश की जगह कलीमुद्दीन होता। मंत्री विजयवर्गीय ने शिवाजी महाराज के अद्वितीय योगदान को याद करते हुए कहा कि उनका साहस और संघर्ष ही था, जिसके कारण भारत के कई हिस्सों में मुगलों की दखलंदाजी नहीं हुई। विजयवर्गीय ने शिवाजी महाराज की वीरता और उनके योगदान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया, और उनके आदर्शों को जीवित रखने की अपील की।

बंगाल के उत्तर 24 परगना में कुछ मिनटों के लिए आया तूफान, सब कुछ तबाह करके चला गया

उत्तर 24 परगना । उत्तर 24 परगना जिले के गायघाटा क्षेत्र में अचानक आए तूफान ने भारी तबाही हुई है। तेज हवाओं और ओलावृष्टि से करीब 35 कच्चे मकान ढह गए, इसके नीचे दबने से कई लोग घायल हो गए। खड़ी फसलों को भी काफी नुकसान पहुंचा। लोगों का कहना है कि तूफान इतनी तेजी से आया कि उन्हें संभलने का मौका तक नहीं मिला। कुछ ही मिनटों में कई घरों की छतें उड़ गईं, दीवारें गिर गईं और खेतों में खड़ी फसलें तहस-नहस हो गईं। स्थानीय निवासी ने बताया कि तूफान ने उनका सब कुछ उजाड़ दिया। उनके घर की छत उड़ गई और खेत पूरी तरह बर्बाद हो गए। इतना ही नहीं उनके कुछ जानवर भी इस तूफान की चपेट में आकर मारे गए। तूफान ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। तूफान कुछ ही मिनटों तक चला, लेकिन उसने सब कुछ नष्ट कर दिया। उनका कहना है कि किसानों को इस आपदा से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। उनकी फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं और अब खाने तक के लाले पड़ गए हैं। लोगों का कहना है कि उन्हें अभी तक किसी भी तरह की सरकारी राहत नहीं मिली है। वे अपने घरों के नष्ट होने के बाद असहाय महसूस कर रहे हैं और प्रशासन से जल्द मदद की गुहार लगा रहे हैं।

रेलवे स्टेशन और प्लेटफॉर्म पर थूकना और गंदगी फैलाना पड़ेगा मंहगा

-पश्चिम रेलवे ने सख्त कार्रवाई कर 6 लाख का जुर्माना वसूला

मुंबई । मुंबई रेलवे स्टेशन और प्लेटफॉर्म पर थूकना और गंदगी फैलाना अब आपकों मंहगा पड़ सकता है। पश्चिम रेलवे ने इसतरह के यात्रियों पर सख्त कार्रवाई कर 6 लाख का जुर्माना वसूला है। इतना ही नहीं पश्चिम रेलवे के डिविजनल मैनेजर पंकज सिंह ने जुर्माने की राशि बढ़ाने के संकेत दिए हैं। बता दें कि रेलवे स्टेशन और प्लेटफॉर्म पर पान और गुटखा खाकर थूकने वालों पर 200 से 500 रुपये तक का जुर्माना लग सकता है। फिलहाल, यात्रियों से इसके तहत जुर्माना वसूला जा रहा है। अब पश्चिम रेलवे ने स्वच्छता पर अधिक जोर देकर जुर्माना राशि बढ़ने के संकेत दे दिए है। 'ऑपरेशन पवित्रा' के तहत पश्चिम रेलवे के कारोबारी विभाग के अधिकारी स्टेशन के सुपरवाइजर से वीडियो कॉल के द्वारा स्वच्छता का जायजा ले रहे हैं। इस बीच, पश्चिम रेलवे ने मुंबई डिविजन के चर्चगेट से विरार तक की सफाई के लिए 8 हाउसकीपिंग ठेकेदार कंपनियों की नियुक्ति की है, लेकिन स्टेशन पर गंदगी मिलने के कारण उन्हें 17 लाख 84 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

असम में कोयला खदान में फंसे पांच और खनिकों के शव बरामद

गुवाहाटी । असम के दीमा हसाओ जिले में कोयला खदान में फंसे पांच और खनिकों के शव बरामद हुए हैं। खदान में लापता होने के 44 दिन बाद खनिकों के शवों को खदान से बाहर निकाला गया है। एक अधिकारी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। बचाव अभियान के दौरान देर शाम तीन शव बरामद हुए, जबकि दो शव दिन में पहले बरामद किए गए थे। ताजा बरामदगी के साथ 6 जनवरी को वहां फंसे सभी नौ खनिकों के शव बरामद हुए हैं। उमरंगशू में खदान में पानी निकालने का काम एक माह से अधिक समय से जारी था और बुधवार को खदान में जलस्तर काफी कम होने से खनिकों के शव को निकालने का अभियान शुरू हुआ। शव बुरी तरह सड़ी गली अवस्था में बरामद हुए जिन्हें गोताखोरों ने बाहर निकाला। अधिकारी ने बताया कि शवों की पहचान अभी नहीं हुई है और इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। छह जनवरी को खदान के अंदर पानी भरने से नौ मजदूर फंस गए थे और एक का शव दो दिन बाद बरामद किया गया, जबकि तीन अन्य के शव 11 जनवरी को मिले। जिन खनिकों के शव पहले बरामद किए गए थे, असम सरकार ने उनके परिजनों को 10-10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी है और खदान में फंसे लोगों के परिजनों को छह-छह लाख रुपए दिए गए। राज्य सरकार ने घोषणा की थी कि खदान में फंसे सभी लोगों के परिवारों को कुल 10-10 लाख रुपए दिए जाएंगे।

हवाई अड्डे पर यात्री का मजाक उसी को पड़ गया भारी

कोच्चि । कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री ने हंसी मजाक में बैग में बम होने की बात कही। इसके बाद यात्री हिरासत में ले लिया गया। हवाई अड्डा पर सुरक्षा अधिकारियों ने केरल के कोझिकोड निवासी राशिद को घटना के बाद नेदुम्बस्सेरी पुलिस को सौंप दिया।

नहीं रहूंगी शीशमहल में, बनाएंगे म्यूजियम जनता को करेंगे समर्पित: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी विधायक दल की नेता रेखा गुप्ता ने सीएम पद की शपथ से पहले ही कहा कि शीशमहल को म्यूजियम बनाया जाएगा। बतौर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जिस बंगले में रहते थे उसे बीजेपी शीशमहल कहती है। आरोप है कि केजरीवाल ने इस बंगले के पुनर्निर्माण और साज-सज्जा पर करोड़ों रुपए खर्च किए थे। बीजेपी पहले ही तय कर चुकी है कि उनका सीएम इस बंगले में नहीं रहेगा।

बुधवार शाम बीजेपी के प्रदेश कार्यालय में विधायक दल की नेता चुनी गईं रेखा गुप्ता ने एक टीवी चैनल से बातचीत में शीशमहल को लेकर कहा कि हम शीशमहल को म्यूजियम बनाएंगे... हम उन सभी वादों को पूरा करेंगे जो पीएम मोदी ने जनता से किए हैं। इस पद के लिए मुझे चुनने के लिए मैं आभार प्रकट करती हूं।

शीशमहल में रहने के सवाल रेखा गुप्ता ने कहा कि वह उसमें नहीं रहेंगी। वह जनता के खून पसीने की कमाई का महल है। वह जनता को ही समर्पित करेंगी। जनता जाए, उसको देखे और उन्हें हर क्षण इस बात का अहसास होगा कि उनका पैसा कहां खर्च हुआ है। दिल्ली में 6 फ्लैगस्टाफ रोड स्थित इस बंगले को लेकर बीजेपी और आप के बीच लंबे समय से वार-पलटवार चल रहा है। बंगले में कथित तौर पर अवैध रूप से करोड़ों रुपए खर्च किए गए हैं।

हाल ही में मीडिया में लीक रिपोर्ट में भी ऐसी बातें सामने आईं थीं कि सीवीसी ने जांच शुरू कर दी है। आरोप है कि कोरोना काल में अरविंद केजरीवाल ने आसपास के कई बंगलों को अपने आवास में मिला लिया और करोड़ों रुपए खर्च किए। कथित शराब घोटाले में जेल गए केजरीवाल ने बाहर आने के बाद जब पद से इस्तीफा दिया तो बंगले को खाली कर दिया था। दिल्ली में चुनाव के दौरान भी बीजेपी ने शीशमहल को एक बड़ा मुद्दा बनाया था। खुद पीएम मोदी ने भी रैलियों में इसका जिक्र किया था। बीजेपी दिल्लीवालों को याद दिलाती थी कि किस तरह केजरीवाल राजनीति में आने के समय कहते थे कि वह सीएम बनने पर बड़े बंगले में नहीं रहेंगे।

कांग्रेस नेता ने की रेखा गुप्ता की जमकर तारीफ

नई दिल्ली। दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की कांग्रेस के लोग भी तारीफ कर रहे हैं। रेखा गुप्ता के नाम की घोषणा होते ही जहां उनकी पार्टी और परिवार में जश्न शुरू हो गया तो विपक्षी दलों के नेताओं ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। दिल्ली को एक और महिला सीएम मिलने पर जहां आतिशी मार्लेना ने खुशी जाहिर की तो दूसरी तरफ कांग्रेस नेता अलका लांबा ने भी उनकी तारीफ की है। रेखा गुप्ता को सीएम बनाए जाने की घोषणा के तुरंत बाद अलका लांबा ने सोशल मीडिया पर एक तस्वीर पोस्ट की जो वायरल हो गया। अलका लांबा और रेखा गुप्ता की एक साथ यह तस्वीर करीब 30 साल पुरानी है।

लांबा ने एक्स पर लिखा, 1995 की यह यादगार तस्वीर- जब मैंने और रेखा गुप्ता ने एक साथ शपथ ग्रहण की थी। मैंने एनएसयूआई से दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष पद पर जीत हासिल की थी और रेखा ने एबीवीपी से महासचिव पद पर जीत हासिल की थी। रेखा गुप्ता को बधाई और शुभकामनाएं। दिल्ली को चौथी महिला मुख्यमंत्री मिलने पर बधाई और हम दिल्ली वाले उम्मीद करते हैं की मां यमुना स्वच्छ होंगी और बेटियां सुरक्षित। अलका लांबा ने कहा कि रेखा गुप्ता वैचारिक मतभेद के बावजूद मुद्दों पर साथ काम करती थीं और ईमानदारी से निरंतर प्रयास करती हैं।

बिहार से कुंभ जा रही ट्रेनों में यात्री ने तोड़े दिए पिछले पुराने रिकॉर्ड

-एक-एक ट्रेन में ऑक्युपेंसी करीब 220-250 प्रतिशत तक

पटना (एजेंसी)। महाकुंभ में यात्री सुविधाओं को लेकर पूर्व मध्य रेलवे ने भी पूरी ताकत लगा दी है। कुंभ के कारण यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखकर पटना, दानापुर, राजेंद्रनगर टर्मिनल व पाटलिपुत्र से रोजाना कुल 12 से 15 स्पेशल ट्रेन चल रही हैं। हालांकि भीड़ इतनी हो रही है कि पटना जंक्शन से खुलने वाली संपूर्णक्रांति, पीएनबी एलटीटी और मगध एक्सप्रेस सहित स्पेशल ट्रेनें पूरी तरह से पैक हो चल रही हैं।

जनरल कोच के मामले में संपूर्णक्रांति, मगध एक्सप्रेस व पटना एलटीटी एक्सप्रेस में अधिकतम ऑक्युपेंसी (सीट के क्षमता से अधिक यात्री सफर) का रिकॉर्ड टूट गया है। रेलवे के आंकड़ों के मुताबिक इन ट्रेनों में ऑक्युपेंसी करीब 220-250 प्रतिशत के तक पहुंच गई है। यानी क्षमता से ढाई गुना तक यात्री इन ट्रेनों में ठूंस कर यात्रा कर रहे हैं।

इन ट्रेनों में सबसे अधिक छठ पूर्व के दौरान यात्रियों की भीड़ होती थी। इस दौरान इन ट्रेनों में अधिकतम ऑक्युपेंसी 165 से 170 प्रतिशत तक देखने को मिलती थी। लेकिन महाकुंभ के चलते यात्रियों की भीड़ ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। प्रयागराज जाने वाली किसी भी ट्रेन में इन दिनों पैर रखने की जगह नहीं है। यात्री स्पेशल ट्रेनों की तुलना में नियमित ट्रेनों में जाना अधिक पसंद कर रहे हैं। यात्रियों का कहना है कि स्पेशल ट्रेन ज्यादा समय ले रही हैं।

वर्तमान में दानापुर मंडल से रोजाना 10 से 12 ट्रेनों प्रयागराज के लिए रवाना हो रही हैं। इसमें रोजाना करीब 70 से 80 हजार यात्री प्रयागराज कुंभ स्नान करने जा रहे हैं। इतने ही यात्री प्रयागराज कुंभ से वापस पटना व दानापुर मंडल के आसपास के स्टेशनों पर लौट रहे हैं। जंक्शन से पहले अधिकतम डेढ़ लाख यात्री सफर करते थे। लेकिन वर्तमान में इनकी संख्या करीब चार लाख के आसपास पहुंची है।

महाकुंभ 'मुक्ति मेला' है, मनुष्य को ईश्वर से जोड़ता, ममता के बयान पर बंगाल के राज्यपाल ने दिया जवाब

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने गुरुवार को कुंभ मेले को मुक्ति मेला (स्वतंत्रता मेला) बताया, जिसने मनुष्य को भगवान से जोड़ने वाला एक इंद्रधनुष पुल बनाया। उनका बयान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस दावे के कुछ दिनों बाद आया है कि महाकुंभ भगदड़ की घटनाओं के कारण मृत्यु कुंभ में बदल गया है, उन्होंने दावा किया था कि मेगा धार्मिक सभा में वास्तविक टोल को अधिकारियों द्वारा दबा दिया गया था। मैं किसी विवाद में नहीं पड़ना चाहता। यह एक लोकतांत्रिक व्यवस्था है और मुख्यमंत्री को अपनी राजनीतिक स्थिति के आधार पर किसी भी स्थिति का अपना विश्लेषण देने का अधिकार है। बोस ने यहां राजभवन में पत्रकारों से कहा कि मैं लोकतंत्र की सुंदरता के रूप में इसका स्वागत करता हूं।

जहां तक मेरा सवाल है तो मैं राज्यपाल के तौर पर कोई टिप्पणी नहीं देना चाहता. मैं इस प्रक्रिया में एक विनम्र भागीदार के रूप में वहां गया था। बंगाल के राज्यपाल ने इस सप्ताह की शुरुआत में कुंभ मेले का दौरा किया था और पवित्र जल में डुबकी लगाई थी। बोस ने कुम्भ मेले को मुक्ति मेला और मृत्युंजय मेला बताया। प्रयागराज में मण्डली के बारे में आगे बात करते हुए, बोस ने कहा कि आप जानते हैं, मैं कुंभ मेले को भारत की महान परंपरा की परिणति के रूप में देखता हूं।

कुम्भ ईश्वर से मिलन है। जो साधारण व्यक्ति स्वेच्छा से वहाँ आये थे। उनमें से लाखों-करोड़ों लोग अपने आप आए क्योंकि वे वहां रहना चाहते थे। मुझे लगता है कि यह एक इंद्रधनुषी पुल है जो धरती को आकाश से, मनुष्य को भगवान से, आंतरिक दुनिया को बाहरी दुनिया से जोड़ता है।

सम्राट चौधरी का दावा, रेखा गुप्ता की सरकार में बिहार के लोगों को मिलेगा सम्मान, निर्मल होगी यमुना

नई दिल्ली/ पटना। (एजेंसी)। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि श्रीमती रेखा गुप्ता ने दिल्ली के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही बिहार-यूपी के लोगों को उत्साहजनक संदेश दिए और सारे वादे पूरे करने की क्षमता का विश्वास दिलाया। राजधानी के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में आयोजित समारोह के बाद चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री गुप्ता ने शपथ ग्रहण के समय मधुबनी प्रिंट वाली साड़ी पहनी और बक्सर (बिहार) के रहने वाले पंकज सिंह को भी 7 सदस्यीय कैबिनेट में अपना सहयोगी बनाया। उन्होंने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह से ही साफ हो गया कि अब दिल्ली में बिहार के लोगों को सम्मान मिलेगा और यमुना का निर्मलीकरण शीघ्र पूरा होगा। चौधरी ने दिल्ली सरकार के गठन में सभी वर्गों के सम्मान का ध्यान रखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेतृत्व को धन्यवाद दिया।

मोदी के रहते मुमकिन नहीं है 370 की वापसी: सीएम अब्दुल्ला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के भले ही केंद्र सरकार से अच्छे संबंध बताए जाते हैं लेकिन मौका आने पर उमर अपनी बात कहने से नहीं चूकते हैं। हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि यदि मोदी सरकार द्वारा किए गए वादे पूरे नहीं होते हैं तो उनकी सरकार केंद्र के साथ अपने संबंधों को लेकर पुनर्मूल्यांकन कर सकती है। साथ ही उन्होंने यह भी साफ शब्दों में कहा है कि पीएम मोदी के रहते जम्मू-कश्मीर में आर्टिकल-370 की वापसी नहीं हो सकती है। दरअसल एक इंटरव्यू के दौरान सीएम उमर अब्दुल्ला से जब यह पूछा गया कि जब तक नरेंद्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री हैं, क्या जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के बहाल होने की कोई संभावना है? उमर अब्दुल्ला ने साफ शब्दों में कहा कि नहीं, इसकी कोई संभावना नहीं है। उमर अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के प्रति अपनी दृष्टिकोण को लेकर उठाए गए सवालों का भी जवाब दिया। उन्होंने

कहा कि अपने कार्यकाल के पहले कुछ महीनों में केंद्र के साथ एक सहयोगात्मक संबंध स्थापित करना महत्वपूर्ण था। उन्होंने कहा, कम से कम मेरी सरकार के पहले कुछ महीनों में मुझे जम्मू और कश्मीर के लोगों के लिए केंद्र सरकार के साथ एक अच्छा कार्य संबंध स्थापित करने की कोशिश करनी चाहिए। 2019 में केंद्र सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के मुद्दे पर उमर अब्दुल्ला ने अपनी स्थिति को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा की इसकी बहाली के लिए संघर्ष को छोड़ा नहीं गया है। उन्होंने कहा, हमने विधानसभा में प्रस्ताव पारित किया था जिसमें जम्मू और कश्मीर के स्पेशल स्टेटस को बहाल करने और संवैधानिक गारंटी को फिर से लाने की मांग की गई थी।

पदयात्रा से दूरी: फडणवीस के संग कदम से कदम मिलाकर नहीं चल रहे शिंदे और पवार

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में सब कुछ ठीक नहीं है। वर्तमान परिस्थितयों को देखते हुए माना जाने लगा है कि राज्य के दोनों उप मुख्यमंत्री अजित पवार और एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ कदम से कदम मिलाकर नहीं चल रहे हैं। इसकी झलक पदयात्रा में दिखाई दी। जिसमें दोनों ही नेता शामिल नहीं हुए। पुणे में शिवाजी जयंती के अवसर पर देवेंद्र फडणवीस ने एक रैली निकाली, इसमें दोनों उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और अजित पवार नजर नहीं आए।

महाराष्ट्र के युवा मामलों और खेल मंत्री दत्तात्रेय भरणे एनसीपी के एकमात्र नेता थे जिन्होंने पदयात्रा में हिस्सा लिया। अजित पवार को पदयात्रा में भाग लेने और दिवंगत इतिहासकार बाबासाहेब पुरंदरे के स्थापित महाराजा ट्रस्ट के शिवसृष्टि के दूसरे चरण के उद्घाटन में भी शामिल होना था। हालांकि, वह दोनों समारोहों में शामिल नहीं हुए। एकनाथ शिंदे केवल शिवनेरी किले में शिवाजी की जयंती समारोह में शामिल हुए और वापस मुंबई लौट आए। पदयात्रा में दोनों उपमुख्यमंत्रियों की अनुपस्थिति के

बारे में पूछे जाने पर स्थानीय एनसीपी नेता ने कहा कि उन्हें अजित पवार के न शामिल होने का कारण नहीं पता है। उन्होंने कहा, स्थानीय एनसीपी को पदयात्रा कार्यक्रम के बारे में सूचित नहीं किया गया था, जो एक सरकारी समारोह था। हम स्थानीय स्तर पर जश्न मनाने में व्यस्त थे।

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्रालय ने महाराष्ट्र सरकार के सहयोग से शिवाजी की जयंती पर राज्य भर में पदयात्रा का आयोजन किया था। मुख्य समारोह पुणे में आयोजित किया गया था जिसमें 20,000 से अधिक युवाओं ने जय शिवाजी, जय भारत के नारों के बीच सीओईपी से फर्ग्यूसन कॉलेज मैदान तक आयोजित पदयात्रा में भाग लिया था। कार्यक्रम मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में बीजेपी प्रधान समारोह में बदल गया। इसमें केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया, रक्षा खडसे और मुरलीधर मोहोल, राज्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल और आशीष शेलार, राज्यसभा सांसद मेधा कुलकर्णी, भाजपा विधायक सिद्धार्थ शिरोले और हेमंत रसाने और स्थानीय भाजपा नेता भी शामिल हुए।

विदेश से एमबीबीएस करने के लिए भी नीट यूजी पास करना जरुरी

-सुप्रीम कोर्ट ने एमसीआई के नियम को बरकरार रखा

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश से एमबीबीएस करने के लिए नीट यूजी परीक्षा पास करना अनिवार्य कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया के नियम को बरकरार रखा है। केंद्र की ओर से 2018 में लाया गया यह नियम सुनिश्चित करता है कि विदेश में मेडिकल की पढ़ाई कर रहे भारतीय छात्र भारत में मेडिसिन की प्रैक्टिस करने के लिए जरूरी मानकों को पूरा करें। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में कहा कि यह रेगुलेशन निष्पक्ष व पारदर्शी है और किसी भी वैधानिक प्रावधान या संविधान के खिलाफ नहीं है। अदालत ने कहा कि यह नियम इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, 1956 के किसी भी प्रावधान के विपरीत नहीं है और न ही किसी भी तरह से मनमाना या अनुचित है। नीट यूजी पास करने की आवश्यकता ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन रेगुलेशन, 1997 में निर्धारित पात्रता मानदंडों को पूरा करने के अतिरिक्त है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बी आर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की।

बता दें कि वर्ष 2018 से उन भारतीय छात्रों के लिए नीट यूजी पास करना अनिवार्य किया गया है जो विदेश से एमबीबीएस कर भारत में डॉक्टरी करना चाहते हैं।

इसके बाद याचिकाकर्ताओं ने एमसीआई के रेगुलेशन को चुनौती देकर तर्क दिया था कि इस प्रावधान को इंडियन मेडिकल काउंसिल एक्ट, 1956 में संशोधन किए बिना लाया गया था। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने माना कि मेडिकल काउंसिल के पास एक्ट की धारा 33 के तहत रेगुलेशन पेश करने का अधिकार मिला हुआ था।

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने कहा, हमें रेगुलेशन में हस्तक्षेप करने का कोई कारण नहीं दिखाता है। सर्वोच्च न्यायालय ने एक बार के लिए छूट देने के लिए भी साफ इंकार किया।

पीठ ने कहा, जाहिर सी बात है कि संशोधित रेगुलेशन लागू होने के बाद यदि कोई उम्मीदवार प्राइमरी मेडिकल एजुकेशन लेने के लिए किसी विदेशी संस्थान में एडमिशन लेना चाहता है, तब वे रेगुलेशन से छूट की मांग नहीं कर सकते हैं। ये रेगुलेशन देश के भीतर डॉक्टरी करने के लिए आवश्यक पात्रता मानदंड निर्धारित करते हैं। यह भारत के बाहर कहीं भी डॉक्टरी करने के उनके अधिकार को प्रतिबंधित नहीं करता है।

फैसले का मतलब है कि विदेश में अंडर ग्रेजुएट मेडिकल कोर्स करने के इच्छुक भारतीय छात्रों को अब विदेशी मेडिकल संस्थानों में दाखिले का पात्र होने के लिए नीट यूजी पास करना होगा।

कोई भी भारतीय छात्र डॉक्टरी की डिग्री कहीं से भी लेता है, तब पहले उसे

नीट पास करना होगा। यदि कोई विदेशी नागरिक भारत में मेडिकल की पढ़ाई करना चाहता है, उस विदेशी छात्र को भी नीट पास करना होगा। 2018-19 के सत्र से यह लागू हो गया था। इसमें कहा गया कि विदेशों में मेडिकल पढ़ाई के इच्छुक हों, वे पहले नीट पास कर लें। विदेश जाने के लिए एमसीआई से अहर्ता प्रमाण पत्र लेना होता है। यह प्रमाण पत्र उन्हीं को मिलेगा जो नीट पास कर पाएंगे। यदि कोई बिना नीट पास किए विदेशों से मेडिकल की डिग्री लेते हैं, वहां देश में मान्य नहीं होगी।